@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 4 जनवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 61 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीएम रेखा गुप्ता का दिल्ली वासियों को नए साल पर तोहफा

● 15 महीने मिलेगी मुफ्त चीनी

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल पर दिल्ली वासियों को रेखा सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। हाल ही में आयोजित इस बैठक में अंत्योदय अन्न योजना (एएआई) के अंतर्गत सभी कार्डधारकों को जनवरी 2026 से मार्च 2027 तक (कुल 15 महीनों के लिए) मुफ्त चीनी वितरण को मंजूरी दे दी गई है। इस आशय की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस निर्णय के तहत दिल्ली के सभी एएवाई लाभार्थियों को हर महीने एक किलो चीनी सही और मानक ब्रांडिंग वाले पैकेट में निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना दिल्ली सरकार की गरीब-हितैषी नीतियों की दिशा में एक और ठोस कदम है, जिससे सबसे कमजोर वर्ग को खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ

गुणवत्तायुक्त सामग्री भी सुनिश्चित होगी। कैबिनेट की जानकारी के अनुसार वर्तमान में उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खुली चीनी वितरित की जाती है, जिससे धूल-मिट्टी, नमी, कीटाणुओं और कम तौल जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अब एक किलो के पैक्ड और ब्रांडेड पैकेट में चीनी उपलब्ध कराए जाने से न केवल मात्रा की सटीकता सुनिश्चित होगी, बल्कि स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण और उपयोग में भी सुविधा मिलेगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार दिल्ली में कुल 65,883 एएवाई परिवार इस योजना के दायरे में आएंगे, जिन्हें प्रति कार्ड प्रति माह एक किलो चीनी दी जाएगी। जब तक ब्रांडेड पैकेट के लिए नया टेंडर अंतिम रूप से स्वीकृत नहीं हो जाता, तब तक मौजूदा व्यवस्था के तहत चीनी का वितरण जारी रहेगा, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य कर रही है, जिसमें उन्होंने हमेशा गरीबों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

अंधेरी वेस्ट की एक बहुमंजिला बिल्डिंग में लगी आग

मची अफरातफरी

एजेंसी

मुंबई। अंधेरी पश्चिम की एसवी रोड पर स्थित हाईराइज बिल्डिंग 'चांदीवाला पर्ल रीजेंसी' में शनिवार को भीषण आग लगी, जिससे सोसायटी में अफरातफरी मच गई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के मुंबई फायर ब्रिगेड (एमएफबी) कंट्रोल रूम को सबसे पहले इसकी सूचना मिली। शुरुआत में आग बहुमंजिला इमारत की पहली मंजिल पर लगी, लेकिन बाद में यह इलेक्ट्रिक डक्ट में फैल गई। मुंबई फायर ब्रिगेड ने दोपहर 2:37 बजे इसे लेवल-1 आग घोषित किया। आग पहली से 10वीं मंजिल तक के इलेक्ट्रिक डक्ट में फैल गई, जिससे पूरे भवन में धुआं भर गया, जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ हुई। गनीमत रही कि अभी तक

किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। आग बुझाने के लिए मुंबई फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और ऑपरेशन जारी रहा। इसके अलावा पुलिस, संबंधित बिजली वितरण कंपनी के कर्मचारी, 108 एम्बुलेंस और बीएमसी के वार्ड स्तर के कर्मचारी भी तैनात किए गए। धुएं के कारण इमारत में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया जा रहा था। फायर ब्रिगेड की टीमों ने वेंटिलेशन और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया। चांदीवाला पर्ल रीजेंसी अंधेरी सबवे के ठीक सामने स्थित एक रिहायशी कॉम्प्लेक्स है, जो एसवी रोड पर स्थित है। इस इलाके में ट्रैफिक भी व्यस्त रहता है, इसलिए आग की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

धर्मेंद्र प्रधान ने नागपुर के रेशमबाग में संघ संस्थापकों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नागपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नागपुर स्थित रेशमबाग में संघ संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात उन्होंने दीक्षा भूमि का भी दौरा किया। दीक्षाभूमि वही स्थल है जहां डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज ही नागपुर पहुंचे हैं और एक निजी शिक्षा संस्थान के वार्षिक समारोह में शामिल हुए। मंत्री ने इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रेशमबाग स्थित कार्यालय पहुंचकर संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरुजी' की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार विभाग के अनुसार केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान नागपुर के भोसला मिलिट्री स्कूल के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ वर्धा रोड स्थित कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट का भी निरीक्षण किया। इससे पूर्व वे नागपुर एयरपोर्ट से सीधे रेशमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने परिसर का अवलोकन किया और डॉ. हेडगेवार एवं गुरुजी की समाधियों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

अटलजी और मालवीय जी ने दिखाया कि सच्चा नेतृत्व सत्ता और राजनीति से ऊपर होता है : राजनाथ सिंह

● नेहरू के 'कौन हैं भारत माता' का जवाब 'भारत माता कॉफी टेबल बुक' : रामबहादुर राय

एजेंसी

नई दिल्ली। 'राजनीति सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं बल्कि जनसेवा का पवित्र दायित्व है। लोकतंत्र तभी स्थायी रहता है, जब वह चरित्र, नैतिकता और सत्यनिष्ठा से निर्देशित हो यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही, जब वे दिल्ली विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों के अनावरण समारोह में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि दोनों नेता नैतिक ईमानदारी, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के सर्वोच्च मानक स्थापित करते हैं और उनका सार्वजनिक आचरण आज भी नैतिक राजनीति, उद्देश्य की एकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने में मार्गदर्शक है। यह कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा परिसर

में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रख्यात पत्रकार एवं पद्म भूषण से सम्मानित राम बहादुर राय, दिल्ली सरकार के संसदीय कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

इसके अतिरिक्त राज्य मंत्री (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय) हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, विधायक, पार्षद, पूर्व सांसद, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पंजाब के इतिहास में पहली बार चार सालों में 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 3 जनवरी। 'मिशन रोज़गार' के तहत आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से शिक्षा विभाग के 606 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र देने के साथ पंजाब में पहली बार चार सालों में युवाओं को 61,000 से अधिक सरकारी नौकरियां मिलने का नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। नव-नियुक्त उम्मीदवारों में 385 स्पेशल एजूकेटर टीचर, 157 प्राइमरी टीचर, 8 प्रिंसिपल तथा तरस के आधार पर भर्ती हुए 56 कर्मचारी शामिल हैं। आज यहां टैगोर थिएटर में शिक्षा विभाग के 606 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर नए साल की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि सभी नौकरियां पूरी तरह मेरिट और पारदर्शी तरीके से दी गई हैं तथा कभी भी किसी नियुक्ति को अदालती चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अप्रैल 2022 से सरकारी नौकरियां देने के लिए भर्ती अभियान शुरू कर दिया था और अब तक 61,281 सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों को आज भी वह समय याद है जब युवा नियुक्ति पत्र की आस में सालों-साल डाकिए

का इंतज़ार करते रहते थे, लेकिन अब वह दौर खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को खुद नियुक्ति पत्र बांटकर सम्मान दे रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछली सरकारों ने योग्यता और क्षमता की कद्र नहीं की, बल्कि इन सरकारों ने अपने पुत्र-भतीजों और चहेतों को रेवड़ियों की तरह नौकरियां बांटीं। इन सरकारों ने योग्यता होने के बावजूद नौकरी की प्रतीक्षा में भटकते युवाओं का दुःख-दर्द नहीं समझा। हमने चार सालों में पंजाब के हर गांव, शहर और कस्बे के युवाओं को योग्यता और क्षमता के आधार पर नौकरी दी ताकि साधारण घरों के युवाओं को आगे आने का मौका मिल सके। पारंपरिक पार्टियों के राजनेता अपने परिवार, रिश्तेदारों और चहेतों को ही पंजाब समझते थे, लेकिन मेरे लिए पूरा पंजाब ही मेरा परिवार है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब भर के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए स्पेशल एजूकेटर शिक्षकों का अलग कैडर बनाया गया है, जिसके तहत आज 385 स्पेशल एजूकेटर शिक्षकों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्राइमरी और सेकेंडरी स्तर पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को नए कौशल सीखने में बड़ा लाभ होगा। शेष पृष्ठ 3 पर

ममता सरकार पूरी तरह से भ्रष्ट, बाढ़ पीड़ितों के नाम पर की लूट : भाजपा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बाढ़ पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजा देने में घोटाले पर भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। भाजपा ने ममता सरकार पर वार करते हुए उन्हें पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई बताया। शनिवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता केके शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार द्वारा मालदा जिले में बाढ़ पीड़ितों को जो मुआवजे दिया गया, उसमें घोटाले के कई आवेदन हाई कोर्ट में दाखिल हुए थे। हाई कोर्ट ने सीएजी से उसकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा और जो रिपोर्ट सीएजी ने हाई कोर्ट में रखी, उसके कुछ तथ्य समाचार पत्र में बाहर आए हैं।

उन्होंने कहा कि उन तथ्यों के आधार पर ममता सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। बाढ़ पीड़ितों के नाम पर जिस तरह से लूट हुई, बंदरबांट की गई, उसमें लगभग 100 करोड़ का भ्रष्टाचार सामने आया है, जो बहुत ही शर्मनाक है। केके शर्मा ने

कहा कि एक ही मकान का मुआवजा, एक ही बैंक अकाउंट में दो बार से लेकर 42 बार तक वितरित किया गया। इससे समझा जा सकता है कि किस प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ, लूट हुई। जो मुआवजा प्राप्त करने के मुख्य हकदार थे, उन्हें मुआवजा न देकर सिर्फ लूट की गई। उन्होंने कहा कि लगभग 108 लोग ऐसे हैं, जिनको ये बाढ़ पीड़ित मुआवजे की राशि मिली है। वो या तो जनप्रतिनिधि हैं या सरकारी कर्मचारी हैं या फिर तृणमूल के नेता हैं। खास बात ये है कि 7 करोड़ की राशि ऐसे लोगों को मुआवजे के तौर पर दी गई, जिन लोगों ने मुआवजे के लिए आवेदन ही नहीं किया था। केके शर्मा ने कहा कि इससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि ममता सरकार में किस प्रकार की लूट मची हुई है। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आगामी दिनों में वहां विधानसभा का चुनाव है और आम जनता इस लूट-खसोट और भ्रष्टाचार का जवाब अपने मतों से देगी और ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

गिग वर्कर्स के लिए कांग्रेस सरकारों ने बनाया कल्याण कोष, लागू किए सुरक्षा प्रावधान : जयराम रमेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने बताया कि गिग वर्कर्स द्वारा काम की सम्मान जनक परिस्थितियों की मांग के बीच कांग्रेस शासित राज्यों तेलंगाना और कर्नाटक ने गिग वर्कर्स के लिए प्रत्येक लेनदेन पर 1 से 5 फीसदी तक कल्याण शुल्क वसूलकर कल्याण कोष की स्थापना की है। साथ ही त्रिपक्षीय कल्याण बोर्ड का गठन, बिना वैध कारण और पूर्व

सूचना के वर्करों को काम से न हटाने का नियम तथा सुरक्षित कार्य वातावरण और उचित अनुबंध सुनिश्चित किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि गिग वर्कर्स के आंदोलन के बीच मोदी सरकार बहुत देर से जागी है और उसका विजन कांग्रेस शासित राज्यों की पहल से काफी पीछे है। कांग्रेस सरकारों ने प्रत्येक लेनदेन पर 1 से 5 फीसदी तक कल्याण शुल्क वसूल कर गिग वर्कर्स के लिए कल्याण कोष बनाया गया है। इसके अलावा एक त्रिपक्षीय कल्याण बोर्ड की स्थापना की गई है ताकि वर्करों का पंजीकरण, शुल्क की वसूली, पारदर्शिता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी वर्कर को बिना वैध कारण और 14 दिन पूर्व सूचना के काम से नहीं हटाया जा सकता। गिग वर्कर्स की सुरक्षा कांग्रेस पार्टी के 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान घोषित 5-सूत्रीय 'युवा न्याय' एजेंडा का एक प्रमुख स्तंभ रही है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षाबलों की निर्णायक कामयाबी, 100 मुठभेड़ में 256 नक्सली ढेर हुए : सुंदरराज पी.

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज पी. ने शनिवार को कहा कि सुरक्षाबलों को नक्सल उन्मूलन में निर्णायक कामयाबी मिली है। वर्ष 2025 में हुई 100 मुठभेड़ों में कुल 256 नक्सली ढेर हुए और 1573 हिंसा छोड़ मुख्य धारा में शामिल हुए जबकि 898 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है।

बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज ने आज पत्रकार वार्ता में वर्ष भर की नक्सली उन्मूलन कार्रवाई के आंकड़े जारी करते हुए मुठभेड़ में मारे गए, गिरफ्तार किए गए और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का आंकड़ा बताया। इसके साथ उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने साल भर में 677 हथियार बरामद किए। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने 894 आईईडी भी खोजकर निष्क्रिय किए, जिससे बड़ी घटनाएं टलीं। उन्होंने बताया कि बस्तर में सुरक्षाबलों के लिए वर्ष 2025 कामयाबी भरा रहा। इसमें कुल 100 मुठभेड़ हुईं, जिनमें 256 नक्सली मारे गए। इस दौरान 898 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 1573 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर पुनर्वास नीति को अपनाया। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष में सुरक्षा बलों को बलिदान भी देना पड़ा। वर्ष 2025 में बस्तर क्षेत्र

में 23 जवान शहीद हुए और नक्सली हिंसा में 46 आम नागरिकों की भी जान भी गई। उन्होंने कहा कि फोर्स का फोकस ऑपरेशन के साथ-साथ पुनर्वास पर भी रहा। उन्होंने भरोसा जताया कि 2026 में बस्तर को और सुरक्षित बनाने की दिशा में कार्रवाई तेज रहेगी।बस्तर आईजी ने 5 वर्षों में अपनी शहादत देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वर्ष 2026 में एक बड़ा फैसला लिया गया है, जिसमें किसी भी तरह से होने वाले मुठभेड़ में हमारे जवानों को किसी भी तरह से कोई भी नुकसान नहीं होने देंगे। इसके लिए पूरी तरह से रणनीति तैयार कर ली गयी है। साथ ही शेष बचे नक्सली कैडरों को उसे भी जल्द खत्म करते हुए बस्तर को पूरी तरह से नक्सल मुक्त कर दिया जाएगा।

उन्होंने वर्ष भर के जारी आंकड़े में बताया कि दुपहिया वाहन हों या फिर बड़े वाहन यातायात नियमों का पालन नहीं करते है और अपने वाहनों को फर्राटे से दौड़ाते हैं, जिसकी वजह से ऐसी बड़ी घटनाये देखने को मिलती हैं। इसके अलावा कई ऐसे लोग हैं, जो रात को वाहन चलाने के दौरान अचानक आयी झपकी की वजह से कई बार बड़ी दुर्घटनाएं घटित होती हैं। वहीं कई बार तो अन्य वजहों से एक साथ कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।

छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ में 14 नक्सलियों के शव बरामद

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के बस्तर रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान आज सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए। बीजापुर जिले से 02 तथा सुकमा जिले से 12 माओवादी कुल 14 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं । मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में एके 47 , इंसास, एसएलआर राइफलें जैसे हथियार भी बरामद किये गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपूंजे की हत्या में शामिल कोंटा का मंगतु (डीवीसीएम), एसीएम हितेश सहित 14 नक्सली मारे गए हैं ।बीजापुर जिले के गगनपल्ली गांव (थाना बसागुड़ा) के जंगलों से 2 नक्सलियों के शव मिले, जिनमें हुंगा मडकाम भी शामिल है। छत्तीसगढ़ के सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया है कि बीजापुर एवं सुकमा जिलों के दक्षिणी क्षेत्रों में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डीआरजी की टीमें रवाना की गई थीं। ऑपरेशन के दौरान बीजापुर जिले में शनिवार सुबह लगभग 05:00 बजे से डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है, वहीं सुकमा जिले में कोन्टा, किस्टाराम के जंगलों में भी सुबह लगभग 08:00 बजे से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है। उन्होंने बताया कि अब तक तलाशी अभियान के दौरान अलग मुठभेड़ स्थलों से कुल 14 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं, जिनमें बीजापुर जिले से 02 तथा सुकमा जिले से 12 माओवादी शामिल हैं। चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के सटीक स्थान, ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारियाँ इस समय साझा नहीं की जा सकतीं।

कड़ाके की ठंड के बाद भी संगम में उमड़ा आस्था का सैलाब, प्रथम स्नान पर्व पर 31 लाख से अधिक ने किया पुण्य स्नान

एजेंसी

प्रयागराज। देश के सबसे विशाल, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वार्षिक समागम माघ मेला-2026 का शनिवार को तीर्थराज प्रयागराज में शुभारंभ हो गया। संगम और उसके आसपास के सभी घाटों पर पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर भोर से ही पवित्र स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन की तरफ से की गई व्यवस्था से श्रद्धालु भी गदगद दिखे। ठंड हवाओं और गलन के बाद भी श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं नजर आई। सायं सात बजे तक लगभग 31 लाख लोग संगम में स्नान कर चुके थे। यह संख्या 35 लाख तक पार कर लिए जाने का अनुमान है। पौष पूर्णिमा के अवसर पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम व विभिन्न घाटों पर दिन

भर स्नान का क्रम चला। संगम तट पर आध्यात्मिक उल्लास और धार्मिक आस्था का अद्वितीय मेल दिखा। देश भर के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं के लिए माघ मेले में पौष पूर्णिमा स्नान पर्व का दिव्य स्नान जीवन का अद्वितीय अनुभव बन गया है। हरियाणा की रेवाड़ी से आई निशा का कहना है कि त्रिवेणी के पावन जल में पुण्य की डुबकी से जीवन धन्य हो गया। सरकार ने मेला क्षेत्र में आने-जाने से लेकर घाटों में स्नान की उत्तम व्यवस्था की है। अपने पूरे परिवार के साथ मध्य प्रदेश के सीहोर से त्रिवेणी स्नान के लिए आई कल्पना तोमर का कहना था कि महाकुंभ में त्रिवेणी स्नान की जो कामना अधूरी रह गई थी, इस बार पूर्ण हो गई। मेला क्षेत्र में स्वच्छता और व्यवस्था सराहनीय है। सनातन आस्था से जुड़े विभिन्न संत सम्प्रदाय के संत महात्माओं ने भी त्रिवेणी के पावन जल में माघ मेला की पहली डुबकी लगाई। माघ मेला के आरंभ के साथ ही संपूर्ण मेला क्षेत्र में उत्सव और उल्लास की बयार प्रवाहित हो रही है। कमिश्नर प्रयागराज सौम्या का कहना है कि शाम सात बजे तक 31 लाख से अधिक से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य स्नान कर लिया था। यह सिलसिला अभी भी जारी है। स्नान के मुहूर्त के समापन तक यह आंकड़ा 35 लाख तक पार कर जाने का अनुमान है।

क्या खत्म होगी मनरेगा की जॉब गारंटी ? खरगे का, नए कानून अधिकारों पर सीधा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के एमजीएनआरईजीए बचाओ संग्राम की तीन प्रमुख मांगों को रेखांकित कर इस बात पर जोर दिया कि यह योजना दान नहीं बल्कि एक कानूनी गारंटी है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार से हाल ही में पारित विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को वापस लेने, एमजीएनआरईजीए को अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग करती है।

कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए दान नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब लोगों को उनके अपने गांवों में काम मिला, एमजीएनआरईजीए ने भूख और संकटग्रस्त पलायन को कम किया, ग्रामीण मजदूरी बढ़ाई और महिलाओं की आर्थिक गरिमा को मजबूत किया कांग्रेस नेता खरगे ने आरोप लगाया कि वीबी-जी राम जी अधिनियम एमजीएनआरईजीए की अधिकार-आधारित संरचना को नष्ट करता है, क्योंकि यह गारंटीकृत कार्य को मनमानी से बदल देगा, नियंत्रण को केंद्रीकृत करेगा और ग्राम सभाओं और राज्यों को कमजोर करेगा।

खरगे ने कहा कि वीबी ग्राम जी अधिनियम इसी अधिकार को समाप्त करने के लिए लाया गया है। कांग्रेस इसका विरोध करती है, क्योंकि काम अब गारंटीकृत अधिकार नहीं रहेगा, बल्कि चुनिंदा पंचायतों में केवल एक अनुमति होगी। बजट सीमित कर दिए जाएंगे, इसलिए संकट के समय में भी धन समाप्त होते ही काम भी बंद होगा। दिल्ली निधि और कार्यों का निर्णय करेगी, जिससे ग्राम सभाएं और पंचायतें अप्रासंगिक हो जाएंगी। 60 दिनों के काम पर रोक से संकट के चरम समय में काम से इंकार करना वैध हो जाएगा। मजदूरी एक संरक्षित अधिकार होने के बजाय अनिश्चित और दमनीय हो जाएगी। राज्यों को 40 प्रतिशत निधि प्रदान करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिससे संघवाद कमजोर होगा और गरीब राज्यों को नुकसान होगा। प्रौद्योगिकी बायोमैट्रिक और ऐप-आधारित बाधाओं के माध्यम से श्रमिकों को बाहर कर देगी। ग्राम संपत्तियों को ठेकेदार शैली की परियोजनाओं से बदल दिया जाएगा। खरगे ने कहा कि एमजीएनआरईजीए पर हमला करोड़ों श्रमिकों और उनके संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। हम हर पंचायत से लेकर संसद तक शांतिपूर्ण और दृढ़ता से इसका विरोध करने वाले है।

असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होने वाले हैं : गौरव गोगोई

गुवाहाटी ।असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होने हैं, यह मुकाबला राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि असम की जनता और उस व्यक्ति के बीच होगा, जिसे उन्होंने स्वयं को राजा समझने वाला कहा। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही राजा की पहचान जानती है। कांग्रेस नेता गोगोई ने बताया कि विपक्षी दल जनता में व्याप्त आक्रोश और हताशा को समझते हुए उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल वित्तीय प्रलोभन, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और चुनावी कानूनों के कथित उल्लंघनों के द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन असम की जनता इससे प्रभावित नहीं होगी। गोगोई ने कहा कि राज्य की जनता एकजुट होकर यह संदेश देगी कि धन, बल, अहंकार, धमकियाँ और विभाजनकारी राजनीति उनकी गरिमा को कुचल नहीं सकती।उन्होंने असम की भूमि, संस्कृति, विरासत, शांति और सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने का संकल्प जताया। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि असम चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय महत्व के होंगे और पूरे देश पर प्रभाव डालने वाले है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर नागरिकों को प्रजा की तरह मानने और उनके अधिकारों को सीमित करने का आरोप लगाया। सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का दुरुपयोग लाभार्थियों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है।

झोपड़ी में लिव-इन पार्टनर के साथ सो रहे किसान को जिंदा जला दिया, दोनों की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के चेंगम इलाके में कुछ अज्ञात हमलावरों ने एक झोपड़ी को बाहर से ताला लगाकर आग के हवाले कर दिया। इस भीषण अग्निकांड में झोपड़ी के भीतर सो रहे 53 वर्षीय किसान और उसकी 40 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की जिंदा जलने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पक्किरीपलायम गांव निवासी पी. शक्तिवेल और उनकी पार्टनर एस. अमृतम के रूप में हुई है। शक्तिवेल पेशे से किसान थे और एक ग्रामीण से पट्टे पर लिए गए तीन एकड़ के खेत में बनी छोटी सी झोपड़ी में रहते थे। रिपोर्ट में चेंगम पुलिस इंस्पेक्टर एम. सेल्वराज के हवाले से कहा कि झोपड़ी के भीतर दो शव ऐसी हालत में मिले जिन्हें पहचानना मुश्किल था। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हमलावरों ने साजिश के तहत झोपड़ी का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था ताकि अंदर मौजूद लोग बाहर न निकल सकें। मौके पर फोरेंसिक टीम और खोजी कुत्तों की मदद से सुराग जुटाए गए हैं। शवों का पोस्टमॉर्टम घटनास्थल पर ही किया गया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पड़ोसियों को कुछ जलने की तेज गंध आई, जिसके बाद उन्होंने मौके पर जाकर देखा कि झोपड़ी पूरी तरह राख हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में इस हत्याकांड के पीछे पारिवारिक रंजिश का एंगल सामने आ रहा है। शक्तिवेल तीन साल पहले अपनी पत्नी तमिलरसी से अलग हो गए थे। उनकी पत्नी अपने दो बेटों और एक बेटी के साथ बेंगलुरु में रहती हैं। वारदात से ठीक एक रात पहले शक्तिवेल की बेटी उनसे मिलने आई थी और रात 9 बजे खाना खाकर लौटी थी। अमृतम भी अपने पति से अलग रह रही थीं। उनके भी दो बेटे और एक बेटी हैं। शक्तिवेल और अमृतम पिछले तीन साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे।इंस्पेक्टर सेल्वराज के मुताबिक, हमने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला दर्ज किया है। चूंकि दोनों ही अपने-अपने जीवनसाथी से अलग हो चुके थे और साथ रह रहे थे, इसलिए हम सभी पहलुओं से जांच कर रहे हैं। इसमें दोनों के पूर्व जीवनसाथियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस दोहरे हत्याकांड ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

संदेशखाली इलाके में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया हमला, 6 पुलिसकर्मी घायल

कोलकत्ता (एजेंसी)। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमला करने से 6 पुलिसकर्मी घायल हुए है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने पुलिस की एक टीम बोयेरमारी गांव गई थी। पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों के एक समूह ने हमला किया और पुलिस वाहन को नुकसान पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी सहित छह घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। ये पुलिसकर्मी उस समय घायल हुए जब कुछ ग्रामीणों ने मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस वाहन में बिठाया था। अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मत्स्यपालन के लिए जल स्रोतों पर जबरन कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार आरोपी मूसा को पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। उसके अलावा, ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भीड़ को उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया गया। 5 जनवरी 2024 को, राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में स्थानीय टीएमसी नेता और जिला परिषद सदस्य शेख शाहजहाँ के आवास पर छापेमारी करने पहुंची ईडी की टीम पर हमला हुआ। शाहजहाँ को बाद में सीबीआई ने गिरफ्तार किया और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि राज्य पुलिस पर हुए हमले ने ममता बनर्जी के शासन में टीएमसी कार्यकर्ताओं की 'हताशा और बेशर्मी' को उजागर किया है।

केरल के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरुरी : सुरेश गोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कहा है कि केरल के विकास के लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता वाली 'डबल इंजन' सरकार का होना जरुरी है। केंद्रीय मंत्री गोपी ने कोल्लम जंक्शन रेलवे स्टेशन पर विरासत भवनों को संरक्षित करने की संभावनाओं का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से ये बात कही। उनके साथ सांसद एन. के. प्रेमचंद्रन भी मौजूद थे। त्रिशूर से सांसद गोपी ने कहा, ''मेरी लोगों से केवल यही प्रार्थना है कि वे अन्य राज्यों में 'डबल इंजन' सरकार के कारण मिल रहे लाभों को देख ले। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरुरी है। केंद्र द्वारा स्वीकृत फॉरेंसिक प्रयोगशाला परियोजना का जिक्र कर गोपी ने कहा कि इस शुरुआत में त्रिशूर में स्थापित करने का प्रस्ताव था, लेकिन विजयन सरकार द्वारा भूमि की अनुपलब्धता का हवाला देने के बाद तिरुवनंतपुरम स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री गोपी ने कहा, केंद्र ने त्रिशूर में 25 एकड़ जमीन मांगी थी। त्रिशूर में अब एक अन्य बड़ी परियोजना आएगी। मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को त्रिशूर से संभवत- कुछ समस्या है, क्योंकि कई विकास परियोजनाओं को जिले से बाहर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि त्रिशूर की जनता को यह बताया जाना चाहिए कि विकास परियोजनाओं को उनके जिले से बाहर आखिर क्यों भेजा जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास में हर क्षेत्र को शामिल किया जाना चाहिए।

विलेज डिफेंस गार्ड ने दिखाया अदम्य साहस... डरकर भागे तीन आंतकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की देसा घाटी में आतंकियों की बड़ी साजिश को विलेज डिफेंस गार्ड (वीडीजी) की बहादुरी ने नाकाम किया। शाम करीब 7-00 बजे जब तीन हथियारों से लैस आतंकियों ने रिहायशी इलाके को निशाना बनाने की कोशिश की, तब एक सतर्क स्थानीय गार्ड ने अदम्य साहस दिखाकर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। सूत्रों के मुताबिक दावेलकुंड इलाके के पास जंगल के रास्ते तीन संदिग्ध आतंकी गांव की ओर बढ़ते दिखाई दिए। स्थिति की गंभीरता को देखकर तैनात वीडीजी सदस्य ने तुरंत मोर्चा संभाला। उसने न केवल अपने परिवार और घर को सुरक्षित किया बल्कि कवर लेकर आतंकियों की दिशा में सटीक फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए जवाबी हमले से आतंकी घबरा गए। उन्हें अंदाजा नहीं था कि स्थानीय स्तर पर इतनी कड़ी चुनौती मिलेगी। खुद को घिरता देखकर आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर वापस घने जंगलों की ओर भाग गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स को सूचित किया गया। इसके बाद डोडा के सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अन्य वीडीजी सदस्यों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वीडीजी सदस्य की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े जानमाल के नकसान को टाल दिया है।

पुलिस को अपराध के खिलाफ सख्त और जनता के प्रति नरम रुख रखना चाहिए: स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नव नियुक्त पुलिसकर्मियों को बधाई देकर उनसे जनता की सेवा के प्रति करुणा, ईमानदारी और जिम्मेदारी का भाव बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपराध के खिलाफ सख्त और जनता के प्रति नरम रुख रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने नए साल 2026 की शुभकामनाएं देकर कहा कि पुलिस में शामिल होने के साथ ही उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। सीएम स्टालिन ने कहा कि लोग रात और सुबह बिना भय के बाहर जा सकें, इसके लिए पुलिस की तत्परता जरुरी है। उन्होंने तमिलनाडु को पूरे भारत में सुरक्षित और शांति का द्वीप बताकर वैश्विक कंपनियों द्वारा निवेश के लिए पसंदीदा राज्य बताया। नव नियुक्त पुलिसकर्मियों से अपेक्षा की गई कि वे इस भरोसे को बनाए रखें और अपने कर्तव्यों में सतर्क रहें। मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अपराध नियंत्रण में सक्रिय रहना होगा, ताकि बच्चों और समाज पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

सीएम स्टालिन ने प्रत्येक पुलिसकर्मी से आग्रह किया कि वे संकल्प लें, मेरे क्षेत्र में कोई अपराध मेरे नियंत्रण के बिना नहीं होगा उन्होंने कहा कि अधिकार का प्रयोग हमेशा तर्कसंगत और जनता के हित में होना चाहिए। सकारात्मक कार्य पूरे विभाग को गौरवान्वित करते हैं, जबकि एक भी गलती जनता का भरोसा तोड़ सकती है। उन्होंने यह संदेश दिया कि तमिलनाडु का भविष्य पुलिस की प्रतिबद्धता और कार्यशैली पर निर्भर है।

महाराष्ट्र राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा, सीएम फडणवीस ने लोगों को दिलाया भरोसा

मुंबई (एजेंसी)। पहचान और शासन को लेकर चल रही बहसों के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फिर कहा हैं कि राज्य में मराठी ही एकमात्र अनिवार्य भाषा है और नागरिकों को आश्वासन दिया है कि कोई अन्य भाषा थोपी नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है और इस बात पर जोर दिया है कि राज्य सरकार का अपने लोगों पर कोई अन्य भाषा थोपने का इरादा नहीं है। उनकी यह टिप्पणी भाषा नीति, शिक्षा और सांस्कृतिक पहचान पर चल रही राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा के बीच आई है। जबकि सरकार इस रुख को मराठी गौरव को संरक्षित करने और भाषाई विविधता का सम्मान करने के बीच संतुलन के रूप में प्रस्तुत करती है, विपक्षी दल, शिक्षाविद और नागरिक समाज समूह इस बात पर बहस जारी रखे हुए हैं कि ऐसी नीतियां अल्पसंख्यकों, सामाजिक सद्भाव और रोजमर्रा के शासन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य की स्कूली शिक्षा में मराठी भाषा ही एकमात्र अनिवार्य भाषा रहेगी। किसी अन्य भारतीय भाषा को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। अन्य भाषाएं किस कक्षा से पढ़ाई जाएंगी, इस पर फैसला डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा। यह बात उन्होंने 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की पहचान और आत्मा है। इसलिए इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्हें अनिवार्य करने का कोई इरादा भी नहीं है। भाषा नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाने के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट अंतिम चरण में है और उसी के आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। मराठी साहित्य और संस्कृति पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने राज्यव्यवहार कोश के माध्यम से मराठी को प्रशासनिक भाषा का दर्जा दिया था। सरकार आज भी मराठी के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया जाना गर्व की बात है।

ऑर्गन डोनेट करने में कर्नाटक ने तोड़ा रिकॉर्ड... 198 अंग दान के साथ बनाई खास जगह

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक ने साल 2025 में अंग दान कर अब तक का बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। राज्य में इस साल कुल 198 अंग दान किए, जो पिछले रिकॉर्ड 2023 में दर्ज 178 अंग दान को पार कर गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रिकॉर्ड के साथ कर्नाटक ने नेशनल लेवल पर ऑर्गन डोनेट करने में तीसरा राज्य बना है। एजेंसी के अनुसार, सूची में तमिलनाडु सबसे ऊपर रहा, जहां 267 अंग दान हुए, जबकि तेलंगाना ने 205 अंग दान दर्ज किए। महाराष्ट्र और गुजरात ने क्रमशः 153 और 152 अंग दान किए। कर्नाटक की यह तीसरी स्थिति राज्य की लगातार बढ़ती जागरूकता और अस्पतालों में बेहतर ट्रांसप्लांट सुविधाओं के कारण है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अंग दान करने की बढ़ोतरी के पीछे लोगों की भागीदारी और अस्पतालों में बेहतर निगरानी और बेहतर प्रबंधन। अधिकारी कहते हैं कि लोगों में अंग दान के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ी है और परिवार और समाज में अंग दान को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि कर्नाटक में इस तरह के आंकड़े जीवन बचाने वाले ट्रांसप्लांट के लिए उम्मीद जगाते हैं। अंग दान के माध्यम से कई रोगियों को नई जिंदगी मिली है और इससे जुड़े जागरूकता अभियान लोगों को अंग दान के सामाजिक और नैतिक महत्व के प्रति संवेदनशील बना रहे हैं।

शाह की डेडलाइन के बाद एक्शन में सुरक्षाबल... दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नए साल के पहले ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरु कर दी है। सुकमा और पड़ोसी बीजापुर जिले में हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 14 नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें एक महिला नक्सली शामिल है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और सुरक्षाबलों की टीम ने करीब 5 बजे इन ऑपरेशनों को अंजाम दिया।

बता दें कि तेलंगाना सीमा के पास गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि अब तक तीन शव बरामद किए हैं और भारी मात्रा में हथियार जब्त किए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मारे गए नक्सली किस्टाराम एरिया कमेटी के सदस्य थे।

बात दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मार्च 2026 की समय सीमा तय करने के बाद से सुरक्षाबलों के ऑपरेशनों में जबरदस्त तेजी आई है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में छत्तीसगढ़ में कुल 503 नक्सली मारे जा चुके हैं। 2025 में 284 नक्सली ढेर हुए हैं, जिसमें से 255 सिर्फ बस्तर क्षेत्र के हैं। 2024 में राज्य में कुल 219 नक्सली मारे गए थे। सुरक्षाबलों की आक्रामक कार्रवाई ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की कमर तोड़ दी है। छत्तीसगढ़ में अब यह संगठन करीब बिना सिर का हो गया है। महासचिव नंबला केशव राव उर्फ बसवाराजू और सैन्य नेता माड़वी हिड़मा सहित 9 सेंट्रल कमेटी (सीसी) सदस्य मुठभेड़ों में मारे जा चुके हैं। संगठन के पास अब केवल तीन सीसी सदस्य बचे हैं, जिनमें से गणेश उइके ओडिशा में और अनलदा झारखंड में सक्रिय हैं। मल्लरजी रेड्डी राज्य से बाहर हैं। प्रमुख नेता देवजी और गणपति राज्य छोड़ चुके हैं, जबकि वेणुगोपाल राव और पुल्लुरी प्रसाद राव जैसे नेताओं ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए बंद किया क्षेत्र... उधर पाकिस्तान ने ढाका के लिए खोला

नई दिल्ली । भारत द्वारा पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के बाद क्षेत्रीय विमानन और कूटनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने अहम कदम उठाकर बांग्लादेश की राष्ट्रीय एयरलाइन 'बिमान एयरवेज' को ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें संचालित करने की परमिशन दे दी है। यह मंजूरी ट्रायल आधार पर तीन महीनों के लिए दी गई है, जो मार्च 2026 के अंत तक वैध रहेगी। आवश्यकता और अनुभव के आधार पर इसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (पीसीएए) के अनुसार, यह फैसला केंद्र की स्वीकृति के बाद लिया गया है। बिमान एयरवेज को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में तय किए रूट्स का सख्ती से पालन करना होगा। साथ ही, ढाका से उड़ान भरने से पहले कराची एयरपोर्ट प्राधिकरण को पूरी फ्लाइट डिटेल्स उपलब्ध करानी होंगी। उड़ानों का शेड्यूल और अन्य परिचालन संबंधी विवरण जल्द ही अंतिम रूप ले लिए जाएंगे। सभी उड़ानें पाकिस्तान के सिविल एविएशन नियमों के तहत संचालित की जाएंगी।

हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने एयरस्पेस को बंद किया था, इसकारण पाकिस्तानी विमान भारत के हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान नहीं भर सकते। वहीं, बांग्लादेशी एयरलाइनों पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों में अगस्त 2024 के बाद से तेजी से सुधार देखा गया है। पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने और भारत में शरण लेने के बाद ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में तनाव आया, जबकि इस्लामाबाद ने ढाका के साथ रिश्ते मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दीं। नवंबर 2024 में पीआईए और बिमान के बीच कार्गो समझौता हुआ, फरवरी 2025 में पहला कार्गो जहाज पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचा और दिसंबर 2025 में बिमान द्वारा कराची के लिए नियमित उड़ानों की घोषणा की गई।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और टीएमसी के बीच विवाद तेज

- टीएमसी ने बीएलए को सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच विवाद तेज हो गया है। यह मामला अब अदालत तक पहुंचने की कगार पर है। निर्वाचन आयोग ने टीएमसी की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें पार्टी के बीएलए को मतदाता सूची के मसौदे पर दावों और आपत्तियों की सुनवाई सत्रों में भाग लेने की अनुमति देने की अपील की थी।

राज्य में तीन चरणों वाली एसआईआर प्रक्रिया का पहला चरण पूरा हो चुका है। घर-घर सर्वे, फॉर्म वितरण, फॉर्म भरवाने और डिजिटल एंट्री के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो चुकी है। अब दूसरा चरण दावों और आपत्तियों की सुनवाई पर केंद्रित है, जो 15 जनवरी 2026 तक चलेगा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के मुताबिक यदि टीएमसी की मांग मान ली जाती, तो अन्य सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की समान मांगें भी स्वीकार करनी पड़तीं।

इससे सुनवाई में कम से कम 11 अतिरिक्त व्यक्ति उपस्थित होते, जिसमें दावेदार, उसके सहायक और कम से कम आठ दलों के बीएलए शामिल होते। इसमें चुनावी पंजीकरण अधिकारी, सहायक ईआरओ, माइक्रो ऑब्जर्वर के अलावा मतदाता और उसके साथी भी होते। ईसीआई सूत्रों का कहना है कि इतनी भीड़ में सुनवाई प्रक्रिया संचालित करना असंभव हो जाता और अलग-अलग एजेंट अपनी-अपनी व्याख्या करते, जिससे अराजकता फैलती। पश्चिम बंगाल में मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय पार्टियां टीएमसी और फॉरवर्ड ब्लॉक हैं, जबकि राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, सीपीआई(एम), आम आदमी पार्टी, बसपा और एनपीपी हैं।

आयोग के इनकार पर टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह जानबूझकर किया गया, क्योंकि अन्य दलों, खासकर बीजेपी के पास सभी सुनवाई टेबलों के लिए पर्याप्त बीएलए नहीं हैं। टीएमसी ने कहा कि बीजेपी के पास तो उम्मीदवार उतारने लायक कार्यकर्ता भी नहीं हैं। आयोग के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि वे किसी पार्टी की कथित ताकत या कमजोरी की कल्पना पर फैसले नहीं ले सकते। सभी दलों के लिए समान नियम लागू करने होते हैं, जो व्यावहारिक और उपयोगी हों। चुनाव आयोग ने कहा कि सुनवाई में दस्तावेजों के जांच और सवाल-जवाब होते हैं, जिसमें बीएलए की कोई राजनीतिक भूमिका नहीं है। इसलिए सभी दलों के बीएलए को अनुमति न देना तर्कसंगत है, ताकि प्रक्रिया बिना बाधा के पूरी हो। टीएमसी आयोग के इस फैसले को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की पारदर्शिता का मुद्दा बता रही है, जबकि आयोग इसे प्रक्रिया की सुचारूता के लिए जरूरी कदम मानता है।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने पर पलटा ऑटो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करते समय अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार पीड़िता अनुपमा शर्मा जख्मी हो गई। इस बीच बदमाश मौके से भागने में कामयाब हो गए। ऑटो पलटने के बाद राहगीरों ने मदद कर चालक व शिक्षिका को ऑटो से बाहर निकला और अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने अनुपमा का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे हैं, उसके आधार पर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक शाहदरा के भोलानाथ नगर निवासी अनुपमा दक्षिण दिल्ली के सादिक नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। 25 सितंबर की सुबह वह स्कूल जा रही थी। इस बीच लक्ष्मी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने उनका पर्स छीनने का प्रयास किया। पीड़िता ने पर्स की पट्टी पकड़ी हुई थी, आरोपियों ने झटका मारकर उसे छुड़ा लिया। पीड़िता ने ऑटो चालक से बदमाशों का पीछा करने के लिए कहा। चालक ने भी बाइक सवारों के पीछे ऑटो लगा दिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने की वजह से ऑटो पलट गया और अनुपमा जख्मी हो गईं।

रोमांच की रेस में जिंदगी की दौड़ हार गए पांच दोस्त

कौमी पत्रिका

गुरुग्राम। रफ्तार और रोमांच के शौक ने पांच दोस्तों की जान ले ली। थार में सवार इन युवकों और युवतियों की मौत इस कदर खौफनाक थी कि इनके शरीर के टुकड़े इधर-उधर बिखर गए और गाड़ी के परखचे उड़ गए। परिजनों को यकीन भी नहीं था कि जिस वक्त वह अपने घरों में चैन की नींद सो रहे हैं ठीक उसी पल हरियाणा के गुरुग्राम में एनएच-48 पर उनके बच्चे उन्हें जीवन में न भूलने वाला दर्द दे जाएंगे। पुलिस के अनुसार, क्षतिग्रस्त थार में सवार सभी दोस्तों को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जिस जगह हादसा हुआ है उससे करीब 200-250 मीटर पहले ही इबोला क्लब से निकलकर सभी दोस्त थार गाड़ी से एनएच-48 की सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंचे थे। हाईवे पर करीब 140 की स्पीड़ से गुजरती थार सर्विस लेन के पास पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हुई है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि थार गाड़ी की रफ्तार हाईवे पर 60 से 70 स्पीड में चल रहे अन्य वाहनों से करीब दोगुनी थी। कुछ लोग आशंका जता रहे हैं कि गौतम की होने वाली शादी को देखते हुए कहीं यह सभी दोस्त उससे बैचलर पार्टी लेने के लिए तो कहीं नहीं जा रहे थे। हालांकि यह सब कयास ही है। हादसे में एकमात्र बचे कपिल के होश में आने के बाद ही पता चलेगा सभी

कहां, क्यों और किसलिए जा रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल कपिल शर्मा के बयान देने की स्थिति में नहीं होने की वजह से पुलिस अब तक नहीं जान पाई है कि गाड़ी कौन चला रहा था। क्या किसी ने उसे तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने से रोका नहीं और ये लोग नोएडा की ओर जाने वाले थे या उनका अन्य किसी स्थान पर घूमने का प्लान था। पुलिस का कहना है कि कपिल के होश में आने पर ही कई बातों से पर्दा उठेगा। सिग्नेचर टावर के पास इबोला क्लब से वापस जाते समय सभी छह युवक-युवतियां थार गाड़ी से निकले थे। इसके बाद वे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर झाड़सा की ओर चले। दिल्ली-जयपुर हाईवे (एनएच-48) पर शनिवार सुबह हुए थार गाड़ी हादसे में सोनीपत के मोहाना गांव निवासी गौतम की मौत हो गई। गौतम की शादी की शहनाई बजने से पहले ही अर्थी उठानी पड़ी। गौतम के परिवार वालों ने बताया कि एक नवंबर को गौतम की शादी होनी थी। शादी की घर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही थीं। गौतम के एक बड़ा भाई व एक बहन है, दोनों की शादी हो चुकी है। शनिवार को मोहाना गांव से गुरुग्राम पहुंचे गौतम के भाई गोविंद ने बताया कि सुबह नौ बजे पुलिस ने हादसे के बारे में सूचना दी तो परिवार एकदम से सकते में आ गया। गोविंद ने बिखलते हुए बताया कि घर पर गौतम की शादी का कार्ड छपने व बांटने, कपड़े व गहने खरीदने सहित अन्य कार्य किए जा रहे थे लेकिन इस हादसे से उनकी खुशियां ही उजाड़ दीं। शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे गौतम से कॉल पर बात हुई थी। गौतम जीजा ने बताया कि कुछ समय पहले ही गौतम नोएडा स्थित सैमसंग कंपनी में जॉब पर लगा था। गुरुग्राम में रफ्तार और रोमांच के शौक ने पांच दोस्तों की जान ले ली। एनएच-48 पर दिल्ली से जयपुर की ओर जाने वाली लेन पर बेकाबू थार ने शनिवार सुबह कई परिवारों के सपनों को रौंद दिया। परिवार वालों को भी नहीं पता था कि जिन बेटे-बेटियों को पढ़ा-लिखाकर अच्छी नौकरी या बिजनेस के लिए तैयार कर रहे थे, वे अब सिर्फ यादों में रह जाएंगे। गाड़ी की हालत को देकर अंदाजा ही लगाया जा सकता है कि रफ्तार कितनी होगी। पुलिस के अनुसार, पूरी तरह से क्षतिग्रस्त थार में उसमें सवार सभी दोस्त फंस गए थे। उनको बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जिस जगह पर हादसा हुआ है उससे करीब 200-250 मीटर पहले ही इबोला क्लब से निकलकर सभी थार गाड़ी से एनएच-48 की सर्विस लेन से हाईवे पर पहुंचे थे। हाईवे पर तेज रफ्तार में गुजरती थार गाड़ी सर्विस लेन के पास पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरा में साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि थार गाड़ी की रफ्तार हाईवे पर चल रहे अन्य वाहनों से दोगुनी थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सिग्नेचर टावर के पास इबोला क्लब से वापस जाते समय सभी छह युवक-युवतियां थार गाड़ी से निकले थे। इसके बाद वे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर झाड़सा की ओर चले। अभी इस बात का पता नहीं चला है कि क्लब से निकलने के बाद सभी युवा नोएडा की ओर जाने वाले थे या उनका अन्य किसी स्थान पर घूमने जाने का प्लान था। पुलिस का कहना है कि हादसे में गंभीर रूप से घायल कपिल शर्मा के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। उनकी हालत में थोड़ा सुधार होने के बाद ही बयान दर्ज किए जाएंगे और हादसे के सही कारणों का पता चल सकेगा।

ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है।

पंजाब के इतिहास में पहली बार चार सालों में 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकारी स्कूलों में इस समय विशेष आवश्यकता वाले लगभग 48,000 बच्चे पढ़ रहे हैं। स्पेशल एजूकेटर शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आपकी ड्यूटी केवल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाना ही नहीं, बल्कि मानवता की सेवा के प्रति जिम्मेदारी है। आपको इन बच्चों के भविष्य के लिए माता-पिता से भी बड़ी भूमिका निभानी है। मुझे आपसे उम्मीद है कि आप इस नेक कार्य के लिए समर्पित होकर काम करेंगे। नव-नियुक्त शिक्षकों और प्रिंसिपलों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के उज्ज्वल भविष्य की डोर शिक्षक के हाथ में होती है और एक शिक्षक का फ़र्ज़ अपने विद्यार्थियों के मन को ज्ञान की रोशनी से आलोकित करना होता है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक ही विद्यार्थी के दिमाग को डॉक्टर, इंजीनियर और कलाकार के लिए उसी तरह ढालता है जैसे एक मूर्तिकार अपनी कृतियों को आकार देता है। भगवंत सिंह मान ने कहा, शिक्षक का बच्चे के जीवन में बहुत बड़ा रोल होता है। निर्मल मन पर कुछ भी उकेर दो, सारी ज़िंदिगी मिटता नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज पंजाब के सरकारी स्कूलों के शिक्षक विश्व स्तर की ट्रेनिंग प्राप्त शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि 234 प्रिंसिपलों और शिक्षा अधिकारियों ने सिंगापुर में विश्व स्तर की ट्रेनिंग प्राप्त की है, 249 हेड टीचर्स ने आई.आई.एम. अहमदाबाद में एडवांस्ड कोचिंग प्राप्त की है तथा 216 प्राइमरी शिक्षकों ने फिनलैंड की तुर्कू यूनिवर्सिटी में विशेष ट्रेनिंग प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं, जिनकी चर्चा अब पूरे देश में हो रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश में 118 स्कूल ऑफ़ एमिनेंस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों को गरीब बच्चों के सुनहरे भविष्य की शानदार शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली विद्यार्थियों को मुफ़्त यूनिफ़ॉर्म प्रदान की जा रही हैं तथा विशेष रूप से लड़कियों के लिए मुफ़्त स्कूल बस सेवा शुरू की गई है ताकि कोई भी लड़की शिक्षा से वंचित न रहे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने प्रदेश में शिक्षा क्रांति की शुरुआत करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रदेश के हर स्कूल में अब शिक्षा क्रांति का साफ़ असर देखा जा सकता है। इसकी मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि आज पंजाब का एक भी सरकारी स्कूल ऐसा नहीं है जहाँ कोई बच्चा ज़मीन पर बैठकर शिक्षा प्राप्त करता हो। साल 2022 में सरकारी स्कूलों के 28 लाख बच्चों में से चार लाख बच्चे ज़मीन पर बैठकर पढ़ते थे। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों की लड़कियों के लिए बसों की सुविधा प्रदान की गई और 10,000 विद्यार्थियां इससे यात्रा कर रही हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पहली बार सरकारी स्कूलों की सुरक्षा के लिए पूर्व सैनिकों को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों में प्रिंसिपल नियुक्त किए जा चुके हैं। श्री बैंस ने मुख्यमंत्री द्वारा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के ऐतिहासिक अवसर को व्यापक स्तर पर मनाने तथा शहीदी सभा के अवसर पर विशेष प्रबंध करने का भी ज़िक्र किया। इस अवसर पर नव-नियुक्त युवाओं ने मुख्यमंत्री के साथ दिल की बातें साझा कीं। मलोट से युवा नितिन ने बताया कि आज उसका जीवन का सपना साकार हुआ है क्योंकि वह साल 2025 में पंजाब पुलिस में कांस्टेबल भर्ती हुआ था लेकिन उसने जॉइन नहीं किया और शिक्षक बनने के लिए मेहनत की। उसने आज शिक्षक की नौकरी का मौका देने के लिए मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद किया। गुरदासपुर से नव-नियुक्त शिक्षिका नवप्रीत कौर ने कहा कि वह भले ही प्राइवेट स्कूल में स्पेशल एजूकेटर थी और अब पंजाब सरकार में स्पेशल एजूकेटर नियुक्त होकर सरकार की टीम का हिस्सा बनकर उनका सपना पूरा हुआ है। उन्होंने मेरिट के आधार पर नौकरी देने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। फाजल्का की नव-नियुक्त महिला शिक्षिका ने बताया कि वह 12 सालों से सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा कर रही थी और अब सरकारी नौकरी मिलने से उनकी प्रतीक्षा खत्म हुई है, जिसके लिए वह सरकार की शुक्रगुज़ार हैं। पटियाला से नव-नियुक्त शिक्षिका शिल्पा ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सचिव स्कूल शिक्षा अनिंदिता मित्रा, निदेशक उच्च शिक्षा एच.एस. बराड़, निदेशक सेकेंडरी शिक्षा गुरिंदर सिंह सोढ़ी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे

NAME CHANGE

I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE

I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE

I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE

I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE

I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR -2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE

I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE

I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE

I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE

I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE

I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE

I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE

I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE

I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

NAME CHANGE

I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE

I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 CrPC देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इमरान पुत्र सलाउद्दीन निवासी डी-407, गली नं. 6, बंगाली होटल, शहीद नगर, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश** ने एफआईआर सं./ कोर्ट केस सं. **263/2020, अंतर्गत धारा 379/34 आईपीसी थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं./ कोर्ट केस सं. **263/2020, अंतर्गत धारा 379/34 आईपीसी थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **इमरान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.02.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-11
केन्द्रीय जिला, कमरा नं. 138
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/17591/N/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पुलिस हर जिले का बनाएगी अलग प्लान ऑफ एक्शन : अजय सिंघल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के नव नियुक्त पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने प्रदेश में बच्चियों के लापता होने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए राज्य के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वह इस संबंध में विस्तृत डेटा तैयार करें और विशेष टीमें गठित कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तलाश जाए। उन्होंने इसे परम प्राथमिक विषय बताते हुए पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यालय में पहले दिन बैठते ही उन्होंने करीब तीन घंटे तक प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज आईजी, जिलों के पुलिस अधीक्षकों, एसटीएफ अधिकारियों सहित करीब 700 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठक की। डीजीपी अजय सिंघल ने सभी जिलों की जमीनी स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों से उनके-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों की जानकारी ली तथा उनसे इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस, व्यावहारिक और समयबद्ध प्लान ऑफ एक्शन तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला एसपी को दो दिन के भीतर अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन, नारकोटिक्स, साइबर अपराध, फिरौती से जुड़े मामलों, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य संवेदनशील मुद्दों पर अपनी कार्ययोजना भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से पुलिसिंग को प्रोफेशनल पुलिसिंग में बदलने के निर्देश देते हुए कहा कि रेंज के आईजी अपने अधीनस्थ एसपी के साथ नियमित बैठक कर फील्ड में आने वाली चुनौतियों की समीक्षा करें।

मेयर प्रवीण पोपली ने किया कार्यालय का निरीक्षण, सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के आदेश

हिसार। नगर निगम में व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, सुव्यवस्थित तथा नागरिकों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से मेयर प्रवीण पोपली ने नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण नई बिल्डिंग से शुरू किया गया। जहां मेयर ने कैश काउंटर, बिल काउंटर, रिहायशी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र सत्यापन काउंटर, आधार काउंटर आदि की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान पार्षद संजय डालमिया, नगर निगम सचिव संजय शर्मा, जेई राकेश, एएसआई सरोज सहित कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर प्रवीण पोपली ने पाया कि नई बिल्डिंग सहित कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। इस पर मेयर ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मौके पर उपस्थित संबंधित जेई, एएसआई और दरोगा को निर्देश दिए कि नगर निगम कार्यालय की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यालय परिसर स्वच्छ, व्यवस्थित और अनुशासित होना चाहिए ताकि यहां आने वाले नागरिकों को सकारात्मक अनुभव मिले। मेयर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सोमवार तक सफाई व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त हो जाए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम में स्थित ई-दिशा केंद्र का भी मेयर प्रवीण पोपली ने अवलोकन किया। उन्होंने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित कार्यों में आ रही समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस समस्या के समाधान के लिए मेयर प्रवीण पोपली ने नगर निगम सचिव संजय शर्मा को निर्देश दिए कि ई-दिशा केंद्र में नगर निगम के एक कर्मचारी की विशेष रूप से तैनाती की जाए। ये कर्मचारी फाइलों में लगाए जाने वाले दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच करेगा, ताकि आवेदन सही और पूर्ण रूप से स्वीकार किए जा सकें।

जन शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग कर समाधान करें अधिकारीः उपायुक्त

सिरसा। सिरसा के उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर में जो शिकायतें आएं, उन पर संबंधित विभाग तत्परता से कार्यवाही करते हुए निवारण करें, साथ ही शिकायतकर्ता को भी अवगत करवाएं ताकि शिकायत के संबंध में सही जानकारी के साथ समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिकायतों का उचित समाधान करने का प्रयास किया जाए, ताकि शिकायत को रिओपन न करना पड़े। जो शिकायत कई विभागों से संबंधित है, उसे मुख्य एक विभाग को न भेज कर सभी से रिपोर्ट ली जाए। उपायुक्त शांतनु शर्मा शुक्रवार को समाधान प्रकोष्ठ के तहत बैठक में समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेते हुए समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों की समीक्षा करते हुए तत्परता से निपटान के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण, जिला परिषद सीईओ डॉ सुभाष चंद्र विशेष रूप से मौजूद रहे। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो शिकायतें लंबित हैं।

उपायुक्त ने लंबित शिकायतों को 24 घंटे में निपटान के दिए निर्देश

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान प्रकोष्ठ की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्त जुड़े। इस दौरान उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिला महेंद्रगढ़ में प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों की प्रगति रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। इसके बाद उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों की बैठक ली तथा उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि वर्ष 2024 की लंबित शिकायतों का 24 घंटे में निपटान करवाएं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सरकार और प्रशासन का मुख्य उद्देश्य हर शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में एक नवंबर से अब तक दो माह के दौरान 366 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

समाधान शिविरों की जानकारी विभिन्न माध्यमों से आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि समाधान शिविरों की जानकारी विभिन्न माध्यमों से आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुँचाई जाए, जिसमें लोगों को शिविरों के आयोजन का दिन और समय की पूरी जानकारी मिल सके, ताकि वे अपनी समस्याएँ दर्ज करवा सकें और उनका समाधान करवा सकें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश चंडीगढ़ में समाधान शिविर की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में सभी जिला उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों को जिला उपायुक्त अपनी स्पष्ट टिप्पणी के साथ आगे भेजें। साथ ही जब तक किसी शिकायत का पूर्ण समाधान नहीं हो जाता, तब तक उसे जिला स्तर पर पेंडिंग रखा जाए।

बैठक में बताया गया कि जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 तक पिछले छह महीनों में कुल 17,699 शिकायतों

का समाधान किया जा चुका है। समाधान शिविरों में तय समय सीमा में हल की गई शिकायतों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में भी समाधान शिविरों में आने वाली सभी शिकायतों का तय समय सीमा में निपटान सुनिश्चित करें। प्रदेश के सभी जिला उपायुक्त और उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) कार्यालयों में प्रत्येक सप्ताह सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें नागरिक अपनी समस्याओं से संबंधित शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिविरों में आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए। यदि समाधान शिविरों में किसी भी स्तर पर अधिकारियों द्वारा लापरवाही पाई गई, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला अम्बाला के एक गांव में पानी की निकासी से संबंधित समाधान शिविर में प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिला उपायुक्त अम्बाला को इस समस्या के शीघ्र समाधान के लिए एक समिति गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस समिति में संबंधित विभाग के एक्सईएन, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) तथा मार्केट कमेटी का एक कर्मचारी शामिल किया जाए।

दवाओं की अधिक कीमत वसूलने पर होगी कार्रवाई : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। । हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा में दवाओं की कीमतों पर सख्त निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी स्तर पर अधिक कीमत वसूलने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि प्रदेशवासी दवाओं की सही कीमत की जानकारी के लिए फार्मा सही दाम मोबाइल एप का उपयोग करें। यदि कहीं अधिक कीमत वसूली जाती है, तो उसकी शिकायत सीधे सरकार तक पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत हरियाणा में प्राइस मॉनिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट,खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अंतर्गत सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। यह इकाई यह सुनिश्चित कर रही है कि आम नागरिकों को दवाएं सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध हो।

फ़ूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान हरियाणा में दवाओं की अधिक कीमत वसूलने के 33 मामले सामने आए, जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए एनपीपीए, नई दिल्ली भेजा गया है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में पीएमआरयू हरियाणा द्वारा तीन दवाओं में ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के उल्लंघन का पता लगाया गया, जिनमें पैक पर अंकित एमआरपी, निर्धारित कीमत से अधिक पाई गई। इन मामलों में संबंधित कंपनियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मनोज कुमार ने कहा कि सरकार प्रवर्तन के साथ-साथ जन-जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

हरियाणा : 22 जिला अटॉर्नी बने डिप्टी डायरेक्टर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के बाद अभियोजन व्यवस्था में बड़े प्रशासनिक बदलाव शुरू हो गए हैं। इन्हीं बदलावों के तहत सरकार ने 22 जिला अटॉर्नी (डीए) अधिकारियों को प्रमोट कर डिप्टी डायरेक्टर ऑफ प्रॉसिक्यूशन (डीडीपी) के पद पर नियुक्त किया है। यह प्रमोशन नये कानूनों में किए गए प्रावधानों के अनुरूप किया है। इसका उद्देश्य जिला स्तर पर अभियोजन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना है। नये कानूनों के तहत सेक्शन-20 में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक जिले में निदेशालय का गठन होगा और उसका प्रमुख डिप्टी डायरेक्टर होगा। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा की ओर से यह आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, यह प्रमोशन हरियाणा स्टेट लीगल सर्विसेज (ग्रुप-ए) संशोधित नियम, 2025 के तहत किए गए हैं और ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। प्रमोशन वरिष्ठता के आधार पर किए गए हैं और सभी अधिकारी एक वर्ष की परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि पर रहेंगे। प्रमोट किए गए अधिकारियों में सुमन बंसल, सोहन सिंह, लेघहा दीपक रंजीत, सतीश कुमार, आनंद मान, सुनील कुमार व सत्येंद्र कुमार शामिल हैं। इसी तरह से राजेश कुमार चौधरी, धर्मेंद्र राणा, मनोज कुमार, दीपक बूरा, हरपाल सिंह, अनीता, राजेश कुमार, परवेज, सुमेर सिंह, हितेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, मनजीत सिंह, अश्विनी कुमार, चौधरी, सुरेश कुमार व पारुल चहल को भी प्रमोट करके डिप्टी डायरेक्टर बनाया गया है।

अनुशासित एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोहः अपराजिता

एजेंसी

कैथल। उपायुक्तअपराजिता ने कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन पुलिस लाइन मैदान में गरिमापूर्ण, अनुशासित एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ किया जाएगा। समारोह में देशभक्ति और विभिन्न लोक संस्कृतियों से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। विभिन्न विभागों की झांकियां भी प्रदर्शित की जाएंगी। अपराजिता ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उपायुक्त ने ध्वजारोहण, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, बिजली, पेयजल एवं चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल से

कार्य करें और समय रहते अपनी-अपनी तैयारियां पूर्ण करें। उपायुक्त ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ सुबह 10 बजे मुख्यातिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा। इससे पूर्व मुख्यातिथि शहर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित करेंगे। ध्वजारोहण के उपरांत मुख्यातिथि परेड का निरीक्षण करेंगे, जिला वासियों को संबोधित करेंगे तथा भव्य मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। समारोह में पीटी शो, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभागीय झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। राष्ट्रीय गान के साथ समारोह का समापन होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में प्लाटून द्वारा भव्य मार्च पास्ट किया जाएगा। परेड में शामिल टुकड़ियों का पूर्वाभ्यास 18 से 23 जनवरी तक पुलिस लाइन मैदान में होगा, जबकि 24 जनवरी को फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल निर्धारित समयानुसार आयोजित की जाएगी। पुलिस विभाग को सभी प्लाटून की परेड से संबंधित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि समारोह में शामिल होने वाली सभी झांकियां विशेष थीम पर आधारित होंगी। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह के ओवरऑल इंचार्ज एडीसी रहेंगे। परेड निरीक्षण के लिए खुली जीप एवं राष्ट्रीय ध्वज की व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर रंगोली का कार्य जिला शिक्षा अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया जाएगा। नगर परिषद द्वारा सड़कों एवं चौराहों पर झंडे लगाए जाएंगे तथा विभिन्न विभागों द्वारा स्वागत द्वार बनाए जाएंगे।

तेजी से बन रहा अम्बाला-शामली एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे से होगा सीधा जुड़ाव : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला से शामली 121 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस हाईवे का निर्माण तेजी से किया जा रहा है और यह निर्माण कार्य भी दिसम्बर 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे अम्बाला से शामली तक बन रहा है जबकि आगे शामली से दिल्ली तक रोड को देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि अम्बाला-मोहाली एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है जिसके जल्द पूरा होने की उम्मीद है और इसके बनने से चंडीगढ़ व मोहाली तथा अन्य शहरों को जाना और आसान हो जाएगा। विज ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारियों को अम्बाला में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए जिससे लोगों को लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दिसम्बर माह तक अम्बाला में रिंग रोड और अम्बाला-शामली एक्सप्रेस-वे परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और तय समय में यह परियोजनाएं पूरी हों इसके लिए

मंत्री अनिल विज ने आज अपने आवास पर एनएचएआई अधिकारियों से चर्चा की। एनएचएआई अम्बाला के परियोजना निदेशक पीके सिन्हा व अन्य अधिकारियों से ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला रिंग रोड का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि अम्बाला व अन्य राज्यों से आने वाले वाहन चालकों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि रिंग रोड बनने से अन्य राज्यों से आने वाले वाहन अम्बाला में दाखिल हुए बिना बाहर से बाहर आगे निकल सकेंगे जिससे शहरी क्षेत्र में ट्रेफिक का दबाव कम होगा। उन्होंने इस परियोजना को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने रिंग रोड में शाहपुर व बाड़ा गांव में पानी निकासी की समस्या व गांव सेपहड़ा के लोगों को रिंग रोड के लिए रास्ता उपलब्ध कराने के मामले पर भी विस्तृत चर्चा की। परियोजना निदेशक पीके सिन्हा ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को बताया कि आगामी दिसम्बर 2026 तक रिंग रोड का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अम्बाला-शामली एक्सप्रेस हाईवे निर्माण परियोजना पर भी चर्चा की व परियोजना के प्रगति रिपोर्ट जानी। विज आज अधिकारियों ने अवगत कराया कि अम्बाला से शामली 121 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस हाईवे का निर्माण तेजी से किया जा रहा है और यह निर्माण कार्य भी दिसम्बर 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। एक्सप्रेस वे अम्बाला से शामली तक बन रहा है जबकि आगे शामली से दिल्ली तक रोड को देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा।

वहीं, मंत्री अनिल विज ने अम्बाला-मोहाली एक्सप्रेस-वे के निर्माण संबंधी जानकारी ली। मंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है जिसके जल्द पूरा होने की उम्मीद है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से चंडीगढ़ व मोहाली तथा अन्य शहरों को जाना और आसान हो जाएगा। मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी से पंचकूला-सहारनपुर हाईवे को जोड़ने की परियोजना को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की और इस संबंध में योजना तैयार करने के दिशा-निर्देश दिए।

अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना-1 के 5794 परिवारों को 217.36 करोड़ जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना-1 (दयालु) के 5794 लाभार्थियों के खाते में 217.36 करोड़ रुपये की राशि जारी की। अब तक इस योजना के तहत 49 हजार 998 लाभार्थियों को 1881.355 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना-1 में सुधार किया गया है। इस योजना के लाभार्थियों का मृत्यु प्रमाण पत्र अब सीधे परिवार पहचान पत्र से जोड़ दिया गया है। इससे अब मृत्यु प्रमाण पत्र और दिव्यांग प्रमाण, पीपीपी डाटा से आसानी से सत्यापित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इससे योजना में पूर्ण रूप से पारदर्शिता आएगी और वास्तविक रूप से ही लाभार्थियों के परिवारों को लाभ मिलना सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए जन सहायक हेल्प मी मोबाईल ऐप भी शुरू किया गया है। इसके माध्यम से लाभार्थियों को वित्तीय सहायता आधार कार्ड से जुड़े बैंक खाते में सीधे डीबीटी से समय पर भेजी जा रही है। इसके अलावा ऐप से आवेदनकर्ता योजना और अपने आवेदन को ट्रैक भी कर सकता है। यह एक महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा योजना है जो नागरिकों को त्वरित लाभ देने के लिए क्रियान्वित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना में परिवार पहचान पत्र में पंजीकृत परिवारों की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपए है। उन परिवारों को दुर्घटना के 90 दिन के अन्दर पोर्टल पर सहायता के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। इस योजना के तहत दुर्घटना में स्थाई रूप से दिव्यांग होने या मृत्यु होने पर एक लाख रुपए से 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है।

राष्ट्र निर्माण और उसकी रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर की भावना रखनी होगी: डिप्टी स्पीकर

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि प्रत्येक भारतवासी को राष्ट्र के निर्माण और उसकी रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की भावना रखनी होगी। राष्ट्र विकसित होगा तो समाज का हर वर्ग आगे बढेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित राष्ट्र का लक्ष्य रखा है, हम सबका भी दायित्व है कि हम राष्ट्र निर्माण में अपना पूर्ण योगदान दें। डॉ. मिड्ढा सिरसा जिले के रानियां शहर में पंजाबी महासभा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। डा. मिड्ढा ने कहा कि देश का विभाजन केवल जमीन का नहीं था, वह दिलों का विभाजन था। आजादी के समय लाखों लोगों ने शहादत दी। जब 15 अगस्त 1947 को देश आजाद होने वाला था, तब पूरे भारत में खुशी की लहर थी। हर मन में आजादी का उत्साह था, लेकिन किसी ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि उस आजादी की कीमत इतनी भयावह होगी, हम अपने ही अपनों से बिछड़ जाएंगे, कि हमें अपने माता-पिता, बहन-बेटियों से अलग होना पड़ेगा। उस समय जो हालात बने, वे इंसानियत को झकझोर देने वाले थे। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में चौथे

स्थान पर पहुंच गया है। देश की आवाज पूरी दुनिया में गूंज रही है। विश्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का डंका बजाया है, आज केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी भगवान राम के मंदिर बन रहे हैं। डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि आजादी के समय कोई एक जाति या एक समुदाय नहीं था हर जाति, हर वर्ग, हर धर्म के लोगों अपने योगदान दिया था। धर्म की रक्षा के लिए असंख्य लोगों ने प्राण त्याग दिए लेकिन धर्म नहीं छोड़ा, धर्म की रक्षा के लिए जान की चिंता नहीं की। उन्होंने कहा कि समाज तभी मजबूत होता है जब वह साथ चलता है। अपने त्योहारों को जीवित रखिए, लोहड़ी आने वाली है, पूरे परिवार के साथ मिलकर मनाइए। उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज ने हमेशा मेहनत, सेवा, राष्ट्रभक्ति और बलिदान की मिसाल पेश की है। समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट, हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, पूर्व चेयरमैन जगदीश चोपड़ा, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, पूर्व जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज, अमीर चंद मेहता सहित भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे। सम्मान समारोह में आईएफएस अधिकारी यशिका मेहता तथा जीएसटी इंस्पेक्टर श्वेता छाबड़ा, मार्केट कमेटी के चेयरमैन ललित मोहन पोपली, सीएम एमिनेंट पर्सन पिंचु कालड़ा, मंडल अध्यक्ष सरोज बाला को भी सम्मानित किया गया।

झज्जर में किसानों को फूलों की उन्नत खेती का दिया व्यवहारिक प्रशिक्षण

एजेंसी

झज्जर। जिले के गांव मुनीमपुर स्थित पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केंद्र में किसानों के लिए बागवानी योजनाओं व उन्नत तकनीकों के माध्यम से फूलों की खेती विषय पर एक साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को फूलों की आधुनिक एवं लाभकारी खेती के लिए नवीनतम तकनीकी ज्ञान से सशक्त बनाना है। इस दौरान महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के विशेषज्ञों ने फूलों की फसलों में पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन और विपणन (मार्केटिंग) से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), पूसा, नई दिल्ली से आए वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने किसानों को गेंदे के फूल उत्पादन, फूलों की संरक्षित खेती (पॉली हाउस/ग्रीनहाउस) और फूलों से बिकी व अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्र के संचालक व परियोजना अधिकारी डॉ. सुरेश चंद ने किसानों को खुले क्षेत्र व संरक्षित संरचनाओं में फूलों की उन्नत खेती के साथ-साथ सरकार की विभिन्न बागवानी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त डॉ. हेमन्त कुमार, विषय वस्तु विशेषज्ञ ने प्रशिक्षणार्थियों को केंद्र पर नर्सरी में तैयार की जाने वाली सब्जी व फूलों की पौध व नर्सरी में पौध तैयार करने पर सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुदान आधारित आर्थिक सहायता के बारे में विस्तार से बताया। किसानों ने केंद्र में संचालित सभी कार्यक्रमों का अवलोकन किया और व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

114 करोड़ से प्रदेश के खेल स्टेडियमों की होगी मरम्मत : गौरव गौतम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राई (सोनीपत) 491 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी। यह यूनिवर्सिटी केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि भावी ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने की प्रयोगशाला होगी। यहां पर खेल मैदानों, प्रशिक्षण सुविधाओं, रहने और खाने की अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध होंगी।खेल मंत्री पंचकूला में खेल विभाग, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राई (सोनीपत) के अधिकारियों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। खेल मंत्री ने कहा कि खेल विभाग के माध्यम से प्रदेशभर के खेल स्टेडियमों की मरम्मत एवं कायाकल्प के लिए 114 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इनमें से कई स्थानों पर कार्य प्रारंभ भी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि खेल मैदानों की जो ग्रेडिंग की गई है, उसमें और अधिक सुधार लाने के लिए डीएससी (डिस्टिक स्पोर्ट्स कौंसिल) से अतिरिक्त संसाधन खर्च किए जाएंगे, जिसकी विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है। समयबद्ध तरीके से दूर किया जाएगा तथा इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश

खेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी अपने-अपने निर्धारित जिलों के स्टेडियमों का महीने में कम से कम दो बार औचक निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को की बेटियां लगातार देश और विदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। खिलाड़ियों के स्तर में सुधार के लिए खेल नर्सरियां अहम कड़ी हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए खेल नर्सरियों में बेहतर सुविधाएं देने के लिए खेल विभाग निरंतर प्रयासरत है।

लाडो लक्ष्मी पर सरकार का विपक्ष को जवाब,एक लाख नई महिलाओं को मिलेगा लाभ

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बाद शुक्रवार को फिर से बदलाव कर दिया है। इस फैसले से राज्य की एक लाख से अधिक नई महिलाओं को योजना का सीधा लाभ मिलेगा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इस योजना में संशोधन को मंजूरी दी गई थी। विपक्ष द्वारा इसे लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। ये भी आरोप विपक्ष लगा रहा है कि चुनावी वादे को पूरा करने की बजाय सरकार अब शर्तें लगा रही है। सरकारी प्रवक्ता ने शुक्रवार को स्पष्ट किया है कि एक लाख रुपये सालाना पारिवारिक आय वाली महिलाओं को पहले की तरह योजना का लाभ मिलता रहेगा। किसी भी मौजूदा लाभार्थी का लाभ न तो रोका गया है और न ही समाप्त किया गया है। उन्हें पहले की तरह 2100 रुपये प्रतिमाह मिलते रहेंगे। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, योजना के विस्तार के तहत तीन नई श्रेणियां जोड़ी गई हैं। इन श्रेणियों में पात्रता के लिए पारिवारिक सालाना आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए और यह लाभ अधिकतम तीन बच्चों तक सीमित रहेगा। महिला सशक्तिकरण को स्थायी आधार देने के लिए सरकार ने योजना में एक नई दूरदर्शी व्यवस्था भी जोड़ी है। अब 2100 रुपये में से 1100 रुपये सीधे महिला के खाते में जमा होंगे। 1000 रुपये राज्य सरकार द्वारा आरडी/एफडी के रूप में जमा किए जाएंगे यह राशि ब्याज सहित महिला को मिलेगी। यदि लाभार्थी की असामयिक मृत्यु होती है, तो यह जमा राशि तुरंत नॉमिनी को दी जाएगी। पहली श्रेणी में वे परिवार शामिल किए गए हैं, जिनकी आय 1.80 लाख रुपये से कम है और जिनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हुए 10वीं या 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करते हैं। ऐसे मामलों में अब माताओं को भी 2100 रुपये प्रतिमाह का लाभ मिलेगा। दूसरी श्रेणी के तहत, जिन परिवारों के बच्चे भारत सरकार के निपुण मिशन के अंतर्गत कक्षा 1 से 4 तक ग्रेड लेवल प्रोफिशिएंसी हासिल करते हैं, उन बच्चों की माताएं भी लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे में आएंगी।

2026 की ओर आत्मविश्वास और साहस के साथ आगे बढ़ेगा महिंद्रा समूहः शाह

- समूह के मूल्यों से जुड़ा रहना बेहद जरूरी

नई दिल्ली ।

महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक अनिश शाह ने कर्मचारियों को नए वर्ष का संदेश देते हुए कहा कि समूह 2026 की ओर आत्मविश्वास, सहयोगपूर्ण सोच, चुस्ती और साहस के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे बड़ा सोचें, कम प्राथमिकताओं पर ध्यान दें और उनका उत्कृष्ट क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शाह ने कहा कि आगे बढ़ते हुए भी समूह के मूल्यों से जुड़ा रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने लिखा कि एक टीम के रूप में काम करते हुए ही समूह अपने उद्देश्य को साकार कर सकता है और पूरी क्षमता हासिल कर सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से इस यात्रा का आनंद लेने का भी आग्रह किया। समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा द्वारा दिए गए बरगद के पेड़ के उदाहरण का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि यह पेड़ पोषण करता है, जीवन को छूता है और मूल्य सृजित करता है। महिंद्रा समूह भी इसी तरह समय के साथ ऊंचाइयों तक पहुंचा है और आगे भी बढ़ता रहेगा।वर्ष 2025 की समीक्षा करते हुए शाह ने कहा कि समूह ने अभूतपूर्व अनिश्चितताओं का सामना किया, लेकिन कर्मचारियों के सहयोग और प्रतिबद्धता से संगठन सही दिशा में बना रहा।

सरकार ने 22 कंपनियों के 41,863 करोड़ निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

- योजना के तहत 46 कंपनियों को मंजूरी मिल चुकी है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नई कंपनियों के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनका कुल निवेश 41,863 करोड़ रुपए है। अब तक इस योजना के तहत 46 कंपनियों को मंजूरी मिल चुकी है, जिससे कुल निवेश 54,567 करोड़ रुपए हो जाएगा। मंजूरी पाने वाली कंपनियों में टीडीके इंडिया, बीपीएल, विप्रो हाइड्रोलिक्स, मदरसन इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉक्सकॉन, सैमसंग डिस्प्ले, डिक्सन और हिंडाल्को शामिल हैं। ये कंपनियां कैपेसिटर, लीथियम-आयन सेल, कॉपर-क्लैड लैमिनेट, एन्क्लोज़र, एनोड मटीरियल, कनेक्टर, डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल बनाएंगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी कंपनियों को अपनी डिज़ाइन टीम बनाने और शैक्षिक संस्थानों के साथ मानक डिज़ाइन सुविधा विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने छह हफ़्ते में ठोस योजना तैयार करने और सिक्स सिग्मा स्टैंडर्ड्स का पालन करने का निर्देश दिया, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता विश्व स्तर की हो। इस पहल का लक्ष्य भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देना और छोटे-मझोले उद्योगों को डिज़ाइन तकनीक का लाभ पहुंचाना है।

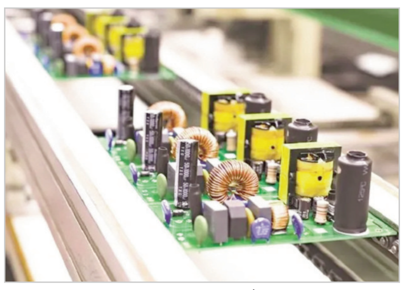

एप्पल ने पांच एंकर वेंडर्स के साथ किया बड़ा समझौता

- 30,537 करोड़ का किया निवेश, हजारों रोजगार के अवसर

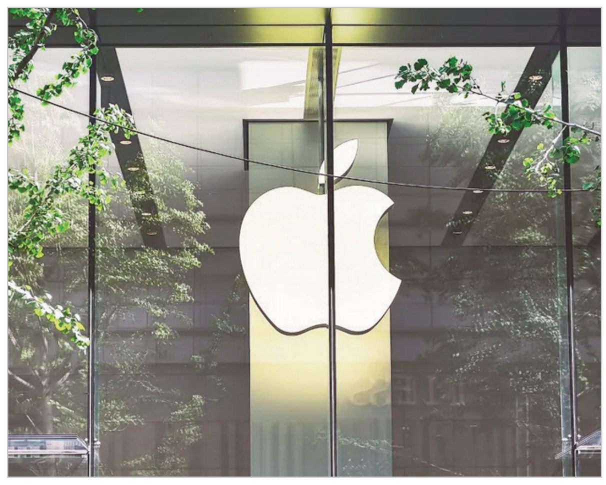

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए एप्पल इंक ने पांच प्रमुख कंपनियों को एंकर वेंडर के रूप में चुना है। ये कंपनियां मिलकर लगभग 30,537 करोड़ का निवेश करेंगी।

इस पहल का उद्देश्य न केवल भारत में एप्पल की सप्लाई चेन को सशक्त बनाना है, बल्कि देश को वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना भी है। यह निवेश केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के अंतर्गत मंजूर किया गया है, जिसके तहत योग्य कंपनियों को निवेश पर प्रोत्साहन दिया जाता है।

इस वर्ष ईसीएमएस के तहत कुल 41,863 करोड़ के निवेश को मंजूरी दी गई है, जिसमें से करीब 73 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं पांच कंपनियों का है। इन परियोजनाओं से 27,614 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके अलावा, सप्लाई चेन और सहायक उद्योगों के माध्यम से बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष नौकरियां भी पैदा होंगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सरकार ने 7,295 करोड़ रुपए के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की

- एमएसएमई निर्यातकों के लिए सस्ता ऋण और बेहतर गारंटी व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सरकार ने छोटे और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों को राहत देने के उद्देश्य से 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज का मकसद निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को आसान बनाना और वैश्विक व्यापार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी कार्यशील पूंजी की समस्याओं को कम करना है। यह पैकेज वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक छह वर्षों के लिए लागू रहेगा। पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना का है।

इसके तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद लिए गए ऋण पर 2.75 प्रतिशत तक ब्याज में रियायत मिलेगी। उभरते और कम प्रतिनिधित्व वाले बाजारों में निर्यात करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रति फर्म वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। शुरुआत में सरकार 830 करोड़ रुपये का बकाया चुकाएगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता देने का भी फैसला किया है। इससे छोटे निर्यातकों को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में आसानी होगी। चालू वित्त वर्ष में सरकार को दोनों योजनाओं पर 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह योजना पहले लागू ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) का नया संस्करण है, जिसे 31 दिसंबर 2024 के बाद बंद कर दिया गया था। नई योजना मुख्य रूप से छोटे और पहली बार निर्यात करने वाले निर्यातकों पर केंद्रित होगी।

भारत के विमानन बेड़े में 2026 तक तेजी से बढ़ोतरी की संभावना

- भारतीय विमानन कंपनियां बेड़े में 55 नए विमान शामिल करेंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय विमानन उद्योग का बेड़ा 2025 में कुल 826 विमानों का था, जिसमें से 723 विमान परिचालन में थे। शेष 103 विमान स्पेयर पार्ट्स की कमी या एयर इंडिया जैसे अपग्रेडेशन और नवीनीकरण कारणों से परिचालन से बाहर थे। पिछले साल 79 विमान बेड़े में जोड़े गए, जबकि 44 विमानों को हटाया गया, जिससे 2025 में शुद्ध वृद्धि 35 विमानों की रही। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े में लगभग 50-55 नए विमान जोड़ सकती हैं। अगर उत्पादन और अनुमति की प्रक्रिया योजना अनुसार रही, तो साल के अंत तक कुल बेड़े की क्षमता 900 विमान तक पहुंच सकती है।

परिचालन से बाहर रहे विमानों को भी शामिल करने की संभावना है, जिससे परिचालन विमानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंडिगो के 49 विमानों में से आधे नए प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों के साथ उड़ान भर सकते हैं, जिससे बेड़े की क्षमता में सुधार होगा। एयर इंडिया के कुल विमानों की संख्या लगभग स्थिर रहने की संभावना है। 2026 में एयर इंडिया के पास 26 विमान होंगे, जिनमें से 20 नैरो-बॉडी वाले हैं। कुछ लीज पर लिए गए बोइंग 777 विमानों को वापस किया जा रहा है। वहीं अकासा एयर में वर्तमान में 31 विमान हैं और हर महीने 1-2 विमान जोड़ने की योजना है। 2027-28 तक एयर इंडिया और इंडिगो के बड़े पैमाने पर विमानों की डिलीवरी से भारत का बेड़ा 1000 विमानों के करीब पहुँच सकता है।

भारत के फास्ट-फूड सेक्टर का सबसे बड़ा मर्जर- देवयानी और सफायर फूड्स

देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयर के लिए 177 शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली । देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड और केएफसी-पिज्जा हट ऑपरेटर सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड का मर्जर फास्ट-फूड सेक्टर का अब तक का सबसे बड़ा समझा जा रहा है। इस डील के बाद दोनों कंपनियों के ऑपरेशन एकीकृत होंगे और भारत में सबसे बड़ा क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (ओएसआर) ऑपरेटर बनेगा। डील के तहत देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयर के लिए 177 शेयर जारी करेगी। इसके अलावा, आर्कटिक इंटरनेशनल सफायर के लगभग 18.5 फीसदी पेड-अप इक्विटी का अधिग्रहण करेगी। मर्जर को लागू करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज, सीसीआई, एनसीएलटी और शेयरधारकों एवं लेनदारों की मंजूरी जरूरी होगी। पूरी प्रक्रिया में लगभग 12-15 महीने लग सकते हैं। मर्जर की खबर के बाद देवयानी इंटरनेशनल के शेयरों में तेजी देखी गई। बीएसई में 156.90 रुपए से बढ़कर सत्र दौरान 159.45 रुपए तक पहुंचे। निवेशकों ने कंपनी के विकास और अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भरोसा जताया। भारत में घटती बिक्री और महंगाई के दबाव के बीच उपभोक्ता अब घर पर ऑर्डर करने की ओर ज्यादा झुकाव दिखा रहे हैं।

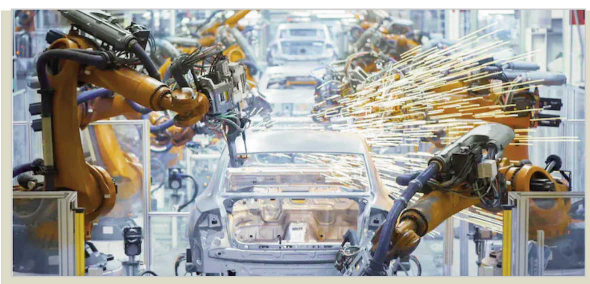

दिसंबर 2025 में भारत का विनिर्माण सेक्टर दो साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । भारत का विनिर्माण क्षेत्र दिसंबर 2025 में धीमी वृद्धि के बीच दो साल के निचले स्तर पर आ गया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई 55 पर रिकॉर्ड किया गया, जबकि नवंबर 2025 में यह 56.6 था। 50 से ऊपर रहने के कारण क्षेत्र अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन वृद्धि की रफ्तार में कमी आई है। सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसायों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली, लेकिन नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि दर्ज हुई। कुल बिक्री में कमी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में मंदी रही। वहीं एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग बनी रही। विनिर्माण कंपनियों ने दिसंबर में रोजगार में मामूली वृद्धि की, हालांकि यह गति पिछले महीनों की तुलना में सबसे कम रही। परिचालन क्षमता पर दबाव में कमी आई, जिससे कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने की जगह मिली। महंगाई की दर दिसंबर में नौ महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। इससे कंपनियों को मांग के मोर्चे पर समर्थन मिला और प्रतिस्पर्धी कीमतें नए व्यवसाय लाने में मदद कर सकती हैं।

एनएचपीसी बांड के जरिए जुटाएगी 2,000 करोड़

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी ने चालू वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह राशि उसके उधार लेने की रणनीति का हिस्सा होगी। एनएचपीसी के अनुसार यह कोष एक या एक से अधिक किस्तों में **असुरक्षित, विमोचन योग्य, कर योग्य और संचयी बॉन्ड जारी करके जुटाया जाएगा। योजना निजी नियोजन के माध्यम से होगी, न कि सार्वजनिक शेयर बाजार से। कंपनी ने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने के लिए निदेशक मंडल की बैठक 8 जनवरी को होगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि बॉन्ड किस तरह और कितनी किस्तों में जारी किए जाएं।

एनटीपीसी सीसीटीई में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी अमेरिकी कंपनी क्लीन कोर थो रियम इनर्जी (सीसीटीई) में अल्पांश हिस्सेदारी लेने पर बातचीत कर रही है। बीएसई के सवाल के जवाब में कंपनी ने कहा कि वह लगातार देश और विदेश में निवेश के अवसर तलाशती रहती है। किसी भी निवेश का निर्णय पूरी जांच-पड़ताल और कानूनी, नियामक मंजूरी पर निर्भर होगा। कंपनी ने बातचीत से जुड़ी और जानकारी अभी साझा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार एनटीपीसी अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को आगे बढ़ाने और तकनीक व ईंधन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इसमें सीसीटीई में हिस्सेदारी खरीदना भी शामिल है।

आंध्र प्रदेश ने निवेश आकर्षण में बनाया नया रिकॉर्ड

- आंध्र प्रदेश ने वित्त वर्ष 2026 में 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी हा सिल की

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में राष्ट्रीय निवेश प्रस्तावों का 25.3 फीसदी हिस्सा आंध्र प्रदेश ने हासिल किया। यह ओडिशा और महाराष्ट्र से काफी आगे है। राज्य ने इस प्रदर्शन से स्पष्ट कर दिया कि वह निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी केंद्र बन चुका है। देश में कुल 26.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 11.5 फीसदी अधिक हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र ने मिलकर कुल निवेश प्रस्तावों का 51.2 फीसदी हिस्सा हासिल किया। राज्य सरकार ने इस सफलता का श्रेय निवेशक-अनुकूल नीतियों, तेज़ निर्णय प्रक्रिया और मजबूत बुनियादी ढांचे को दिया। बंदरगाह, लॉजिस्टिक, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क के विकास ने बड़े उद्योग समूहों को आकर्षित किया। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य की बढ़ती हिस्सेदारी पूर्वी और दक्षिणी भारत में औद्योगिक निवेश के झुकाव को दर्शाती है और यह राष्ट्रीय आर्थिक विकास में राज्यों की बदलती भूमिका का संकेत है।

तांबा और एल्युमिनियम की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

- एल्युमिनियम अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन एवं तांबा 12,000 प्रति टन के पार

नई दिल्ली ।

2025 में सोना और चांदी की रैली के बाद अब इंडस्ट्रियल मेटल्स में भी तेजी देखने को मिल रही है। एल्युमिनियम की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन पार कर गई हैं, जो तीन साल में सबसे ऊँचा स्तर है। तांबा भी एलएमई पर यूएसडी 12,000 प्रति टन के पार पहुंच गया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में इन धातुओं में मॉन्स्टर रैली देखने को मिल सकती है। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। चीन में स्मेल्टिंग क्षमता पर कड़ी सीमाएं और यूरोप में बिजली की ऊंची लागत के कारण उत्पादन घटा है। इंडोनेशिया, चिली और कांगो में खनन दुर्घटनाओं और हड़तालों ने सप्लाई पर दबाव बढ़ाया है। वहीं निर्माण, रिन्यूएबल एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में मजबूत दीर्घकालिक मांग भी कीमतों को ऊपर ले जा रही है। ब्याज दरों में संभावित कटौती, कमजोर अमेरिकी डॉलर और चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदों ने निवेशकों की धारणा मजबूत की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, सप्लाई बाधाएं और वैश्विक निवेश 2026 की पहली छमाही तक तांबे की कीमतें ऊंची बनाए रख सकते हैं। इस तेजी का असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर भी दिखने लगा है। एयर कंडीशनर, किचन अप्लायंसेज़, बाथ फिटिंग्स और कुकवेयर जैसी तांबे पर निर्भर वस्तुएं महंगी होने की संभावना है। भारत में एमसीएक्स पर तांबा 1,300 प्रति किलो के करीब पहुंच गया है। कंपनियां बढ़ती लागत की भरपाई के लिए 5-8 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

बाजार में लगातार दूसरे हफ्ते भी जारी रही तेजी

- घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को समर्थन दिया

मुंबई ।

बीते सप्ताह मज़बूत ऑटो बिक्री के आंकड़ों और बेहतर अर्निंग आउटलुक को लेकर बने उत्साह के कारण, भू-राजनीतिक तनाव और एफआईआई की लगातार बिकवाली को नज़रअंदाज़ करते हुए, बाज़ार ने लगातार दूसरे हफ़्ते भी बढ़त जारी रखी। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक रही, जहां बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 22.24 अंक बढ़कर 85,063.69 पर खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 16 अंकों की तेजी के साथ 26,058.30 पर कारोबार शुरू हुआ। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 346 अंक गिरकर 84,695 पर बंद हुआ और निफ्टी 25,950 के स्तर के नीचे फिसल गया। इस दौरान भारतीय रुपया भी 89.97 के रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब कारोबार करता दिखाई दिया। मंगलवार को बाजार में गिरावट जारी रही। सेंसेक्स 209.32 अंक गिरकर 84,486.22 पर आ गया और निफ्टी 63.25 अंक फिसलकर 25,878.85 पर पहुंच गया। इसके बावजूद, बुधवार को पिछले दिनों की गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 254.38 अंक चढ़कर 84,929.46 पर पहुंच गया और निफ्टी 50 ने 89.15 अंकों की बढ़त के साथ 26,028 पर कारोबार किया। इस सुधार का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी और साल के अंत में पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग रही। गुरुवार को सेंसेक्स में मामूली गिरावट देखने को मिली और यह 85,188.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 26,146.55 पर स्थिर रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स ने 350 अंकों के उतार-चढ़ाव के साथ 85,101.52 और 85,451.70 के स्तर को छुआ। शुक्रवार को बाजार ने नए इतिहास की ओर कदम बढ़ाया। ब्लू-चिप रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी और घरेलू निवेशकों की खरीदारी के कारण सेंसेक्स 573.41 अंक उछलकर 85,762.01 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर बंद हुआ और इंट्रा-डे में 26,340 का नया रिकॉर्ड बनाया।

निजी बैंक बने पेंशन फंड मैनेजर, एनपीएस निवेशकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे

नई दिल्ली।

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के एक अहम फैसले से भारत के रिटायरमेंट बचत सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद की जा रही है। नए नियमों के तहत अब शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक अपने स्तर पर पेंशन फंड स्थापित कर सकेंगे। हालांकि, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के मौजूदा नियमों, ढांचे और निवेश सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीएफआरडीए ने साफ किया है कि एनपीएस की संरचना पहले की तरह ही रहेगी। टैक्स लाभ, निवेश नियम, निकासी प्रक्रिया और नियामकीय निगरानी में कोई बदलाव नहीं होगा। यह फैसला केवल पेंशन फंड मैनेजमेंट में बैंकों की भागीदारी से जुड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकों की सीधी भागीदारी से निवेशकों को अधिक विकल्प मिलेंगे। कर्मा मैनेजमेंट ग्लोबल कंसल्टिंग सॉल्यूशंस के अनुसार, एनपीएस का प्रोडक्ट तुरंत नहीं बदलेगा, लेकिन निवेशकों का अनुभव जरूर बेहतर होगा। बैंकों का बड़ा नेटवर्क और मजबूत डिजिटल सिस्टम, खासकर गैर-मेट्रो और ग्रामीण क्षेत्रों में, एनपीएस तक पहुंच को आसान बनाएगा। निवेशकों का भरोसा अहम भूमिका निभाएगा। जिन बैंकों से लोगों का पहले से संबंध है, उन्हीं से जुड़े पेंशन फंड मैनेजर चुनने का विकल्प निवेशकों को मिलेगा। इससे नामांकन और योगदान प्रबंधन की प्रक्रिया सरल होगी।

सेबी ने आठ कंपनियों के आईपीओ को दी मंजूरी

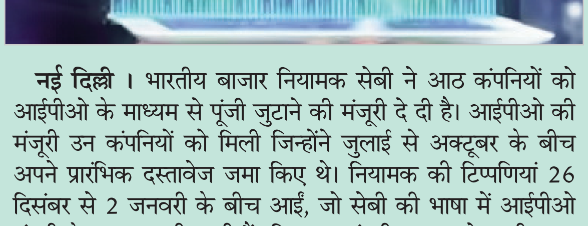

नई दिल्ली । भारतीय बाजार नियामक सेबी ने आठ कंपनियों को आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। आईपीओ की मंजूरी उन कंपनियों को मिली जिन्होंने जुलाई से अक्टूबर के बीच अपने प्रारंभिक दस्तावेज जमा किए थे। नियामक की टिप्पणियां 26 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच आईं, जो सेबी की भाषा में आईपीओ मंजूरी के समान मानी जाती हैं। नियामक मंजूरी प्राप्त करने वाली अन्य कंपनियों में श्रीराम फूड इंडस्ट्री, वडोदरा स्थित टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड, इंदिरा आईवीएफ और रे ऑफ बिलीफ लिमिटेड शामिल हैं।ये कंपनियां अब सार्वजनिक निवेशकों से पूंजी जुटा सकती हैं। सेबी की टिप्पणियां आईपीओ प्रक्रिया का अहम हिस्सा हैं और इससे निवेशकों को कंपनियों की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिति की जानकारी मिलती है।

सामरिक शक्ति- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और आईएनएस वाघशीर की ऐतिहासिक यात्रा

योगेश कुमार गोयल

आईएनएस वाघशीर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्री यात्रा भारत के आत्मनिर्भर, समावेशी और रणनीतिक भारत का जीवंत प्रतीक बन गई है। यह एक यात्रा मात्र नहीं थी बल्कि यह उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जो कहता है कि भारत अब किसी के संरक्षण में नहीं बल्कि अपनी तकनीक, अपने मानव संसाधन और अपने नेतृत्व के बल पर विश्व मंच पर खड़ा है। समुद्र की गहराइयों में उतरती यह पनडुब्बी केवल धातु का ढ़ांचा नहीं बल्कि उस राष्ट्र की आत्मा है, जो शांति के प्रति समर्पित है पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार भी है।

समुद्र की गहराइयों से उठती नारी शक्ति की गूंज... भारत के सैन्य इतिहास में कुछ क्षण केवल घटनाएं नहीं, राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बन जाते हैं। पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलैक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है। सबसे भविष्यवादी तत्व इसकी मॉड्युलर संरचना है, जो इसे आने वाले वर्षों में ह्यएयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शनह्न प्रणाली से लैस करने की सुविधा प्रदान करेगी। इस तकनीक के जोड़ने के बाद वाघशीर को सतह पर आए बिना लंबे समय तक गहराइयों में तैनात किया जा सकेगा, जिससे इसकी स्टील्थ और मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा कारवार स्थित आईएनएस कदंब नौसैनिक अड्डे से प्रारंभ हुई, जो भारत के समुद्री सामर्थ्य का केंद्र बन चुका है। 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत विकसित यह अड्डा 45 वर्ग किलोमीटर में फैला एक विशाल सामरिक बेस है। पूर्ण निर्माण के बाद यह स्वेज नहर के पूर्व में पृथ्वी का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा, जहां 50 से अधिक युद्धपोतों को रखने की क्षमता होगी। यह आधार केवल एक सैन्य सुविधा नहीं बल्कि भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यहां से भारत न केवल अपने समुद्री तट की सुरक्षा करता है बल्कि पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र पर सामरिक निगरानी भी रखता है। कारवार का विकास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निर्णायक भूमिका के अनुरूप है, जहां व्यापारिक मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक नियंत्रण सब कुछ समुद्र पर निर्भर है।

राष्ट्रपति की यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण वह रहा, जब उन्होंने पनडुब्बी में तैनात नौसैनिकों से संवाद किया। पनडुब्बी सेवा, सामान्य नौसैनिक जीवन से कहीं अधिक कठिन होती है, जहां सीमित स्थान, पूर्ण गोपनीयता, महीनों तक अंधकार और हर क्षण अप्रत्याशित खतरे रहते हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति का स्वयं आकर सैनिकों का अभिवादन करना उनके मनोबल को अतुलनीय शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने नौसैनिकों के अनुशासन, तकनीकी दक्षता और त्याग की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'भारतीय सैन्य शक्ति का असली आधार उसकी मानव शक्ति है।' यह कथन भारत की उस सैन्य नीति को उजागर करता है, जो आधुनिक हथियारों जितनी ही ऊर्जा अपने जवानों की प्रतिबद्धता में देखती है। एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं, उनका अत्याधुनिक पनडुब्बी में उतरना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। भारत की सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। 2014 में जहां महिला अधिकारियों की संख्या लगभग 3,000 थी, वहीं आज यह 11,000 से अधिक हो चुकी है। 2020 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद 500 से अधिक महिला अधिकारियों को स्थायी आयोग दिया गया। 2022 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स के प्रवेश से नए युग की शुरूआत हुई। राष्ट्रपति मुर्मू का सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और अब पनडुब्बी में तीनों सशस्त्र शाखाओं का प्रत्यक्ष अनुभव, यह केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि 21वीं सदी का भारत नेतृत्व को लिंग की सीमाओं से परिभाषित नहीं करता। उनकी यह यात्रा समाज की उस प्रेरणा का स्वर बन गई है, जो भारत की बेटियों को कहती है कि 'समुद्र की गहराइयां भी तुम्हारे साहस से अपरिचित नहीं हैं।'

प्रोजेक्ट-75, जिसने वाघशीर जैसी पनडुब्बियों को जन्म दिया, भारत की तकनीकी स्वायत्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसका उद्देश्य केवल छह पनडुब्बियां बनाना नहीं बल्कि भारत को पनडुब्बी निर्माण और डिजाइन की घरेलू क्षमता देना था। भारत अब अगले चरण 'प्रोजेक्ट-75 (आई)' की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर ध्यान रहेगा। इससे भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतें पूरा करेगा बल्कि भविष्य में अन्य देशों को भी नौसैनिक प्लेटफॉर्म निर्यात करने में सक्षम होगा। यह मार्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की उस व्यापक सोच से जुड़ा है, जहां रक्षा उत्पादन को आर्थिक विकास, कूटनीति और तकनीकी नवाचार से जोड़ा गया है।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिंद महासागर क्षेत्र वह भौगोलिक परिसीमा है, जहां वैश्विक शक्ति-संतुलन तय हो रहा है। विश्व व्यापार का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं समुद्री मार्गों से गुजरता है। चीन की बढ़ती नौसैनिक सक्रियता, दक्षिण चीन सागर का तनाव और इंडो-पैसिफिक में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को नया केंद्र बना दिया है। ऐसे में, भारत की नीति स्पष्ट है, सागर : सभी के लिए सुरक्षा और विकास।' इसके विस्तार स्वरूप भारत ने महासागर और MAITRI जैसी पहलें शुरू की हैं, जो क्वाड देशों (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) के साथ तालमेल से संचालित हो रही हैं। राष्ट्रपति की यह यात्रा विश्व समुदाय के लिए संकेत है कि भारत केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं बल्कि एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर है, जो नियम-आधारित, स्वतंत्र और सुरक्षित समुद्री व्यवस्था को सशक्त कर रहा है।

राष्ट्रपति की यह यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक उपस्थिति नहीं थी बल्कि यह संदेश थी कि भारत का सर्वोच्च नेतृत्व अपने सिपाहियों के साथ खड़ा है, उनके जीवन, उनके संघर्ष और उनके गौरव को पूरी संवेदना से समझता है। पनडुब्बी के संकरे गलियारों में राष्ट्रपति का नौसैनिकों से बातचीत करना, उनके उपकरणों को देखना और उनके मनोबल को सराहना, यह उस गहरे विश्वास का प्रतीक है, जो सरकार और सशस्त्र बलों के बीच सेतु बनाता है। यह विश्वास ही भारत की सैन्य शक्ति का अदृश्य किन्तु सबसे प्रबल स्तंभ है।

आईएनएस वाघशीर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्री यात्रा भारत के आत्मनिर्भर, समावेशी और रणनीतिक भारत का जीवंत प्रतीक बन गई है। यह एक यात्रा मात्र नहीं थी बल्कि यह उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जो कहता है कि भारत अब किसी के संरक्षण में नहीं बल्कि अपनी तकनीक, अपने मानव संसाधन और अपने नेतृत्व के बल पर विश्व मंच पर खड़ा है। समुद्र की गहराइयों में उतरती यह पनडुब्बी केवल धातु का ढ़ांचा नहीं बल्कि उस राष्ट्र की आत्मा है, जो शांति के प्रति समर्पित है पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार भी है। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति मुर्मू और आईएनएस वाघशीर, दोनों एक ऐसे नए भारत के प्रतीक हैं, जो नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और अडिग संकल्प के सहारे अपना भविष्य खुद गढ़ रहा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

संपादकीय

दूषित पानी का हत्याकांड

कितना अभिशप्त और कलंकित शहर है इंदौर! जिस शहर को स्वच्छता के लिए लगातार राष्ट्रीय सम्मान मिल रहा है, उसी शहर में लोग दूषित पानी पीने से मर रहे हैं। यह इंदौर का काला सच है! इससे विरोधाभासी त्रासदी और क्या होगी? हमें नए साल की शुरूआत में ही ऐसा शोकाकुल, संतप्त, अफसोसनाक, व्यवस्था के 'फालतूपन', संवेदनहीनता और मंत्री जी के 'घंटे' पर विश्लेषण करना पड़ रहा है, लिहाजा हमारी विवशता समझिए। यह त्रासद घटना मप्र के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव-क्षेत्र के भागीरथपुरा की है। क्या विडंबना और अंधेरगर्दी है कि नर्मदा के पानी की लाइन में मल की पाइपलाइन जुड़ गई और लोग वही विषाक्त पानी पीते रहे! आखिर यह नालायकी कैसे संभव है? यदि यह हत्याकांड (हम इसे हत्याकांड ही मानेंगे) सामने न आता, तो न जाने कितनी और अर्थियां उठानी पड़तीं? विषाक्त पानी पीने से अभी तक 14 मौतें हो चुकी हैं और 32 मरीजों की स्थिति गंभीर बताई गई है। उनमें से अधिकतर अस्पतालों के आईसीयू में उपचाराधीन हैं। ईश्वर उन्हें नई जिंदगी दें। अस्पतालों में 201 मरीज भर्ती हैं। कुल 8571 प्रभावित लोगों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 338 संक्रमित पाए गए हैं। अब हैजा फैलाने वाले घातक विषाणु भी मिले हैं। मप्र सरकार बेशक अफसरों को निलंबित करे या बर्खास्त कर दे अथवा सूली पर चढ़ा दे, लेकिन जिन परिवारों के चिराग बुझे हैं, कमाऊ पूत भरी जवानी में चले गए हैं, बड़ों के साये भी छिन गए हैं, क्या उनकी क्षतिपूर्ति संभव है? ऐसी किसी भी त्रासद घटना की क्षतिपूर्ति की ही नहीं जा सकती। जिन लोगों ने गुस्से या आक्रोश में सरकारी चेक कबूल करने से इंकार कर दिया है, हम उनकी हिम्मत की दाद देते हैं। सरकार या राजनीतिक नेतृत्व को कभी-कभार 'लाल आंखें' दिखाना सही होता है। कैलाश विजयवर्गीय भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में हैं और मालवा के सबसे ताकतवर नेता के तौर पर गिने जाते हैं। उन्होंने पत्रकारों से भिड़ते हुए कहा-फोकट के सवाल मत पूछें। 'इससे उनकी मानसिकता स्पष्ट हुई है। वह मौत के आंकड़ों को 'घंटा' करार दे रहे हैं। क्या ऐसे नेता को जनता को खारिज नहीं कर देना चाहिए? दरअसल सवाल खोखले नारों, दावों और सतही श्रृंगार का है। इंदौर पर ग्लैमर और आकर्षण थोपा जा रहा है। वह स्वच्छता का शहर भी नहीं है। यह हमारा दावा है, क्योंकि हमने इंदौर को नंगी आंखों से देखा है। वहां अराजकता और अतिक्रमण चारों ओर देखा जा सकता है। इंदौरवाले अव्वल दर्जे के 'खाऊ' हैं, लेकिन नर्मदा नदी के तट पर बसे शहर में चेतावनीपूर्ण जल-संकट की स्थितियां हैं। गर्मियों में लोगों को पानी के टैंकर खरीद कर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ती हैं। किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री या खुद जनता ने पानी के संकट की कभी भी चिंता नहीं की। अब इंदौर को इतना विकसित बनाने की योजनाओं पर काम चल रहा है कि प्रधानमंत्री का दूसरा आवास वहीं बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री इंदौर में बस कर क्या करेंगे? इंदौर को सिर्फ ऊपर से सजाने-संवारने की कोशिशें की जाती रही हैं। यह कैसा शहर है, जहां 95 फीसदी से अधिक दोपहिया चालक हैलमेट ही नहीं पहनते, लाल बत्ती की गंभीरता से नहीं मानते और वाहन आपस में लगभग काटते, टकराते चलते रहते हैं। ऐसे शहर को बेनकाब करना जरूरी है।

चिंतन-मनन

मनुष्य को कर्मों का कर्ज चुकाना होगा

भगवान ने हमारे जीवन को पवित्र बनाने के लिए समय-समय पर जो उपदेश दिए हैं, वे शास्त्रों के रूप में हमारे सामने हैं। हमें यह जो मनुष्य भव मिला है, यदि कर्मों का कर्ज चुका दिया तो सीधे मोक्ष प्राप्त हो सकता है। मनुष्य को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं करना पड़ता है। उपाध्याय प्रवर मूलमुनिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई भवों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। हम मनुष्य भव को सद्कार्यों में लगाकर जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ऋषभमुनिजी ने कहा कि भगवान के शरीर में तीर्थंकर का शरीर सबसे श्रेष्ठ बना है। तीर्थंकरों के शरीर में सुगंध आती है जबकि भगवान के पास जाते ही समभाव आ जाता है। भगवान के 34 अतिशय का प्रभाव रहता है। भगवान का शरीर के प्रति राग नहीं रहता। केवलज्ञान ही पूर्ण ज्ञान रहता है। आत्मा ही गुरु है। आत्मा ही देव है।

अंधेरे से उजाले का सफरः लुई ब्रेल और उनकी जादुई लिपि

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास में कुछ ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपनी शारीरिक अक्षमता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया, या यूं कहें खुद के साथ पूरी मानवता की सेवा की तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ' इन्हीं में से एक नाम है लुई ब्रेल'

लुई ब्रेल वह महामानव थे, जिन्होंने दृष्टिबाधितों की दुनिया में शिक्षा का सूरज उगाया। 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के कुपव्रे में जन्मे लुई के जीवन की कहानी किसी चमत्कार से कम नहीं है। मात्र तीन वर्ष की आयु में पिता की कार्यशाला में काम करते समय एक नुकीले औजार से उनकी आँख में चोट लग गई। संक्रमण इतना फैला कि बालक लुई ने अपनी दोनों आँखों की रोशनी खो दी। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; आँखों की रोशनी जाना उनके जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरूआत थी, शायद उनकी आखों का जाना सिर्फ.जाना नहीं था बल्कि दुनिया भर के दृष्टिबाधित लोगों के लिए प्रकाश लेकर आना था, और इस पुण्यात्मा ने यही किया '

लुई ब्रेल की मेधा शक्ति बचपन से ही विलक्षण थी। जब उन्होंने पेरिस के रॉयल इंस्टीट्यूशन फॉर ब्लाइंड यूथ में दाखिला लिया, तो उन्होंने पाया कि वहां पढ़ने के लिए इस्तेमाल होने वाली हाउ पद्धति अत्यंत बोझिल थी। इसमें कागज पर अक्षरों को उभारकर बनाया जाता था, जिन्हें स्पर्श करके पढ़ना बहुत धीमा और थका देने वाला काम था। लुई को महसूस हुआ कि यदि दृष्टिबाधितों को वास्तव में शिक्षित होना है, तो उन्हें एक ऐसी भाषा की जरूरत है जो उतनी ही तेज हो जितनी कि आँखों से पढ़ी जाने वाली लिपि।

लुई ब्रेल के जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात फ्रांसीसी सेना के कैप्टन चार्ल्स बार्बियर से हुई। बार्बियर ने सैनिकों के लिए अंधेरे में संदेश पढ़ने हेतु 12 बिंदुओं वाली नाइट राइटिंग (सोनोग्राफी) विकसित की थी। हालाँकि यह तकनीक ध्वनियों पर आधारित थी, लेकिन काफी जटिल और बड़ी थी; एक उंगली से एक साथ 12 बिंदुओं को महसूस करना अत्यंत कठिन था और इसमें व्याकरण का अभाव था। केवल 15 वर्ष की आयु में लुई ने इस चुनौती को स्वीकार किया और गहन विश्लेषण के बाद इसे पूरी तरह रूपांतरित कर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक आधार पर पाया कि मनुष्य की उंगली की पोर एक बार में अधिकतम छह बिंदुओं को ही सटीकता से पढ़ सकती है। इसी आधार पर उन्होंने 12 बिंदुओं की जटिलता को घटाकर 6 बिंदुओं के दो कॉलम वाले सेल में समेट दिया। यह छोटा सा दिखने वाला बदलाव दृष्टिबाधितों के लिए एक महान आविष्कार साबित हुआ।

लुई का यह 6 बिंदुओं का जादुई खांचा इतना लचीला था कि इससे 63 अलग-अलग संयोजन बनाए जा सकते थे। उन्होंने इसे न केवल वर्णमाला, बल्कि गणितीय सूत्रों, संगीत के नोट्स और वैज्ञानिक प्रतीकों के लिए भी सक्षम बनाया। उनकी इस मेधा शक्ति ने स्पर्श को शब्दों की गति प्रदान की, जिससे दृष्टिबाधितों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बंद द्वार हमेशा के लिए खुल गए। आज खगोल शास्त्र जैसे जटिल विषयों का ब्रेल लिपि में उपलब्ध होना लुई ब्रेल की इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

भारत में लुई ब्रेल के योगदान को सदैव उच्च सम्मान दिया गया है। भारत सरकार ने वर्ष 2009 में उनकी 200वीं जयंती के अवसर पर ?2 का विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आज भारत के कोने-कोने में दृष्टिबाधितों के लिए चल रहे संस्थान और ब्रेल प्रेस लुई के सपनों को साकार कर रहे हैं। उनके आविष्कार ने दुनिया सहित करोड़ों भारतीयों को आत्मनिर्भर बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। लुई ब्रेल के जीवन के कुछ ऐसे पहलू भी हैं जिनसे दुनिया कम परिचित है। वे न केवल एक आविष्कारक थे, बल्कि एक असाधारण संगीतकार और ऑर्गन वादक भी थे। उन्होंने पेरिस के प्रतिष्ठित चर्चों में संगीत देकर अपनी जीविका चलाई। उन्होंने राफिग्राफी नामक एक अन्य पद्धति भी विकसित की थी, जिससे दृष्टिबाधित व्यक्ति सामान्य लिपि में पत्र लिख सकते थे। विडंबना यह रही कि जिस लिपि ने दुनिया को रोशन किया, उसे लुई के जीवित रहते आधिकारिक मान्यता नहीं मिल सकी। 6 जनवरी 1852 को क्षय रोग (टीबी) के कारण उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी उंगलियों के निशान आज करोड़ों लोगों की आँखों की रोशनी बनकर जीवित हैं। लुई ब्रेल का जीवन हमें सिखाता है कि बाधाएं केवल शरीर को रोक सकती हैं, संकल्प और बुद्धि को नहीं। लुई ब्रेल जैसी महान शख्सियतें कभी मरती नहीं हैं, लुई ब्रेल जैसी महान आत्मा को हमारा प्रणाम।

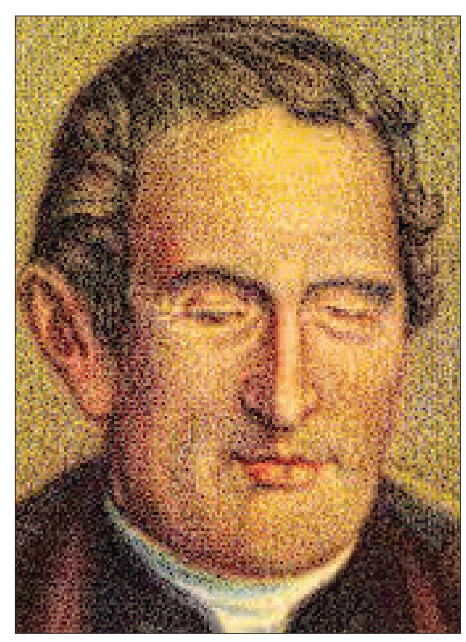

इंदौर की गलियों में बहता मौत का पानी और जवाबदेही की सूखी टोटियाँ

कांतिलाल मांडोत

देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पाने वाला इंदौर आज एक ऐसे सवाल के सामने खड़ा है, जो किसी एक गली, एक कॉलोनी या एक हादसे तक सीमित नहीं है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह 14 घरों में पसरे सन्नाटे की गिनती है, 14 चिताओं की राख है और सैकड़ों बीमार शरीरों की कराह है। जिन शहरों को हम विकास, स्वच्छता और आधुनिक व्यवस्था का मॉडल बताते नहीं थकते, वहीं अगर नल से जहर बहने लगे तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता नहीं तो और क्या है।

भागीरथपुरा की संकरी गलियों में बीते कई दिनों से मातम पसरा है। अरविंद, उम्र 43 वर्ष, कुलकर्णी भट्टा निवासी, इस त्रासदी का 14वां शिकार बना। उससे पहले 21 से 31 दिसंबर के बीच 13 जिंदगियां बुझ चुकी थीं। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं। दो साल से लोग कह रहे थे कि नलों से बदबूदार, गंदा पानी आ रहा है। दो साल से बच्चे बीमार पड़ रहे थे, बुजुर्ग उल्टियां कर रहे थे, घरों में दवाइयों की बोतलें जमा हो रही थीं। अगर तब सुना जाता, तो शायद आज 14 चिताएं न जल रहीं होतीं। पानी जीवन है, यह वाक्य हम किताबों में पढ़ते हैं। लेकिन जब वही पानी मौत बन जाए, तो सवाल सीधे उस विभाग पर जाता है, जिसकी जिम्मेदारी लोगों तक सुरक्षित जल पहुंचाने की है। जलदाय विभाग की पाइपलाइनों में लीकेज था, यह बात अब सरकारी रिपोर्ट भी मान चुकी है। सीएमएचओ की जांच रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण पानी दूषित हुआ और उसी पानी को पीने से लोग बीमार पड़े और मरे। सांसद ने भी स्वीकार किया कि पानी के सैंपल में जानलेवा बैक्टीरिया मिले हैं। लेकिन यह स्वीकारोक्ति तब आई, जब कई घर उजड़ चुके थे। क्या किसी विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ रिपोर्ट आने के बाद बयान देना है, या समय रहते खतरे को रोकना भी उसका दायित्व है?

स्वास्थ्य विभाग ने करीब आठ हजार घरों का सर्वे किया, ढाई हजार से ज्यादा लोग संक्रमित या संदिग्ध पाए गए, सैकड़ों अस्पताल में भर्ती हुए। यह संख्या बताती है कि समस्या कितनी व्यापक थी। फिर भी जलदाय विभाग की तरफ से न समय पर सप्लाई रोकी गई, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई, न ही बड़े स्तर पर चेतावनी जारी की गई। जिन नलों से पानी आता है, वही नल मौत का फंदा बन गए और लोग मजबूरी में वही पानी पीते रहे। जिनके पास बोतलबंद पानी खरीदने की हैसियत नहीं थी, उनके लिए इससे ज्यादा कठिनाई और क्या हो सकती थी?

जब मंत्री कैलाश विजयवगीय भागीरथपुरा पहुंचे और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए के चेक देने की कोशिश की गई, तो वह दृश्य अपने आप में व्यवस्था के प्रति लोगों के गुस्से का आईना था। परिजनों ने चेक लेने से मना कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें पैसे नहीं चाहिए, उन्हें जवाब चाहिए। महिलाओं ने मंत्री को घेरकर कहा कि दो साल से शिकायत कर रहे थे, अगर तब सुन लिया गया होता तो आज इतने लोग नहीं मरते। यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं था, यह एक मां, एक पत्नी, एक बहन की पीड़ा थी, जिसे चेक से नहीं खरीदा जा सकता।

मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के बयान इस त्रासदी में और नमक छिड़कते नजर आए। कहीं कहा गया कि जांच होगी, कहीं कहा गया कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, कहीं यह बताया गया कि आंकड़े जल्द जारी किए जाएंगे। सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे, तब ये बयान कहां थे? जब बदबूदार पानी की शिकायतें दर्ज हो रही थीं, तब जलदाय विभाग की मशीनरी क्यों नहीं जागी? क्या हर हादसे के बाद यही रटी-रटाई पंक्तियां सुनना ही जनता की नियति है?

इंदौर की यह घटना सिर्फ एक शहर की कहानी नहीं है। यह उस पूरे देश का आईना है, जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी साफ पानी की गारंटी नहीं दी जा सकी। शहरों में स्मार्ट सिटी की बातें होती हैं, करोड़ों की परियोजनाएं गिनाई जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग आज भी नल खोलते वक्त डरता है कि पता नहीं आज पानी आएगा भी या नहीं, और अगर आएगा तो कैसा आएगा। भागीरथपुरा के लोग आज यही डर जी रहे हैं। जलदाय विभाग पर सवाल इसलिए भी गंभीर हैं क्योंकि पानी की सप्लाई कोई विलासिता नहीं, बल्कि मूलभूत अधिकार है। पाइपलाइनों की नियमित जांच, लीकेज की मरम्मत, पानी की गुणवत्ता की लगातार मॉनिटरिंग, यह सब विभाग की रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। अगर दो साल से गंदा पानी आ रहा था, तो यह केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही है। यह लापरवाही तब और खतरनाक हो जाती है, जब उसके नतीजे मौत के रूप में सामने आते हैं।

आज भागीरथपुरा में जो हो रहा है, वह आने वाले कल की चेतावनी है। अगर जलदाय विभाग और प्रशासन ने इस घटना से सबक नहीं लिया, तो अगला आंकड़ा किसी और शहर, किसी और कॉलोनी से आ सकता है। सवाल सिर्फ 14 मौतों का नहीं है, सवाल उस व्यवस्था का है, जो हर बार हादसे के बाद जागती है और फिर धीरे-धीरे सो जाती है। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हर मुआवजा सिर्फ एक औपचारिकता रहेगा। स्वच्छ शहर की चमकदार छवि के पीछे यह कड़वा सच छिपा है कि यहां भी लोग पानी के लिए तरसते हैं, यहां भी लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। जिन घरों में आज शोक है, वहां कभी बच्चों की हंसी गूंजती थी। आज वहां खाली बर्तन और सूनी आंखें हैं। यह केवल इंदौर की नहीं, पूरे सिस्टम की हार है। यह समय आत्ममंथन का है। जलदाय विभाग को सिर्फ बयान देने से आगे बढ़कर ठोस सुधार करने होंगे। मंत्रियों को उल्टे-सीधे जवाब देने के बजाय जनता के सवालों का ईमानदारी से सामना करना होगा। और सबसे जरूरी, यह मानना होगा कि पानी की एक-एक बूंद की जिम्मेदारी किसी विभाग की फाइल नहीं, बल्कि इंसानी जिंदगी है। क्योंकि जब नल से पानी नहीं, मौत बहने लगे, तो कोई भी शहर स्वच्छ नहीं कहलाता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज की

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ट्रम्प प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की सरकार के खिलाफ सैन्य अभियान तेज किए हैं। इसके जवाब में वेनेजुएला भी बड़े पैमाने पर अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में ले रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरफ्तारियां कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के बढ़ने के बीच हो रही हैं, जो सितंबर महीने से शुरू हुई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक 5 अमेरिकी मूल के नागरिक हिरासत में लिए गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि सभी मामलों की स्थितियां अलग-अलग हैं। कुछ गिरफ्तारियों में वैध आपराधिक आरोप लग सकते हैं, जबकि अमेरिकी प्रशासन दो अमेरिकियों को गलत तरीके से हिरासत में लिया गया मानकर एक्शन लेने पर विचार कर रही है। अमेरिकी विदेश विभाग और कोलंबिया में अमेरिकी दूतावास ने इन गिरफ्तारियों पर कोई टिप्पणी नहीं की। वहीं, सीएनएन को एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि जांच जारी है कि ये अमेरिकी नागरिक गिरफ्तारी के समय वेनेजुएला में क्या कर रहे थे, और कुछ मामलों में ड्रग तस्करी के आरोप लग सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस सैन्य बढ़ोतरी का बचाव करते हुए कहा कि यह अमेरिका में ड्रग्स आने से रोकने के लिए जरूरी है, और उन्होंने इसे ड्रग कार्टेल्स के साथ संघर्ष का हिस्सा बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने मदुरो पर नार्को-टेररिज्म के आरोप भी लगाए हैं। हाल के महीनों में अमेरिका ने ड्रग तस्करी में शामिल बताई जाने वाली नावों पर 30 से अधिक हमले किए हैं, ताकि नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ा जा सके।

अफगानिस्तान में भारी बारिश से आई अचानक बाढ़, 17 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में लंबे सूखे के बाद हुई इस सीजन की पहली भारी बारिश और बर्फबारी अब मुसीबत बन गई है। भारी बारिश के चलते देश के कई हिस्सों में आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने भारी तबाही मचाई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 17 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 11 अन्य घायल हुए हैं। प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ की चपेट में आने से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है और बड़ी संख्या में मवेशी भी मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 1,800 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं, जिससे पहले से ही संघर्ष कर रहे ग्रामीण और शहरी इलाकों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों के संघर्ष, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के कारण अफगानिस्तान हमेशा ऐसी आपदाओं की जद में रहता है।

आपदा सहायता के लिए श्रीलंका ने भारतीय पोतों को किया सम्मानित

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की नौसेना ने आपदा सहायता के लिए आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी सहित आठ विदेशी पोतों को सम्मानित किया है। भारत के ये दोनों विमान वाहक पोत पिछले महीने की शुरुआत द्वीपीय देश में आए भीषण चक्रवात दित्वाह के बाद सबसे पहले बचाव और राहत अभियान में शामिल हुए थे। इस आपदा में श्रीलंका के 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

बुल्गारिया ने भी यूरो को अपनाया यूरोजोन का 21वां सदस्य बना

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया ने 2026 के पहले दिन आधिकारिक तौर पर यूरो को अपना लिया और इसी के साथ वह यूरोजोन का 21वां सदस्य बन गया है। दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश ने यह फैसला यूरोपीय संघ में शामिल होने के 19 साल बाद लिया है। बुल्गारिया में अब तक लेव में लेन-देन होता था। यहां जनवरी के आखिर तक लेव यूरो के साथ-साथ पेमेंट का कानूनी जरिया बना रहेगा और एक फरवरी से यूरो एकमात्र आधिकारिक करेंसी बन जाएगी।

पाकिस्तान : सेना के खिलाफ हिंदू विधायक का प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की तिराह घाटी में सैन्य अभियानों के खिलाफ महीनों से विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच बृहस्पतिवार को आदिवासी समुदायों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हिंदू विधायक बाबा गोपाल सिंह भी प्रदर्शन में शामिल हुए। गोपाल सिंह, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के सदस्य हैं। अपने भाषण में उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता पर जोर दिया। उन्होंने मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना की और घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ मांगी।

अमेरिका की चेतावनी - चीन बेवजह तनाव बढ़ा रहा, ताकत से हालात बदलने की कोशिश नहीं करे

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के भाषण में कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और दोनों के बीच खून का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि चीन और ताइवान का एक होना समय की मांग है और इसे कोई रोक नहीं सकता। ताइवान की सरकार ने इसे बहुत उकसाने वाला कदम बताया और कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में अशांति फैल सकती है।

चीन हमेशा से कहता आया है कि ताइवान उसका हिस्सा है और जरूरत पड़ी तो सेना के दम पर उसे अपने साथ मिला लेगा। वहीं अमेरिका ने भी चीन की इस हरकत की आलोचना की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन की बातें बेवजह तनाव बढ़ा रही हैं। अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही नीति को दोहराते हुए विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य (ताइवान और चीन के बीच का समुद्री क्षेत्र) में मौजूदा शांति को भंग करने के किसी भी कदम का विरोध करता है।

ट्रम्प बोले- जिनपिंग मेरे अच्छे दोस्त, चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा : अमेरिका पिछले कई दशकों से ताइवान की मदद करता आ रहा है ताकि वह अपनी रक्षा खुद कर सके। वहीं ट्रम्प ने चीन को लेकर नरम रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि वे चीन के सैन्य अभ्यासों से परेशान नहीं है। चीन पिछले 20 साल से ऐसे अभ्यास करता रहा है। ट्रम्प ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनके अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगता है कि चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा।

चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास किया था : चीन ने ताइवान के आसपास अपना सबसे बड़ा और सबसे करीबी सैन्य अभ्यास किया है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के मुताबिक, इस अभ्यास में नौसेना, वायुसेना और रॉकेट फोर्स को एक साथ तैनात किया गया है। इसका नाम 'जस्टिस मिशन 2025' रखा गया। यह अभ्यास 29 और 30 दिसंबर 2025 को दो दिनों तक चला और 31 दिसंबर को खत्म हो गया। इसमें चीन की सेना ने दर्जनों रॉकेट दागे, सैकड़ों लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाज और तटरक्षक बलों को तैनात किया।

अभ्यास में ताइवान के मुख्य द्वीप को पूरी तरह घेरने और उसके प्रमुख बंदरगाहों की नाकाबंदी का अभ्यास किया गया, साथ ही समुद्री और हवाई लक्ष्यों पर सटीक हमले की प्रैक्टिस भी हुई। कुछ रॉकेट ताइवान के बहुत करीब, उसके क्षेत्रीय जलों के पास गिरे, जो अब तक का सबसे निकट अभ्यास था।

चीनी सेना बोली- यह बाहरी देशों के दखल के खिलाफ चेतावनी : चीनी सेना ने कहा है कि यह अभ्यास ताइवान की 'अलगाववादी ताकतों' और बाहरी देशों के दखल के खिलाफ चेतावनी है। द गार्डियन ने डिफेंस एक्सपर्ट्स के हवाले से बताया है कि इस बार चीन का अभ्यास पहले से ज्यादा बड़ा है और ताइवान के बेहद करीब किया जा रहा है। खासकर पूर्वी तट के पास बनाए गए सैन्य जोन को अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसी दिशा से संकट के समय ताइवान को अंतरराष्ट्रीय मदद मिल सकती है।

ताइवान को अमेरिका से हथियार पैकेज मिलने से भड़का चीन : चीन के इस युद्धाभ्यास की वजह अमेरिका और ताइवान के बीच हुई हथियारों की डील मानी जा रही है। अमेरिका ने हाल ही में ताइवान को करीब 11.1 अरब डॉलर के हथियार बेचने की घोषणा की थी, जो अब तक का सबसे बड़ा रक्षा पैकेज है। इसमें आधुनिक मिसाइल सिस्टम, रॉकेट लॉन्चर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। इस डील से चीन भड़क गया। वह ताइवान को मिलने वाले किसी भी विदेशी सैन्य समर्थन को सीधे अपनी संप्रभुता के खिलाफ कदम मानता है। इसके चलते उसने 26 दिसंबर को अमेरिका की 20 डिफेंस कंपनियों और 10 वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। दूसरी ओर जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने भी 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन इससे बहुत नाराज हुआ था और इसे अपनी संप्रभुता पर हमला बताया। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने दिसंबर 2025 के अंत में ताइवान के मुख्य द्वीप को घेरने और प्रमुख बंदरगाहों की नाकाबंदी वाला दो दिवसीय बड़ा सैन्य अभ्यास किया। इसमें दर्जनों फाइटर जेट, युद्धपोत, कोस्ट गार्ड जहाज और मिसाइल लॉन्च शामिल थे। चीनी अधिकारियों ने इसे जस्टिस मिशन 2025 नाम दिया और कहा कि यह अभ्यास क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी था। यह अभ्यास 2022 के बाद से ताइवान के आसपास छठा बड़ा सैन्य प्रदर्शन था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह ट्रंप प्रशासन द्वारा ताइवान को 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की मंजूरी के जवाब में किया गया। इस पैकेज में उन्नत मिसाइलें, ड्रोन और अन्य रक्षा प्रणालियां शामिल हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने उमर खालिद को भेजी चिट्ठी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिल्ली दंगा मामले के आरोपी उमर खालिद को अब न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का भी साथ मिला है। जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के लिए लिखा है कि हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं। उमर खालिद दिल्ली दंगा मामले में बीते पांच साल से जेल में बंद है। जोहरान ममदानी की उमर खालिद के समर्थन में लिखी ये पंक्तियां ऐसे समय सामने आई हैं, जब अमेरिकी सांसदों ने भी भारतीय राजदूत को एक चिट्ठी लिखकर उमर खालिद का समर्थन किया है और उसे जेल से रिहा करने की मांग की है।

जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के समर्थन में लिखी ये बात

उमर खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिरी ने जोहरान ममदानी के हाथ से लिखे एक नोट को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस नोट में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अपने हाथ से लिखा, 'प्रिय उमर, मुझे अक्सर कड़वाहट के बारे में आपके शब्द याद आते हैं और यह भी कि इसे खुद पर हावी न होने देना कितना अहम है। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं।' जोहरान ममदानी ने बुधवार आधी रात को ही न्यूयॉर्क मेयर पद की शपथ ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते दिसंबर में उमर खालिद के माता-पिता ने जोहरान ममदानी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि उसी दौरान जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के लिए ये नोट लिखा था।

अमेरिका के आठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी उमर खालिद की रिहाई की मांग की फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगे के मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद पर साजिश रचने का आरोप है। इस मामले में सितंबर 2020 में उमर खालिद को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से ही वह गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धाराओं के तहत जेल में बंद है। अमेरिका के आठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी वॉशिंगटन में तैनात भारतीय राजदूत को एक चिट्ठी लिखकर उमर खालिद की रिहाई की मांग की है। अमेरिकी सांसदों ने उमर खालिद के मामले की सुनवाई में हो रही देरी पर भी चिंता जताई और उसे जमानत देने की मांग की।

रिसॉर्ट अग्निकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हुई

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट क्रांस-मोंटाना में नए साल के जश्न के दौरान लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जांचकर्ताओं का कहना है कि आग लगने की वजह 'फ्लैशओवर' हो सकती है, जिससे आग बहुत तेजी से फैल गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह आग वैले कैंटन के अल्पाइन रिसॉर्ट में स्थित 'ले कॉन्स्टेलेशन' बार में नए साल के जश्न के दौरान लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि बार में भारी तबाही मच गई। बताया जा रहा है कि उस समय बार में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

वैले कैंटन की अटॉर्नी जनरल बेआत्रिस पिलू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं 'फ्लैशओवर' की वजह से विस्फोट और आग तो नहीं लगी। उन्होंने बताया कि कई परिस्थितियों की जांच की जा रही है और कई संभावनाओं पर विचार हो रहा है। कई चश्मदीदों के बयान लिए गए हैं और घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। पिलू ने कहा कि घटनाक्रम का सही क्रम अभी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है।

फ्लैशओवर क्या होता है : अमेरिकी नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन के अनुसार, फ्लैशओवर तब होता है जब किसी बंद जगह में गर्म गैसें छत तक पहुंचकर फैल जाती हैं और तापमान अचानक बहुत बढ़ जाता है, जिससे वहां मौजूद ज्वलनशील वस्तुएं एक साथ जल उठती हैं।

स्विस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि इस घटना को आतंकवादी हमले के रूप में नहीं देखा जा रहा है। आग लगने के बाद आपात सेवाएं पूरी रात सक्रिय रहीं। घायलों को निकालने और इलाके को सुरक्षित करने के लिए कई एंबुलेंस और बचाव हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। अधिकारियों ने अभी मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। फॉरेंसिक टीमें घटनास्थल पर जांच कर रही हैं।

पाकिस्तान ने तेज की अमेरिका में अपनी लॉबिंग और जनसंपर्क गतिविधियां

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत दाखिल दस्तावेजों से पता चलता है कि पाकिस्तान ने अमेरिका में अपनी लॉबिंग और जनसंपर्क गतिविधियां तेज कर दी हैं। इन दस्तावेजों में बताया गया है कि पाकिस्तान सरकार और उससे जुड़े संगठनों ने अमेरिका में अपनी बात रखने के लिए लाखों डॉलर खर्च किए हैं। दस्तावेजों में लाखों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट और भुगतानों का विवरण है इन प्रयासों का मकसद अमेरिकी कांग्रेस, एग्जीक्यूटिव ब्रांच, थिंक टैंक और मीडिया तक पहुंच बनाना है। एक दस्तावेज के अनुसार, इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अमेरिका में लॉबिंग और जननीति से जुड़े कामों के लिए करीब नौ लाख डॉलर का भुगतान किया। यह संस्थान पाकिस्तान स्थित एक थिंक टैंक है जो पाकिस्तान के नेशनल सिक्योरिटी डिवीजन से जुड़ा है।

जानकारी के मुताबिक, अक्टूबर 2024 में हाइपरफोकल कम्युनिकेशंस एलएलसी को इस काम के लिए पंजीकृत किया गया। यह कंपनी टीम ईगल कंसल्टिंग एलएलसी के तहत सबकॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम कर रही थी। दस्तावेजों में कहा गया है कि इसका उद्देश्य अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों को बेहतर बनाना था।

एक अन्य दस्तावेज से सामने आया है कि वाशिंगटन स्थित पाकिस्तान दूतावास ने अक्टूबर 2025 से एर्विन ग्रेव्स स्ट्रैटेजी ग्रुप एलएलसी के साथ समझौता किया। इसके तहत शुरुआती तीन महीनों के लिए हर महीने 25 हजार डॉलर का भुगतान तय किया गया।

इस समझौते के तहत अमेरिकी संसद के सदस्यों और सरकारी अधिकारियों से संपर्क करना शामिल है। साथ ही नीति समूहों और थिंक टैंकों से बातचीत भी इसके दायरे में आती है। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक सुधार जैसे मुद्दों का जिक्र है।

इसके अलावा व्यापार को बढ़ावा देने, पर्यटन और पाकिस्तान में दुर्लभ खनिजों की संभावनाओं पर भी बात की गई है। सूचीबद्ध मुद्दों में जम्मू और कश्मीर विवाद और भारत-पाकिस्तान संबंध भी शामिल हैं। इन खुलासों पर भारत में खास नजर रखी जा रही है, क्योंकि इनमें जम्मू और कश्मीर और भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर अमेरिका में लॉबिंग किए जाने का जिक्र है। एक अन्य जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान दूतावास ने मई में जनसंपर्क सेवाओं के लिए क़्वॉर्विस होल्डिंग इंक को भी नियुक्त किया। इसमें मीडिया आउटरीच और नैरेटिव डेवलपमेंट शामिल हैं।

अमेरिकी कानून के अनुसार, विदेशी सरकारों और उनसे जुड़े संगठनों को अपनी लॉबिंग और जनसंपर्क गतिविधियों की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है। इन्हीं दस्तावेजों के जरिए उनके समझौते, गतिविधियां और किए गए भुगतानों का पूरा ब्योरा सामने आता है।

रूस का दावा: यूक्रेन ने किया खेरसॉन में ड्रोन हमला

मॉस्को, एजेंसी। नए साल के पहले दिन गुरुवार को यूक्रेन ने रूस पर भीषण ड्रोन हमला किया। रूस ने दावा किया है कि इन हमलों में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक खेरसॉन प्रांत के एक होटल और कैफे में नए साल के जश्न के दौरान यह यूक्रेनी हमला हुआ। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस के नियंत्रण वाले दक्षिणी खेरसोन इलाके में यूक्रेन ने इस हमले को अंजाम दिया। रूसी सरकार की ओर से नियुक्त क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने यूक्रेन पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बनाता है।

जानबूझकर किया गया ड्रोन हमला', बोले खेरसॉन के गवर्नर : साल्डो ने कहा कि तीन यूक्रेनी ड्रोन ने तटीय गांव खोरली में नव वर्ष समारोह स्थल पर हमला किया। उन्होंने इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया हमला बताया। उन्होंने कहा कि कई लोग जिंदा जल गए। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि 24 लोग मारे गए हैं और 50 लोग घायल हुए हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमला पूर्व नियोजित था, जिसमें ड्रोन ने जानबूझकर उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां नागरिक नव वर्ष की पूर्व संध्या मनाने के लिए एकत्र हुए थे और हमले को युद्ध अपराध करार दिया।'

रूस ने की हमले की निंदा : रूसी अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन हमलों के बाद चारों और आग की लपटें और धुआं उठ रहा था। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक बयान में कहा कि इसके लिए पश्चिम में यूक्रेन के समर्थक ही जिम्मेदार हैं। रूस की संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने कीव की निंदा की। खेरसॉन यूक्रेन के उन चार इलाकों में से एक है जिन पर रूस ने 2022 में अपना दावा किया था। यूक्रेन के एक सैन्य प्रवक्ता ने गुरुवार को रूस के इंटरफैक्स समाचार को बताया कि वह केवल दुश्मन के सैन्य ठिकानों, ईंधन और ऊर्जा सुविधाओं और अन्य वैध लक्ष्यों पर हमला करता है।

जेन-जी मामले में पूर्व पीएम ओली से होगी पूछताछ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के तहत 8 और 9 सितंबर 2025 की घटनाओं की जांच कर रहे जांचबूझ आयोग ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी की है। आयोग उनके नाम औपचारिक पत्र जारी करने जा रहा है।

सिंहदरबार में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात के बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बातचीत में जांचबूझ आयोग के अध्यक्ष गौरीबहादुर कार्की ने बताया कि जेन-जी आंदोलन से जुड़े मामलों में ओली को बयान के लिए बुलाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। गौरीबहादुर कार्की ने कहा कि हम ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी में हैं। जब पत्रकारों ने पूछा कि यदि आयोग के बुलाने पर ओली उपस्थित नहीं होते तो क्या किया जाएगा, इस पर गौरी बहादुर कार्की ने कहा, अगर वह नहीं आए, तो उस समय की स्थिति के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल हम उन्हें पत्र भेज रहे हैं।

पूर्व गृह मंत्री लेखक पहले ही दर्ज करा चुके हैं बयान : कार्की के अनुसार, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक का बयान पहले ही दर्ज किया जा चुका है। बयान पूरा होने के बाद आयोग रमेश लेखक पर लगाए गए स्थान प्रतिबंध को हटाने की तैयारी में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आयोग को दी गई विस्तारित समय-सीमा के भीतर ही अपनी रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। मालूम हो कि गौरी बहादुर कार्की नेपाल के पूर्व न्यायाधीश हैं।

मुख्य सचिव व कई अधिकारियों से हुई है पूछताछ : बहादुर की अध्यक्षता में गठित आयोग ने विवरण संकलन के बाद जेनजी आंदोलन के तहत फील्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों से बयान लेना शुरू किया था। इस क्रम में तत्कालीन नेपाल सरकार के मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल, तत्कालीन गृह सचिव गोकर्णमणि दुवाडी, प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल, नेपाल पुलिस के आईजीपी दानबहादुर कार्की, तत्कालीन आईजीपी चंद्रकुबेर, सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी राजु अर्याल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के तत्कालीन प्रमुख हुतराज के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

सरकारी इमारत में तोड़फोड़ की, राजशाही वापस लाने की मांग, 3 लोग मारे गए

तेहरान, एजेंसी। ईरान में आर्थिक संकट और मंहगाई बढ़ने के कारण सरकार के खिलाफ पिछले 4 दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी है। दक्षिणी शहर फासा में प्रदर्शनकारियों ने एक सरकारी इमारत में घुसने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की। ईरानी न्यूज एजेंसी मीजान के अनुसार, प्रांतीय गवर्नर कार्यालय के मुख्य दरवाजे और शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए गए। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को दखल देना पड़ा, जिसके बाद 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 12 पुलिसकर्मी घायल हुए। राजधानी तेहरान के सादी स्ट्रीट और ग्रैंड बाजार इलाके में व्यापारियों और दुकानदारों ने प्रदर्शन किया। कई जगहों पर दुकानें बंद रहीं, जिससे कारोबार ठप हो गया। इसी दौरान ईरान की अर्धसैनिक बसीज फोर्स का 1 सैनिक और 2 अन्य युवाओं की मौत हुई है। इस घटना के बाद कई इलाकों में तनाव और बढ़ गया है।

ईरान में महंगाई से आम लोगों में नाराजगी बढ़ी : देशभर में जेन जेडआक्रोश में है। इसका कारण आर्थिक बदहाली रहा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर करीब 1.45 मिलियन प्रति अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। साल की शुरुआत से रियाल की कीमत लगभग आधी हो चुकी है। यहां महंगाई चरम पर पहुंच गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 72% और दवाओं की कीमतों में 50% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा सरकार द्वारा 2026 के बजट में 62% टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव ने आम लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी है।

राष्ट्रपति बोले- विदेशी ताकतें देश में फूट डाल रही : तेहरान में यूनिवर्सिटी और व्यावसायिक क्षेत्रों में शुरू हुए ये प्रदर्शन अब कई शहरों में फैल चुके हैं। कई जगहों पर बाजार बंद रहे और व्यापारी सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी कट्टरपंथी मौलानाओं के शासन के खात्मे और राजशाही वापस लाने की मांग कर रहे हैं। इन नारों में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई पर निशाना साधा जा रहा था। कुछ वीडियो में लोग निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी के समर्थन में नारे लगाते और उन्हें सत्ता सौंपने की मांग करते नजर आए। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने हालात संभालने के लिए मोर्चा संभाला है। उन्होंने इन प्रदर्शनों के लिए विदेशी हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया और देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें देश में फूट डालकर अपना फायदा निकालना चाहती हैं।

तेहरान से सैकड़ों किलोमीटर दूर तक प्रदर्शन : तेहरान से करीब 300 किलोमीटर दूर अजना शहर में सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिसमें लोगों को आग लगाते देखा जा रहा है और फायरिंग की आवाजें आती हैं। इसके अलावा शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाते हुए लोग दिखते हैं। ईरान की अर्ध सरकारी न्यूज एजेंसी स्नड्डह्ल्ह्य ने भी अपनी रिपोर्ट में तीन मौतों की बात लिखी है। ईरान के सुदूर इलाकों में इस बार ज्यादा गुस्सा दिख रहा है और इसी के चलते निपटना भी मुश्किल हो रहा है। कई प्रदर्शनकारियों ने तो सरकारी दफ्तरों पर भी धावा बोल दिया और पत्थरबाजी की है

इस्लामिक क्रांति के बाद खुमैनी ने ईरान में मौलाना शासन की नींव रखी : ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी सत्ता में आए। वे 1979 से 1989 तक 10 साल सुप्रीम लीडर रहे। उनके बाद सुप्रीम लीडर बने अयातुल्ला अली खामेनेई 1989 से अब तक 37 साल से सत्ता में हैं।

दुलहन कैसे करे बालों की देखभाल

- बालों की देखभाल शादी से दो-तीन महीने पहले विशेष तौर पर शुरू कर दें। बाल किसी भी प्रकार के हों उन्हें स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए हफ्ते में दो-तीन बार तेल मालिश जरूरी है। इसके लिए दो-तीन प्रकार के तेल मसलन-ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल और सरसों का तेल एक साथ हलका गुनगुना करके सिर का पंद्रह-बीस मिनट तक मसाज करें। फिर टॉवल से स्टीम लें। फिर शैंपू करके बालों की किस्म के हिसाब से हेयर पैक या हेयर मास्क लगाएं।
- तनाव और शॉपिंग की भागदौड के कारण बाल झडना और रूखे होना स्वाभाविक है। इसलिए बालों में हेयर सीरम लगाएं। यह डीप कंडीशनिंग का काम करता है। इसे शैंपू के बाद लगाएं। यह बालों को एक्स्ट्रा शीन व शाइन देता है।
- नियमित हेयर कट करवाएं। यानी हर छह हफ्ते में बालों की ट्रिमिंग जरूर कराएं।
- आपके खानपान का असर आपकी त्वचा के साथ-साथ आपके बालों पर भी पडता है। बालों को मजबूत बनाने के लिए आंतरिक रूप से स्वस्थ होना ज्यादा जरूरी है। इसलिए आहार में हरी सब्जियां, अंकुरित दालें, ताजे फल, दूध और दही बहुत जरूरी है।
- शादी वाले दिन बालों की स्टाइल बनाने के लिए माइल्ड और विटमिनयुक्त हेयर मूस, जेल या हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें।
- कलर्ड बालों के लिए पार्लर जाकर हेयर स्पा कंडीशनर ट्रीटमेंट करवाएं।

खमण पिजा केक

सामग्री: आधा पैकेट इंस्टेंट खमण मिक्स, आधा टीस्पून ऑरिगेनो, आधा टीस्पून चिली फ्लेक्स, 1 टीस्पून तेल, 1 टीस्पून तिल, 2 टीस्पून टोमैटो केचअप, 2 टीस्पून चिली गार्लिक सॉस, 2 टीस्पून टेबेस्को (एक तरह का सॉस), 2 टीस्पून पिजा मसाला, सजावट के लिए कटे प्याज, कटी शिमला मिर्च, मकई के दाने और आवश्यकतानुसार पानी।

विधि: खमण मिक्स में ऑरिगेनो, चिली फ्लेक्स और पानी को मिला लें। चिकनाई लगे बर्तन में अच्छी तरह भरें। 5 मिनट तक भाप में पकाएं। ठंडा होने दें। कड़ाही में तेल गर्म करें तिल डालें और इसे खमण केक पर फैला दें। अब केचअप, टेबेस्को और चिली सॉस को मिलाकर खमण केक पर फैला दें। कद्दूकस किया हुआ चीज,पिजा मसाला, कटी सरब्जियां और कॉर्न डालकर सजाएं। 250 डिग्री सें। पर 2 मिनट तक(चीज (पिघलने तक) बेक करें।

मेकअप के लिए जरूरी चीजें

आप खुद को दूसरों के समक्ष बेहतर पेश करना चाहती हैं तो मेकअप इसमें आप की मदद करेगा। मेकअप से आप के व्यक्तित्व को एक नई पहचान मिलती है।

ग्लैमरस, प्रिटी या नेचुरल जैसा भी आप दिखना चाहती हैं वैसा ही लुक आप सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग करके पा सकती हैं। सलीके से किए गए मेकअप से आप दूसरों को प्रभावित करने में भी कामयाब हो सकती हैं मगर इसके लिए जरूरी है मेकअप किट के प्रयोग की सही जानकारी होना। इससे मेकअप करने में समय भी कम लगेगा और सौंदर्य प्रसाधन भी चेहरे पर सही तरीके से लगेंगे।

मेकअप नहीं तो सुंदरता नहीं और सुंदर लगना, दिखना हर युवती की चाहत है। ऐसे में जरूरी सामान, जो हमेशा रहें आप के पास प्रस्तुत है उन की जानकारी:

काटन वूल- मेकअप को साफ करने के लिए इस का प्रयोग करें।

काटन बड्स- आंखों का मेकअप करते समय एवं साफ करने के लिए इन का प्रयोग करें।

ट्वीजर- आईब्रो को शेप देने के लिए इसका प्रयोग करें।

आईलैश कलर- बरौनियों को कर्ल करने के लिए।

मेकअप स्पंज- स्पंज का प्रयोग फाउंडेशन लगाने के लिए करें। इससे फाउंडेशन चेहरे पर एकसार लगेगा।

पाउडर एप्लीकेटर- लूज पाउडर लगाने के लिए साफ्ट पफ का इस्तेमाल करें। ब्रश के रूप में बड़े डोम शेप ब्रश कर प्रयोग करें।

आईशैडो ब्रश- एक बड़े ब्रश की मदद से आईशैडो को आसानीसे आंखों के पूरे हिस्से पर फैलाते हुए लगाया जा सकता है। एक मीडियम ब्रश जिस से आईशैडो को आईलिड पर लगाया जा सके। एक छोटा ब्रश, जो साकेट लाइन पर आईशैडो व हाईलाइटर को अच्छी तरह लगाएगा।

ब्रो ब्रश- टूइनवन इस ब्रश से न केवल आईब्रो को शेप दी जा सकती है बल्कि इस की कंघी से बरौनियों से अतिरिक्त मसकारा भी हटाया जा सकता है।

लैश सेपरेटर- इसका प्रयोग मसकारा लगाने के बाद करें। इससे आईलैशों को अलग-अलग किया जा सकता है। यह आइलैश को चिपकने से भी रोकता है।

लिपब्रश - लिपब्रश होंठों पर लिपस्टिक को सही तरीके से लगाने में मदद करता है। इससे लिपस्टिक लगाने पर होठों की शेप से बाहर नहीं फैलती और उस का शेड भी देर तक टिका रहता है।

छिलके बढ़ाते हैं सौंदर्य

छिलकों को प्राय: बेकार समझ कर फैंक दिया जाता है जबकि ये बड़े उपयोगी हैं। यहां छिलकों से संभव स्वास्थ्य व सौंदर्य उपचारों की चर्चा की जा रही है। ये सरल भी लगेंगे-

- अनार के छिलके को पीस कर पेस्ट सा बना लें और मुहांसों के दाग-धब्बों की शिकार त्वचा पर लगाएं। कुछ दिन नियमित करने से त्वचा साफ होने लगेगी।
- अनार के छिलके को पानी में उबाल कर कुल्ला करने से मुंह की दुर्गंध शांत हो जाती है। ध्यान रहे कि अनार पका होना चाहिए।
- नींबू के छिलकों को अंदर की ओर से कुहनियों पर रगड़ने से वहां की कालिमा साफ होने लगती है। यह प्रयोग गर्दन के पृष्ठभाग पर भी किया जा सकता है।
- नींबू के छिलकों को नाखूनों पर घिसने से मैल साफ होता है, नाखून मजबूत व चमकदार बनते हैं।
- कागजी नींबू के छिलकों को छाया में सुखा कर पीस लें। इस चूर्ण को मंजन की तरह दांतों पर मलें। दांत साफ होने के साथ-साथ मुंह की दुर्गंध भी मिटेगी।
- संतरे व नींबू के छिलकों के चूर्ण को दही में मिला कर उबटन करने से झाइयां व मुहांसे हटने लगते हैं।

पैरों को दे आराम सही जूतों का साथ

अकसर गलत नंबर के जूते पहनने से पांवों में छाले पड़ जाते हैं। परिणामस्वरूप चलने-फिरने में कठिनाई होती है। पैरों में थकान रहने का एक महत्वपूर्ण कारण जूतों का पांव में फिट न बैठना ही है। अतएव जूते खरीदते समय उन्हें हर तरह से चेक कर लें। कहीं दोनों में से एक पांव का जूता अलग नंबर का तो नहीं। हमेशा अपने नाप से एक नंबर बड़े जूते पहनें। इस से जूते काटेंगे नहीं। 'शू टेक्नालाजिस्ट' भी इस बात से सहमत हैं।

- हमेशा पांव पीछे कर के ही जूते पहनें।
- कभी भी नैरो टो का शू ना पहनें।इससे पांव दबेंगे।
- जूते पांवों को आराम पहुंचा रहे हैं, इसका भी ध्यान रखें।
- हर रोज एक जोड़ी जूते पहनने के बजाए बदल कर शू पहनें।
- पांवों से दुर्गंध न आए, इसके लिए जूते पहनने से पहले उन में पाउडर जरूर छिड़क लें।
- जूतों को हमेशा साफ व पालिश करके रखें। यदि उनमें लेस हैं तो उन्हें भी साफ कर के ही जूतों में लगाएं।
- हील वाले शूज में ध्यान रहे कि हील कहीं से उखड़ तो नहीं रही। यदि ऐसा है, तो उसे तुरंत ठीक कराएं, चलते वक्त हील उखड़ जाने से पांव में मोच आ सकती है।
- हील आप के पोस्चर को भी खराब करती है।
- मोजों को हर रोज बदलें।
- जूतों के साथ मोजे हमेशा पहनें, ये पांवों को धूल-मिट्टी से बचाते हैं, साथ ही पैरों में छाले पड़ने की संभावना भी कम हो जाती है।
- कभी भी फटे हुए मोजे न पहनें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

काकुरो पहेली - 1946

■	■	■	3\	16\	■	■	10\	17\	■
■	■	30\11			■	\11			■
■	17\16				■	3\12			■
\16			■	■	\3			7\	■
\14			29\	17\	\6				3\
■	\24				15\	■	10\5		
■	■	6\22				3\6			
■	3\11			\12				4\	■
\11				■	\6				■
\4			■	■	■	\3			■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

■	23\16	1	2	3	4	6
	6					
	8					
	9					

5 + 6 + 7+ 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7+ 8 + 9 = 34
5 + 7+ 8 + 9 = 29
6 + 7+ 8 + 9 = 30

काकुरो - 1945 का हल

■	4\	7\	■	■	■	■	■	■	■
\3	1	2	10\	■	9\	30\	■	8\	4\
\6	3	1	2	\17	8	9	\3	2	1
■	\7	4	3	19\7	1	6	23\8	5	3
■	■	12\3	1	2	\14	7	6	1	■
■	17\15	3	4	8	3\17	8	9	10\	4\
\11	9	2	23\11	9	2	5\12	8	1	3
\24	8	7	9	16\4	1	3	3\3	2	1
■	■	\13	6	7	\7	2	1	4	■
■	■	\17	8	9	■	\5	2	3	■

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 1946

1		■	2	3		4	■	5	■
	■	6			■	7			
8	9	■	10		■		■		■
■	11	12		■	13	■	14	■	15
16			■	17					
	■	18	19			■		■	
20		■		■	21		■	22	
	■	23		■		■	24		■
■	25	■		■	26	27	■	28	29
30					■	31		■	

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1947

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	रा	■
र	■	ड़ो	■	क्ष	त्रि	य	■	ही	रा
वाँ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	खी
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	रा	स	त

सूडोकु -1946

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1945 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 1946

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोडा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली - 1945 का हल

■	व	र	दा	न	■	म	क	स	द	■
म	■	■	न	■	अ	■	ल	■	■	नि
न	■	व्य	व	हा	र	कु	श	ल	■	य
मा	न	व	■	■	दा	■	■	कि	म	त
नी	■	था	■	आ	स	न	■	र	न	■
■	र	■	हा	रा	■	ह	त्या	■	का	■
■	क	वि	■	म	क	र	■	क	■	रा
ह	म	ला	■	■	ल	■	■	म	वे	शी
वे	■	प	र	व	र	दि	गा	र	■	फ
ली	■	■	स	■	व	■	य	■	■	ल
■	र	ह	म	त	■	घ	ब	रा	ना	■

लाल किला विस्फोट : एनआईए ने शोपियां और पुलवामा में चलाया तलाशी अभियान

एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों में दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए बम विस्फोट की जांच के तहत तलाशी अभियान चलाया है। एनआईए के अधिकारियों ने पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से आरोपितों में से एक यासिर अहमद डार को तलाशी अभियान में शामिल किया। अहमद को 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल के संबंध में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान दक्षिण कश्मीर के शोपियां के पदपावां इलाके और पुलवामा के पंपोर इलाके में जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यह तलाशी अभियान मामले के नौवें आरोपी डार की सूचना पर चलाया गया, जिसने जांचकर्ताओं को इन इलाकों में कुछ गुप्त ठिकानों के बारे में बताया था। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को मिली जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मामले में विगत पांच माह से जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को आज उच्च न्यायालय बिलासपुर ने जमानत दे दी। चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम (मनी लॉन्ड्रिंग) की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया था। उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधीश अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच ने यह निर्णय सुनाया है। फिलहाल, उन्हें ईओडब्ल्यू और ईडी मामले में जमानत मिली है। अन्य मामलों में जांच जारी है। उनकी जमानत याचिका पर बहस पूरी होने के बाद उच्च न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा था। अदालत ने आज चैतन्य बघेल की जमानत को लेकर आदेश जारी कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि छत्तीसगढ़ उच्च ने न्यायालय ने चैतन्य को शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दी है। वे लगभग 168 दिनों के बाद जेल से रिहा होंगे।

सीर गोवर्धनपुर में 24 करोड़ से बनेगा भव्य म्यूजियम, जन-जन तक पहुंचेंगे संत शिरोमणि के विचार

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर में एक भव्य और अत्याधुनिक म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है। करीब 24 करोड़ रुपये की लागत से यह हाईटेक म्यूजियम लगभग 4 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बन रहा है। म्यूजियम न सिर्फ आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक संत रविदास के विचारों के साथ ही उनके आदर्श समाज 'बेगमपुरा' का सजीव अनुभव भी कराएगा। म्यूजियम में 15वीं शताब्दी का एंबियंस तैयार किया जाएगा, जहां उस दौर की वस्तुएं, वेशभूषा, परिवेश और संगीत के माध्यम से संत रविदास के कालखंड को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यहां ऑडियो-विजुअल तकनीक के जरिए संत रविदास के वचन, पद और वाणी को सुना और महसूस किया जा सकेगा। श्रद्धालु और पर्यटक यह जान सकेंगे कि किस तरह संत रविदास ने सामाजिक समानता, मानवता और प्रेम का संदेश दिया। संत रविदास जयंती से पहले इस म्यूजियम के निर्माण को लेकर सरकार की ओर से मिले इस बड़े तोहफे से रैदासी समाज में खासा उत्साह और खुशी का माहौल है। माना जा रहा है कि यह म्यूजियम न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षणिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। वाराणसी रविदास मंदिर के प्रबंधक रणवीर सिंह ने बताया कि संत रविदास की जन्मस्थली पर देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। म्यूजियम के निर्माण के बाद यहां आने वाले लोग संत रविदास के जीवन, संघर्ष और उनकी शिक्षाओं को गहराई से जान सकेंगे। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी उनके विचारों से प्रेरणा मिलेगी।

'राहुल गांधी असल में लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा हैं', कर्नाटक सरकार के सर्वे के बाद शहजाद पूनावाला ने निशाना साधा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ईवीएम को लेकर कर्नाटक सरकार के सर्वे के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी 'लीडर ऑफ अपोजिशन नहीं, बल्कि लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा बन गए हैं।' कर्नाटक सरकार के हालिया सर्वे में लगभग 83 प्रतिशत नागरिकों ने ईवीएम पर भरोसा जताया है। इसके बाद भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'राहुल गांधी इन मुद्दों (ईवीएम और वोट चोरी) पर मजाक का पात्र बन गए हैं। वह चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों के खिलाफ विदेश में भी बोलते हैं। जब चुनाव हार जाते हैं, तो वह ईवीएम पर आरोप लगाते हैं। उनकी अपनी सरकार ने ही उनके दावों की सच्चाई बताई है।' समाचार एजेंसी बातचीत में पूनावाला ने कहा, 'कर्नाटक सरकार की ओर से प्रकाशित सर्वे में लगभग 83 प्रतिशत लोगों ने माना है कि ईवीएम ठीक से काम कर रही है और चुनाव आयोग स्वतंत्र व निष्पक्ष है।' उन्होंने पूछा कि अपनी हार का ठीकरा कब तक दूसरे के सिर पर फोड़ा जाएगा। भाजपा प्रवक्ता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि धूल चेहरे पर थी और कांग्रेस सिर्फ आईना साफ करती रही। उन्होंने कहा, 'उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले उनका (राहुल गांधी) फैक्ट चेक कर चुके हैं। 95 चुनाव हराकर जनता ने भी राहुल गांधी को जवाब दिया। हरियाणा से महाराष्ट्र तक कांग्रेस के साथियों ने खुद बोला कि 'वोट चोरी' के कारण नहीं 'टिकट चोरी' के कारण हार मिली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की पंचायती राज विभाग की समीक्षा

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को उत्सव भवन के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर तभी बन सकता है जब हमारी ग्राम पंचायतें भी आत्मनिर्भर बनें। अतः ग्राम पंचायतों की आय को बढ़ाने के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री जी ने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्यमंत्री जी को अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण का 9.67 लाख निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, इसके सापेक्ष अब तक 4.79 लाख शौचालय निर्मित हो

चुके हैं। इसी के साथ उत्तर प्रदेश पूरे देश में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में पहले स्थान पर है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में देश में निर्मित कुल 17.26 लाख शौचालयों में से 28 प्रतिशत अकेले उत्तर प्रदेश में निर्मित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 282 प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई के निर्माण का लक्ष्य दिया गया था जिसके सापेक्ष 103 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन इकाइयों से 304 विकास खंड और नगरीय एमआरएफ से 515 विकास खंड आच्छादित हैं। वहीं, 132 इकाइयां निर्माणाधीन हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के समक्ष जिला पंचायतों द्वारा राजस्व वसूली का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में जिला पंचायतों द्वारा 334.10 करोड़ की राजस्व वसूली प्राप्त हुई थी जो लक्ष्य के सापेक्ष 81.23 प्रतिशत थी। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष में नवंबर माह तक 271.48 करोड़ के राजस्व की वसूली हुई है जो लक्ष्य के सापेक्ष 140.89 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री जी ने विभागीय अधिकारियों की इस उपलब्धि के लिये सराहना की। साथ ही राजस्व वसूली के कार्यों में तेजी लाने का भी उन्होंने निर्देश दिया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये कि उत्सव भवन का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर मांगलिक कार्यक्रम के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य दिनों में उत्सव भवन का उपयोग योग/वेलनेस के लिए किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये कि सहालग के दौरान कई मांगलिक कार्यक्रम होने पर समय तय कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को उत्सव भवन का लाभ दें।

बंगाल स्कूल नौकरी घोटाला : ईडी ने मंत्री की 10 संपत्तियां जब्त की

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल नौकरी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने राज्य सरकार के एक मंत्री की संपत्तियों पर बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय एजेंसी ने मंत्री के साथ उनकी पत्नी और बेटे के नाम दर्ज कुल 10 संपत्तियों को जब्त किया है, जिनकी कुल बाजार कीमत करीब 3.60 करोड़ रुपये आंकी गई है।ईडी से जुड़े सूत्रों के अनुसार संपत्तियों का मूल्यांकन उस समय की कीमत के आधार पर किया गया है, जब इनका पंजीकरण हुआ था। हालांकि मौजूदा बाजार में इन संपत्तियों की कीमत लगभग दोगुनी बताई जा रही है। केंद्रीय एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि मंत्री इन संपत्तियों को खरीदने के लिए इस्तेमाल की गई रकम के वैध स्रोत का ठोस प्रमाण नहीं दे पाए, तो इन्हें नीलामी के जरिए बेचा जाएगा। ईडी पहले ही स्कूल नौकरी घोटाले में दाखिल आरोप पत्र में उन्हें आरोपित बना चुकी है। आरोप है कि मंत्री ने प्राथमिक स्कूलों में नौकरी दिलाने के नाम पर अयोग्य उम्मीदवारों से करीब 12.75 करोड़ रुपये वसूले थे। ईडी के आरोप पत्र में यह भी दावा किया गया है कि मंत्री ने कुल 159 अयोग्य उम्मीदवारों की सिफारिश की थी और औसतन हर उम्मीदवार से करीब आठ लाख रुपये लिए गए थे। एजेंसी का कहना है कि मामले में मंत्री से और पूछताछ की जरूरत है, इसी वजह से उन्हें हिरासत में लेने की आवश्यकता बताई जा रही है।गौरतलब है कि अगस्त 2025 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने इस मामले में ईडी द्वारा दाखिल आरोप पत्र को मंजूरी दी थी।

भारत की विकास अवधारणा आत्म केंद्रित नहीं, समाज केंद्रित रही है: डॉ. कृष्ण गोपाल

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं है। वास्तविक विकास वही है, जिसमें मनुष्य, समाज, परिवार और प्रकृति का संतुलित उत्थान हो। उन्होंने कहा कि भारत की विकास अवधारणा आत्म केंद्रित नहीं बल्कि समाज केंद्रित रही है और आज के वैश्विक परिदृश्य में यही दृष्टि सबसे अधिक प्रासंगिक है।

डॉ. कृष्ण गोपाल पाथेय कण संस्थान में आयोजित पूज्य रज्जु भैया स्मृति व्याख्यानमाला में 'स्व' का बोध और विकास की अवधारणा विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के लिए 'स्व का बोध' अत्यंत आवश्यक है। जब तक यह स्पष्ट नहीं होगा कि हमारे पूर्वज कौन थे, हमारी संस्कृति, भाषा और साहित्य क्या है तथा जीवन और जगत को देखने की हमारी दृष्टि क्या रही है, तब तक विकास की दिशा सही नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि भारत में जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का एक स्थायी उद्देश्य है, जिसे हमारी परंपरा ने निर्धारित किया है। यह उद्देश्य केवल व्यक्तिगत

उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मिक साधना के साथ पूरे समाज और सृष्टि के हित से जुड़ा हुआ है। भारत की परंपरा में भौतिक और आध्यात्मिक दोनों का समन्वित विकास रहा है और यही इसकी हजारों वर्षों पुरानी पहचान है।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही वैभव सम्पन्न रहा है लेकिन उस वैभव का आधार केवल धन नहीं था। शिक्षा, ज्ञान, सामाजिक व्यवस्था, नैतिकता और सांस्कृतिक मूल्यों ने भारत को समृद्ध बनाया। उन्होंने कहा कि यह धारणा गलत है कि भारत हमेशा से गरीब रहा है; वास्तविकता यह है कि भारत ने लंबे समय तक वैश्विक आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने वर्तमान विकास मॉडल पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गरीबी आज भी देश के लिए एक गंभीर और चिंता जनक समस्या बनी हुई है। आर्थिक प्रगति के बावजूद समाज का बड़ा वर्ग सीमित आय और संसाधनों में जीवन यापन कर रहा है। विकास का लाभ कुछ गिने-चुने शहरों और क्षेत्रों तक सीमित होना गंभीर असंतुलन की ओर संकेत करता है। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि केंद्रीकृत विकास मॉडल भारत जैसे देश के लिए उपयुक्त नहीं है। विज्ञान और तकनीक पर आधारित यह मॉडल संसाधनों और अवसरों को सीमित केंद्रों में समेट देता है, जिससे बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक असंतोष बढ़ता है।

मतदाता नामांकन में गड़बड़ी पर चुनाव आयोग की सख्त कार्रवाई, बंगाल के चार चुनाव अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता नामांकन में कथित अनियमितताओं के मामले में चुनाव आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय को निर्देश दिया है कि दो विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े चार चुनाव अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।

जिन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, उनमें दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी देवोत्तम दत्त चौधरी और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी तथागत मंडल शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व मेदिनीपुर जिले के मोयना विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी बिप्लब सरकार और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी सुदीप्त दास के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज करने को कहा गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली स्थित चुनाव आयोग मुख्यालय से यह निर्देश भेजा गया है। इसकी जानकारी पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के कार्यालय के साथ-साथ दक्षिण 24 परगना और

पूर्व मेदिनीपुर के जिलाधिकारियों को भी दे दी गई है, जो जिला निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यह ताजा निर्देश पिछले साल अगस्त में जारी आदेश के बाद आया है, जब चुनाव आयोग ने इन 4 अधिकारियों को निलंबित करने और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का निर्देश दिया था। हालांकि राज्य सरकार ने उस आदेश को आंशिक रूप से ही लागू किया था। चारों अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। इस मामले से जुड़े एक संविदा पर कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर को भी उस समय सेवा से हटा दिया गया था। इन अधिकारियों पर मतदाता सूची में हेरफेर करने का आरोप है। इसी आधार पर चुनाव आयोग ने सभी संबंधित लोगों के निलंबन और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का आदेश दिया था। उस समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयोग के निर्देश की आलोचना करते हुए कहा था कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी का बंधुआ मजदूर की तरह काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार अपने कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगी।

भारतीय संगीत आध्यात्म का ही एक रूप है : सयूमी तकोनो

एजेंसरी

धमतरी। भारत वह देश है जहां सह-अस्तित्व केवल विचार नहीं बल्कि व्यवहार में दिखाई देता है। इस भावना को यहां आकर प्रत्यक्ष रूप से महसूस किया जा सकता है। यह कहना है जापान से भारत आयीं अंतरराष्ट्रीय पियानो कलाकार सयूमी तकोनो का। यूरोपियन क्लासिकल म्यूजिक की प्रतिष्ठित कलाकार सयूमी इन दिनों पंडित जगन्नाथ राव महाजन की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय 'लययात्रा' संगीत समारोह में हिस्सा लेने धमतरी पहुंची हैं।

इस अवसर पर उन्होंने प्रसिद्ध तबला वादक तानसेन श्रीवास्तव के साथ स्थानीय हरदिहा साहू समाज भवन में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति दी। धमतरी में उनकी उपस्थिति और प्रस्तुति ने संगीत प्रेमियों को भारतीय और विश्व संगीत के आध्यात्मिक संगम का अनूठा अनुभव कराया। संगीत और संस्कृति पर बातचीत करते हुए सयूमी ने कहा कि वह जापान की रहने वाली हैं और भारत आकर उन्हें यहां के लोगों की खुली सोच और सहज व्यवहार ने बहुत

प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि जहां जापान के लोग स्वभाव से थोड़े संकोची होते हैं, वहीं भारत में लोग बेझिझक अपनी भावनाएं और विचार व्यक्त करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से दोनों देशों की मान्यताएं और मानसिकता काफी हद तक एक जैसी हैं। भारतीय संगीत पर अपनी राय रखते हुए सयूमी ने कहा कि भारतीय संगीत आध्यात्म का ही एक हिस्सा है। यहां संगीत पूरी तरह कलाकार की सोच, भावनाओं और स्वभाव पर निर्भर करता है। किसी राग को कलाकार किस तरह बरतता है, यही उसकी आत्मा को दर्शाता है। उन्होंने भारतीय और यूरोपियन संगीत की तुलना करते हुए बताया कि यूरोपियन संगीत अधिकतर स्क्रिप्टेड होता है, जहां महान संगीतकारों की रचनाओं को जस का तस प्रस्तुत करने की परंपरा है। वहीं भारतीय संगीत में भले ही बंदिश या गत पुरानी हो, लेकिन उसका ट्रीटमेंट पूरी तरह कलाकार की कल्पना और सृजनशीलता पर निर्भर करता है। सयूमी तकोनो ने एक म्यूज़िक कालेज के पियानो विभाग से ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद उन्होंने स्टेज और लाइव शोज़ में लगातार परफार्म किया। संगीत के विविध क्षेत्रों में अनुभव रखते हुए उन्होंने 10 वर्षों तक बैले पियानिस्ट और पांच वर्षों तक म्यूज़िक थेरेपी पियानिस्ट के रूप में भी काम किया है। वर्तमान में वह कंपोज़िशन और अरेंजमेंट सर्विसेज, इंस्ट्रूमेंट-मेकिंग वर्कशॉप, साउंड और रिदम वर्कशॉप के माध्यम से संगीत का प्रशिक्षण दे रही हैं। साथ ही विभिन्न जॉनर के कंपोज़र और आर्टिस्ट के साथ मिलकर सेशन परफॉर्मेंस भी कर रही हैं। शुरुआती संगीत, कंटेंपररी म्यूज़िक, इम्प्रोवाइजेशन, वर्ल्ड म्यूज़िक और एम्बिएंट साउंड्स में उन्हें विशेष दक्षता हासिल है।सयूमी कई प्रसिद्ध म्यूज़िक ग्रुप्स की सदस्य हैं, जिनमें लूना क्रेसेंटे, ओटो नीवा, गान गान टू नेवा और ओंगाकुशित्सु डुओ शामिल हैं। उन्होंने एक सीडी भी रिलीज़ की है। वर्ष 2015 में उन्होंने सयूमी नाम से सोलो आर्टिस्ट के रूप में डेब्यू किया और आईट्यून्स पर अपना गीत 'शिनरेकी' रिलीज़ किया। पियानो के अलावा वह जा हार्प, सिंथेसाइज़र, हाथ से बने वाद्ययंत्र, परकशन, फ्लूट और मेलोडिका जैसे कई वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं।

जी राम जी योजना को लेकर भाजपा की बड़ी बैठक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली।विकसित भारत, गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), यानी 'जी राम जी' योजना को लेकर सियासत गरमा गई है। जहां इसके खिलाफ कांग्रेस पांच जनवरी से अभियान चलाने जा रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने भी रणनीति बना ली है। इसी के तहत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है। इस अहम बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन, कृषि मंत्री शिवराज सिंह भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक का मकसद रणनीति तैयार करना है, जिसके तहत लोगों तक जी राम जी के लाभ को पहुंचाना है और विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करना है। सूत्रों के अनुसार जेपी नड्डा यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करेंगे। माना जा रहा है कि भाजपा आने वाले दिनों में देशभर में अभियान चलाने की योजना बनाई है। इस अभियान के तहत मनरेगा में व्याप्त भ्रष्टाचार और ख़ामियों को

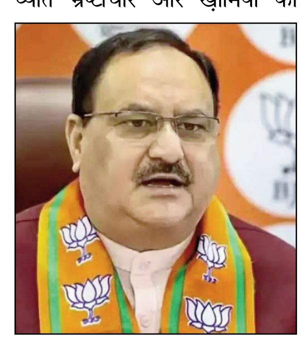

लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ भाजपा जी राम जी लाने के फायदे गिनवाएगी। इस अभियान में केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता भी हिस्सा लेंगे।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होगा उत्तर प्रदेश दिवस 2026 का मुख्य आयोजन: मुख्यमंत्री

एजेंसरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस (24 से 26 जनवरी) की तैयारियों के संबंध में बैठक की। उन्होंने निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य आयोजन इस वर्ष लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर किया जाए। नोएडा शिल्पग्राम गौतमबुद्ध नगर समेत इसका आयोजन सभी जनपदों, देश के अन्य राज्यों व उन देशों में भी भव्य रूप से हो, जहां बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के निवासी रहते हैं। साथ ही इन आयोजनों में सरदार वल्लभ भाई पटेल, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, वंदे मातरम्, आनंद मठ से जुड़ी नाट्य प्रस्तुतियों समेत अन्य कार्यक्रम किए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने 12 जनवरी को युवा दिवस, 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस, 25 जनवरी राष्ट्रीय पर्यटन दिवस/मतदाता जागरूकता दिवस व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश दिवस को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस पर ब्लॉक, नगर व जनपद स्तर पर गायन, वादन, नृत्य, नाट्य

प्रतियोगिताएं कराई जाएं। यहां प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को मंडल स्तर पर मौका दिया जाए, फिर यहां तीन स्थान प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट कलाकारों को लखनऊ में होने वाले मुख्य समारोह में प्रस्तुति का अवसर दें और उन्हें पुरस्कृत करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान, ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, माटी कला बोर्ड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, चिकित्सकों, प्रगतिशील किसानों व वैज्ञानिकों का सम्मान किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि जनपदों में होने वाले कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों, कवियों आदि को अवसर दें। इन प्रतिभाओं को मंच देने से वे प्रोत्साहित होंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर जनपद में मंत्रियों, निगम/बोर्ड के चेयरमैन, जनप्रतिनिधियों आदि को आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि सभी विभागों के समन्वय के साथ ही भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी जैसे संस्थानों को उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इससे यह आयोजन काफी भव्य और रोचक होगा। मुख्यमंत्री जी ने कलाकारों द्वारा पुराने वाद्ययंत्रों के प्रयोग पर भी जोर दिया।

'पश्चिम बंगाल में जंगलराज और वोट की डकैती', गौरव भाटिया ने ममता सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के तत्वावधान में जंगलराज फल-फूल रहा है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, 'कल्पना कीजिए एक ऐसे मुख्यमंत्री की जिसने संविधान को बनाए रखने की शपथ ली है। लेकिन संविधान की रक्षा करने के बजाय, ममता बनर्जी भारत के गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देती हैं, यह कहते हुए कि अगर वह चाहतीं, तो अमित शाह पश्चिम बंगाल में कदम भी नहीं रख पाते। वह न सिर्फ संविधान के अनुच्छेद 19 की भावना का उल्लंघन कर रही हैं, बल्कि वह खुलेआम भारत के गृह मंत्री को धमकी भी दे रही हैं।' उन्होंने कहा, 'सोचिए, संविधान की मूल भावना, अनुच्छेद 19 कहता है कि हर नागरिक स्वतंत्र है, पूरे भारत में कहीं भी जा सकता है।

खनन क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधारों से मध्य प्रदेश बना देश में अग्रणी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार ने खनन एवं खनिज क्षेत्र में जो व्यापक और दूरदर्शी सुधार किये हैं, उनका लाभ लेकर मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि खान एवं खनिज विकास (एमएमडीआर) संशोधन अधिनियम, 2025 और इससे जुड़े नियमों में किए गए बदलावों से खनिज अन्वेषण, नीलामी, निवेश और स्थानीय विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि वर्ष-2025 में मध्य प्रदेश 32 खनिज ब्लॉकों की नीलामी करा कर देश में अव्वल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बयान में कहा कि केन्द्र सरकार के संशोधित कानून के तहत राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास का विस्तार कर राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण एवं विकास न्यास (एनएमईडीटी) बनाया गया है। इससे खनिज अन्वेषण एवं विकास के लिए संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे और मध्य प्रदेश जैसे खनिज-समृद्ध राज्य में वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार आधारित खनन

को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में किए गए ये सुधार मध्य प्रदेश को आत्मनिर्भर, औद्योगिक रूप से सशक्त और विकसित राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खनिज नीलामी में मध्य प्रदेश देश में अग्रणी

मुख्यमंत्री ने बताया कि खनिज नीलामी में वर्ष 2025 में देशभर में नीलाम किए गए 141 खनिज ब्लॉकों में से 32खनिज ब्लॉकों की नीलामी मध्य प्रदेश में हुई, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की पारदर्शी नीतियों, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और निवेश-अनुकूल वातावरण का प्रमाण है। चूना पत्थर, लौह अयस्क और बॉक्साइट जैसे प्रमुख खनिजों की नीलामी से सीमेंट, स्टील और संबद्ध उद्योगों को मजबूती मिली है।

जिला खनिज फाउंडेशन से खनन प्रभावित क्षेत्रों का कायाकल्प

उन्होंने बताया कि देशभर में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के अंतर्गत अब तक 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की गई है। देश में मध्य प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। इस निधि से प्रदेश के खनन प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक जनकल्याण कार्य किए जा रहे हैं। डीएमएफ निधि से प्रदेश के खनन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, स्कूलों और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना, पेयजल एवं स्वच्छता, सड़क एवं अन्य आधारभूत संरचना तथा आजीविका संवर्धन से जुड़े हजारों कार्य किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमम) के माध्यम से महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इस मिशन से मध्यप्रदेश में अन्वेषण, खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और अनुसंधान के क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह मिशन इलेक्ट्रिक वाहन, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत विनिर्माण जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

धर्म नगरी काशी के पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, वर्ष 2025 में पहुंचे 7 करोड़ 26 लाख श्रद्धालु

एजेंसी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन ने वाराणसी को न केवल आध्यात्मिक नगरी के रूप में पुनर्स्थापित किया है बल्कि वैश्विक पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के साथ गंगा घाटों, प्राचीन मंदिरों, सड़कों और चौराहों का जिस तरह से सौंदर्यीकरण और पर्यटन सुविधाओं का व्यापक विकास हुआ है, इसका प्रमाण वर्ष 2025 में दिखा। बीते वर्ष रिकार्ड 7 करोड़ 26 लाख से अधिक पर्यटकों ने श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन किये। इसमें महाकुम्भ के पलट प्रवाह और महाशिवरात्रि के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सर्वाधिक रही। वहीं, नये साल का जश्न मनाने भी लाखों की संख्या में युवा काशी पहुंचे।

वर्ष 2025 में काशी पहुंचे रिकार्ड संख्या में पर्यटकवाराणसी में भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण और गंगाघाटों, मंदिरों के जीर्णोद्धार के बाद काशी आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पर्यटन विभाग के अनुसार पिछले वर्ष 2025 में काशी में 7,26,76,780 पर्यटकों ने काशी के मनोरम घाटों और मंदिरों का दर्शन किया। इस आंकड़े में प्रयागराज महाकुंभ के 'पलट प्रवाह' के दौरान आए 2 करोड़ 87 लाख श्रद्धालुओं की संख्या भी शामिल हैं, जिन्होंने महाकुम्भ में त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान के बाद काशी विश्वनाथ के भी दर्शन किये। साथ ही महाशिवरात्रि पर्व और पवित्र सावन माह में काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने वालों की संख्या सर्वाधिक रही, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन कमेटी और काशी प्रशासन ने विशेष इंतजाम किये थे। नए साल का जश्न मानाने 30 लाख से अधिक युवा पहुंचे काशी प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में उठी सांस्कृतिक पुनर्जागरण की लहर ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी में धार्मिक स्थलों और तीर्थों के प्रति श्रद्धा में भी बढ़ोतरी की है। इसका जीवंत प्रमाण हमें नये साल के जश्न के अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा घाटों पर उमड़ी अपार भीड़ के रूप में देखने को मिला। जहां 24 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 के दौरान 30,75,769 श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ के दर्शन किए। इस संबंध में काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि सनातन संस्कृति उत्सव, उत्साह एवं उल्लास की आश्रयस्थली है। विश्व के समस्त उत्सव सनातन मान्यता में उत्कर्ष प्राप्त करते हैं। उत्सवों में प्रायः लोक तात्कालिक सत्ता के आचरण को प्रतिबिंबित करता है।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित,शुभमन करेंगे कप्तानी

–श्रेयस को उपकप्तान बनाया गया , सिराज की टीम में वापसी

–बुमराह और हार्दिक को आराम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम की कप्तानी बल्लेबाज शुभमन गिल करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर को उप्कप्तान बनाया गया है। बोर्ड ने हालांकि कहा कि श्रेयस के खेलने पर अंतिम फैसला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की फिटनेस रिपोर्ट के बाद लिया जाएगा। इस साल की इस पहली सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी टीम में बनाये रखा गया है। रोहित और विराट ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे दोनो पर चयनसमिति का भरोसा बना हुआ है। वहीं टीम में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज जसप्रीत बुमराह को शामिल नहीं करते हुए आराम दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मी सिराज की वापसी हुई है।

सिराज ने पिछले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए आराम दिया गया था। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। सिराज के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में जगह मिली है। स्पिनर के तौर पर चाइनामैच कुलदीप यादव को रखा गया है। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और भी रहेंगे जो कुलदीप की स्पिन गेंदबाजी में सहायता करेंगे। टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी अवसर दिया गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इस बार भी उपेक्षा हुई है।

एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इसका पहला मैच वडोदरा में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को राजकोट में होगा जबकि तीसरे मुकाबले में 18 जनवरी को दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलती नजर आएंगी।

टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल।

वैभव अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी बने

–पाक के अहमद शहजाद को पीछे छोड़ा

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंडर-19 यूथ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मुकाबले में उतरने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। 14 साल के वैभव अब किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम था। शहजाद ने 15 साल 141 दिन की उम्र में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। यह पहली बार था जब वैभव ने किसी भी स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की है। वैभव हालांकि इस मैच में अपने बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाये और 12 गेंदों में केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। वैभव का बल्ला भले ही न चला हो, लेकिन मैच में उतरते ही वैभव ने इतिहास रच दिया।

वैभव को नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे के चोटिल होकर बाहर होने के बाद कप्तानी सौंपी गई गयी थी। आयुष के 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप से टीम में वापसी की उम्मीद है। अब वैभव 16 साल की उम्र से पहले किसी भी अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का वह रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2007 से कायम था।

वहीं वैभव अब उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेहद कम उम्र में कप्तानी की है। इस सूची में मेहदी हसन मिराज, फरहान जाखिल, एम्बिशस मुदुमा और साद बैग जैसे नाम शामिल हैं। दुनिया भर में अब तक केवल पांच खिलाड़ियों ने ही 16 साल से पहले यूथ अंतरराष्ट्रीय में अपनी टीम की कप्तानी की है।

जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, रजा होंगे कप्तान

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को भी शामिल किया गया है। विश्वकप के लिए जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खेली गयी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बेनेट का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 49, 49 और 47 रन बनाये थे इसका भी उन्हें चयन में लाभ मिला है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम एक शतक और नौ अर्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 52 मैचों में 145 से अधिक रहा है वहीं टीम में तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा के अलावा स्पिनर ग्रीम क्रेमर रहेंगे। स्पिनर ग्रीम क्रेमर की सात साल के बाद टीम में वापसी हुई है। ब्रेंडन टेलर भी टीम में शामिली हैं। जिम्बाब्वे को विश्वकप के लिए ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है।

टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैडली इवांस, क्लाइव मैडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, ब्रेंडन टेलर।

विराट की नजर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन रिकार्डों पर रहेंगी

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसकों को उनसे इस साल भी आईपील के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर कई रिकार्ड अपने नाम करने की उम्मीद है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीबी) की ओर से खेलते हुए विराट के पास इस बार आईपीएल में अपने 300 छक्के पूरे करने का अवसर है। आईपीएल में अभी उनके नाम 291 छक्के दर्ज हैं और ऐसे में उन्हें 300 छक्कों तक पहुंचने के लिए केवल 9 छक्के चाहिये। इसी के साथ ही वह क्रिस गेल और रोहित शर्मा की तरह 300 छक्के लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं विराट को आईपीएल में अपने 9000 रनों को पूरा करने के लिए सिर्फ 339 रनों की जरूरत है। उन्होंने अभी तक 259 पारियों में 8,661 रन बनाये हैं और 9,000 रन पूरे करने के लिए उन्हें केवल 339 रनों की जरूरत है। इस आंकड़े तक पहुंचते ही वह आईपीएल इतिहास में इस 9000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज़ बन जाएंगे। विराट आईपीएल में शुरुआत से ही आरसीबी से खेलते आये हैं। वहीं उनके अभी आईपीएल में 145 अर्धशतक हैं । ऐसे में उन्हें 150 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल 5 और अर्धशतक चाहियेहै। अगर विराट इसमें सफल रहते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के बाद इतने अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।एकदिवसीय प्रारुप की बात अभी विराट के नाम 296 पारियों में 14,557 रन हैं। ऐसे में 15,000 रन पूरे करने के लिए उन्हें 443 रनों की और जरूरत है। उनके फार्म देखते हुए ये तय है कि वह ये रन बना लेंगे। ऐसा करते ही वह 15000 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जायेंगे। अभी ये रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है।

तबियन खराब होने के कारण शुभमन विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले में नहीं उतरे

जयपुर ।स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी में यहां पंजाब और सिक्किम के बीच हुए मैच में खेलने की उम्मीदें जतायी जा रहीं थीं पर तबियत ठीक नहीं होने के कारण वह नहीं उतर पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को फूड पॉइजनिंग हुई है, इस कारण उन्हें मेडिकल टीम ने आराम करने को कहा है ।न्यूजीलैड के खिलाफ होने वाली सीरीज को देखते हुए भी प्रबंधन उनको लेकर जोखिम नहीं लेना चाहता है ।वह सीरीज से पहले लय हासिल करने के लिए इस मैच में उतरे रहे थे ।पंजाब और सिक्किम के बीच इस मैच में दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं दी गयी है ।जयपुरिया विद्यालय के अंदर बने मैदान में दर्शकों के बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है । हालांकि, खिलाड़ियों के चेंजिंग रूम के ऊपर एक छोटी गैलरी है पर यह केवल भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रतिनिधियों, स्कूल और एकेडमी के छात्रों के लिए है ।मैच का टीवी पर प्रसारण नहीं हो रहा और ना ही लाइव स्ट्रीम उपलब्ध है ।वहीं कई स्टार क्रिकेटरों की उपस्थिति से विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट की रौनक बढ़ गयी है ।इस ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली से लेकर रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और अभिषेक शर्मा शामिल हैं ।बीसीसीआई ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया है ।इसी कारण एक दशक से अधिक समय के बाद रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी इसमें खेलते दिख रहे हैं ।

आईसीसी टूर्नामेंट की बढ़ती संख्या और बेमेल मुकाबलों से खेल का रोमांच घट रहा : अश्विन

चेन्नई (ईएमएस) ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि टूर्नामेंटों की बढ़ती संख्या और एकदरफा मैचों से खेल का रोमांच कम हो रहा है ।साथ ही कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में कोई मैच देखने नहीं आयेगा ।अश्विन के अनुसार आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमों के स्तर में बढ़ते अंतर के कारण ऐसे मैच हो रहे है जिससें रोमांच नहीं रहा है ।

टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों में एकतरफा मैचों की संख्या लगातार बढ़ रही है अगर ऐसा होता रहा तो एक समय लोग स्टेडयम आना बंद कर देंगे ।इस स्पिनर ने कहा, इस बार टी20 विश्वकप में भारत और अमेरिका, भारत और नामीबिया जैसे मैचों को शायद ही कोई देखने आये ।इस प्रकार के मैच खेल का आनंद कम कर देते हैं ।विश्व कप पहले हर चार साल में एक बार होता था ।इसी वजह से लोगों का आकर्षण बना रहता था ।भारतीय टीम तब पहले दौर में इंग्लैंड या श्रीलंका से खेलती थी और मैच में रोमांच रहता था ।साल 2026 पुरुष टी20 विश्व कप में 20 टीमें भाग लेंगी और यह 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा ।भारतीय टीम पिछली विजेता होने के कारण इसमें अपने खिताब का बचाव करेगी ।

दानिल मेदवेदेव की निगाह ब्रिस्बेन में खिताब जीतने पर

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव, टॉमी पॉल और जोआओ फोनसेका उन सितारों में से हैं जो इस आने वाले सप्ताह में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में 2026 सीजन की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जहां शनिवार को ड्रॉ निकाला गया। टॉप सीड मेदवेदेव 2019 में फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार ब्रिस्बेन में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और अपने पहले मैच में मार्टर्न फुक्सोविक्स का सामना करेंगे। विजेता फ्रांसिस टियाफो या ऑस्ट्रेलियाई वाइल्ड कार्ड अलेक्जेंडर वुकिच से भिड़ेगा।

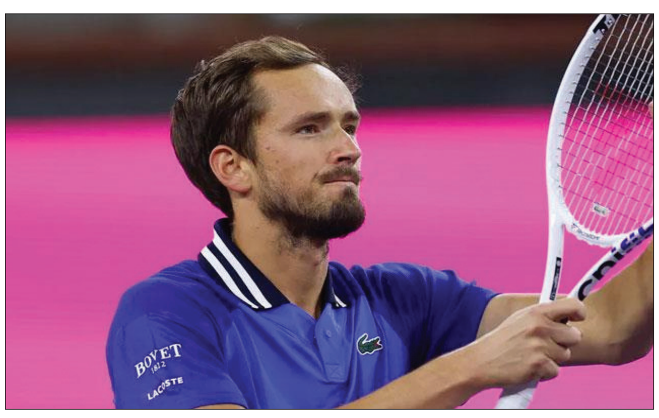

पॉल ने पैर की चोट के कारण यूएस ओपन के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है, लेकिन बड़े-सर्विस वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेट्शी पेरिकाड के खिलाफ वापसी करेंगे। पॉल दूसरे सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के समान हाफ में हैं, जो ब्रैंडन नाकाशिमा के खिलाफ शुरुआत करेंगे। डेविडोविच फोकिना एटीपी रैंकिंग में टॉप 20 में एकमात्र खिलाड़ी हैं जिनके पास टूर-लेवल का खिताब नहीं है, उन्होंने पिछले सीजन में चार फाइनल में जगह बनाई थी। वह एटीपी 250 के इस टूर्नामेंट में इस रिकॉर्ड को बदलने की कोशिश करेंगे।

जोआओ फोनसेका अपने करियर के उच्चतम नंबर 24 पर अपने सीजन की शुरुआत करेंगे और पहले दौर में अमेरिकी रेली ओपेल्का के साथ खेलेंगे। ओपेल्का पिछले साल ब्रिस्बेन में फाइनल में पहुंचे थे, जहाँ वे डिफेंडिंग चैंपियन जिरी लेहेका से हार गए थे। तीसरे सीड लेहेका टॉमस माचाक के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा शुरू करेंगे। नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल के चैंपियन लर्नर टिएन पहले दौर में कैमिलो उगो कैराबेलि का सामना करते हुए अपने प्रभावशाली फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे। 20 वर्षीय अमेरिकी दूसरे दौर में अपने अच्छे दोस्त एलेक्स मिशेलसेन के साथ खेल सकते हैं।

ग्रिगोर दिमित्रोव नवंबर में पेरिस में टूर में लौटे और ब्रिस्बेन में अपनी वापसी जारी रखेंगे, जहाँ वे पहले दौर में एक क्वालिफायर के साथ खेलेंगे। बैंक ऑफ चाइना हांगकांग टेनिस ओपन में, लोरेंजो मुसेटी टॉप सीड हैं और शनिवार के ड्रॉ के बाद दूसरे राउंड में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एटचेवेरी या वैलेंटीन रॉयियर से होगा। वर्ल्ड नंबर 8 एटीपी 250 में लगातार तीसरी बार खेल रहे हैं।

दूसरे सीड अलेक्जेंडर बुब्लिक का मुकाबला बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचल्प या किसी क्वालिफायर से होगा, जबकि 2024 के चैंपियन आंद्रेई रुब्लेव का सामना वू यिबिंग या फैबियन मारोज़सन से होगा।नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार रेई साकामोटो पांचवें सीड लोरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे, जबकि 20 साल के चीनी लेफ्टी शांग जुनचेंग फ्रांसिस्को कोमेसाना के साथ खेलेंगे। घरेलू पसंदीदा कोलमैन वोंग का मुकाबला मारियानो नावोन से होगा। शांग पिछले सीजन में हांगकांग में सेमीफ़ाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन चोटों के कारण उनका साल खराब हो गया। वोंग का 2025 में सबसे अच्छा प्रदर्शन यूएस ओपन में रहा, जहाँ वह तीसरे राउंड तक पहुंचे थे।

नीरज चोपड़ा की पीठ की चोट को लेकर बड़ा अपडेट : आगामी टूर्नामेंट पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली ।भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस समय अपनी पीठ की चोट से उबरने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं ।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने शनिवार को बताया कि नीरज ने अभी यह तय नहीं किया है कि वह इस सत्र की शुरुआत कब और कहां से करेंगे ।एएफआई के अनुसार, फिलहाल उनके लिए सीजन ओपनर से ज्यादा जरूरी चोट से पूरी तरह उबरना है ।

विश्व चैंपियनशिप के बावजूद दिखाया जज्बा– नीरज चोपड़ा को सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से ठीक पहले पीठ में चोट लगी थी ।इसके बावजूद उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे ।यह प्रदर्शन उनके मई 2025 में बनाए गए 90.23 मीटर के व्यक्तिगत और सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से काफी कम था ।एएफआई प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा कि नीरज ने दो चोटों के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में खेलने का फैसला किया और कभी अपनी परेशानी का बहाना नहीं बनाया ।

एएफआई ने की नीरज के रवैये की तारीफ– पूर्व एएफआई अध्यक्ष सुमरिवाला ने नीरज की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने चोट और सूजन के बावजूद देश के लिए खेलने का जज्बा दिखाया ।उनके मुताबिक, नीरज जैसे खिलाड़ी बहुत कम होते हैं, जो बिना किसी शिकायत के मैदान में उतरते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं ।

सीजन की शुरुआत और निजी जीवन– पिछले कुछ वर्षों में नीरज ने आमतौर पर अप्रैल या मई में अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत की है ।हाल ही में उन्होंने अपने गृह राज्य में हुए रिसेप्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं ।नीरज ने 2025 की शुरुआत में पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर से निजी समारोह में विवाह किया था ।

डोप टेस्टिंग पूल में सिर्फ दो भारतीय– विश्व एथलेटिक्स की एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट (AIU) की ताजा रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल सूची में नीरज चोपड़ा और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ही शामिल हैं ।सुमरिवाला ने बताया कि AIU स्वतंत्र संस्था है और जिन खिलाड़ियों के बड़े टूर्नामेंटों के लिए क्वालीफाई करने की संभावना होती है, उन पर निगरानी बढ़ाई जाती है ।2025 टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में सचिन यादव ने नीरज से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया था ।

एशियन गेम्स के लिए चयन नियम और नीरज को छूट– एएफआई ने इस साल जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाइंग मानक भी जारी किए हैं ।सामान्य तौर पर खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय या एएफआई द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अनिवार्य होगा ।हालांकि, सुमरिवाला ने संकेत दिए कि नीरज चोपड़ा को पहले की तरह घरेलू प्रतियोगिताओं से छूट मिल सकती है, क्योंकि वह डायमंड लीग जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में हिस्सा लेंगे ।अंतिम फैसला चयन समिति के हाथ में होगा ।

भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर पहुंचेगी : बीसीबी

ढाका ।बांग्लादेश में जारी उथल–पुथल के बीच ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि भारतीय टीम अगस्त–सितंबर 2026 में तीन मैचों की एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगी ।बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने कहा, बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे अब 28 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है ।इसके तहत ही मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे ।वहीं टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे ।वहीं बीसीबी ने साल 2026 सत्र के लिए अंतररष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा कर दी है ।इसमें तीनों प्रारुपों में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज रखी गयी हैं ।कार्यक्रम के तहत ही पाकिस्तान 9 मार्च को तीन एकदिवसीय मैचों के दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा ।वहीं अप्रैल–मई में न्यूजीलैंड का बांग्लादेश का दौरा तीन एकदिवसीय के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे ।इसके बाद पाक पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आयेगी । पहला टेस्ट मैच 8–12 मई तक और दूसरा 16–20 मई तक खेला जाएगा ।ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश दौरा 5 जून को तीन एकदिवसीय के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15–20 जून के बीच खेली जाएगी ।भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा ।

बीसीसीआई के सख्त निर्देश पर केकेआर का बड़ा फैसला, आईपीएल 2026 टीम से बाहर हुए मुस्तफिजुर रहमान

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को पुष्टि की कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) के निर्देश के बाद उसने बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से बाहर कर दिया है। केकेआर द्वारा जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि आईपीएल के नियामक बीसीसीआई/आईपीएल ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से मुक्त करने का निर्देश दिया है।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर उचित प्रक्रिया और परामर्श के बाद यह कार्रवाई की गई है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई आईपीएल नियमों के अनुसार कोलकाता नाइट राइडर्स को एक प्रतिस्थापन खिलाड़ी उपलब्ध कराएगा, और आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी। यह बयान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है।

देवजीत सैकिया ने एएनआई को बताया, 'हाल ही में देश भर में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी केकेआर को बांग्लादेश के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है और बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि अगर वे किसी प्रतिस्थापन का अनुरोध करते हैं, तो बीसीसीआई उस प्रतिस्थापन की अनुमति देगा।'

गौरतलब है कि बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से राजनीतिक विरोध शुरू हो गया है, खासकर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को हाल ही में निशाना बनाए जाने के मद्देनजर, और आईपीएल 2026 सीजन के लिए केकेआर द्वारा मुस्तफिजुर के चयन पर विभिन्न राय सामने आई हैं। मुस्तफिजुर को पिछले साल दिसंबर में आईपीएल नीलामी में कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो, ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में खबर आई कि रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से बाहर हो गए हैं, लेकिन अभिनेता या प्रोडक्शन टीम ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं हाल ही में जानकारी आई है कि इस फिल्म के लीड हीरो के लिए तलाश शुरू हो चुकी है, जिसमें सबसे पहला नाम इस हैंडसम एक्टर का है।

रणवीर सिंह की जगह कौन?

एक खबर के अनुसार फिल्म के निर्माता डॉन 3 के लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वॉर 2 के हीरो ऋतिक को इस मशहूर डॉन फेंचाइजी का नया चेहरा बनाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉन 3 के मुख्य अभिनेता को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

फरहान अख्तर की पहली पसंद ऋतिक थे

पिछले साल एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने बताया कि डॉन 2 के लिए उन्होंने पहले ऋतिक रोशन से वादा किया था। फरहान और ऋतिक ने साथ में फिल्म लक्ष्य की थी, इसलिए फरहान ने ऋतिक को स्क्रिप्ट सुनाने का प्लान बनाया। लेकिन स्क्रिप्ट लिखते समय फरहान को लगा कि यह रोल शाहरुख खान के लिए ज्यादा सूट करेगा। फरहान ने ऋतिक को फोन करके यह बात बताई। ऋतिक ने बहुत अच्छे से कहा, फरहान, तुम अपनी बेस्ट फिल्म बनाओ। अगर शाहरुख सही लग रहे हैं, तो उनसे करो। मेरी चिंता मत करो। फरहान ने इसे बहुत विनम्र व्यवहार बताया।

रणवीर सिंह के डॉन 3 से बाहर होने की खबरें आने के बाद अफवाहें उड़ीं कि उनकी फिल्म धुरंधर की सफलता के कारण ऐसा हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि निर्माताओं से मांगों पर मतभेद हुआ, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग में देरी हो सकती है।

शिल्पा शिंदे के बाद 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में सौम्या टंडन की वापसी? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शुमार 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर सुर्खियों में है। शो के नए वर्जन 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इसी के साथ सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या शो की पहली 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट सकती हैं। अब इन कयासों पर खुद सौम्या टंडन ने चुप्पी तोड़ी है।

सौम्या ने अटकलों पर लगाया विराम

शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद से ही फैंस पुराने किरदारों को फिर से देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासतौर पर सौम्या टंडन, जिन्होंने अनीता नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी, उनकी वापसी की खबरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि, इन अटकलों पर विराम लगाते हुए सौम्या ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस शो का हिस्सा बनने नहीं जा रही हैं।

सौम्या टंडन ने दिया जवाब

जूम टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान सौम्या टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर में आगे बढ़ चुकी हैं और इस समय दूसरे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, जब वह किसी नए रास्ते पर आगे बढ़ चुकी हैं, तो पुराने शो में वापसी का सवाल ही नहीं उठता। गौरतलब है कि सौम्या टंडन ने साल 2020 में 'भाबीजी घर पर हैं' को अलविदा कह दिया था। उनके जाने के बाद शो में अनीता भाभी के किरदार को पहले नेहा पेंडसे ने निभाया और फिर विदिशा श्रीवास्तव इस रोल में नजर आईं। हालांकि, सौम्या की लोकप्रियता ऐसी रही कि आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार में याद करते हैं।

धुरंधर में नजर आईं सौम्या टंडन

टीवी के अलावा सौम्या टंडन ने अब फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर' में नजर आईं, जहां उन्होंने अक्षय खन्ना के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनके अभिनय को सराहा गया। सौम्या ने यह भी संकेत दिया कि फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' में उनकी भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्योंकि कहानी के अनुसार उनके किरदार की मौत पहले ही हो चुकी है। हालांकि, दर्शकों को उनकी झलक जरूर देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी, जिसमें रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। पहले पार्ट को रिलीज हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

'इक्कीस' के लिए क्यों रिजेक्ट हुए वरुण धवन? अगस्त्य नंदा कैसे बने पहली पसंद

'इक्कीस' की रिलीज से पहले इसके डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। हालिया दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वरुण धवन भी फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए एक्साइटेड थे लेकिन एक वजह से उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। साथ ही डायरेक्टर ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के रोल में अगस्त्य नंदा को ही क्यों कास्ट किया गया।

इस वजह से रिजेक्ट हुए वरुण धवन

हाल ही में 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में श्रीराम राघवन कहते हैं, 'वरुण धवन फिल्म 'इक्कीस' के लिए एक्साइटेड थे। हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन जब तक शुरुआती स्क्रिप्टिंग पूरी हुई, कोविड आ गया और प्लान बदल गए। जैसे-जैसे स्क्रिप्ट आगे बढ़ी, हमें अहसास हुआ कि कहानी के लिए एक्टर की उम्र एक अहम फैक्टर है। कुछ सीन में लीड कैरेक्टर अरुण खेत्रपाल सिर्फ 19 साल के हैं। ऐसे में हमें फिल्म की कहानी के लिए एक नए चेहरे की जरूरत थी।'

क्यों चुने गए अगस्त्य नंदा?

डायरेक्टर श्रीराम राघवन बताते हैं कि जब अगस्त्य नंदा को कास्ट किया गया था, तब वह 21 साल के थे, जिससे वह रोल के लिए ज्यादा सही लगे। साथ ही डायरेक्टर ने कहा कि अगस्त्य नंदा में एक और खासियत थी, जिसे वजह से वह सेलेक्ट हुए। श्रीराम राघवन कहते हैं, 'मुझे उनकी आंखों में मासूमियत दिखती थी।'

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

रश्मिका ने फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी सफलता का श्रेय फैंस को दिया?

रश्मिका मंदाना ने फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने खास लोगों के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया। उन्होंने अपने पूरे सफर में मिले प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे होने पर अपने फैंस और सभी शुभचिंतकों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 9 साल, अभी भी विश्वास नहीं हो रहा। 26 फिल्मों के बाद मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने काम पर नहीं, बल्कि इस सफर में मिले परिवार पर है। सारा प्यार, धैर्य, विश्वास और हर छोटा-बड़ा पल, ये सब मेरे दिल को खुशी से भर देते हैं।

फैंस को दिया सफलता का क्रेडिट

रश्मिका ने आगे लिखा, आज आपके मैसेज और पोस्ट पढ़कर दिल बहुत खुश हुआ। हर मुश्किल और खुशी के समय में साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आपकी वजह से ही यहां तक पहुंची। मुझे वैसी ही स्वीकार करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। हमारा रिश्ता अब सिर्फ एक्टर-फैन से बहुत आगे का है। आप मेरे लिए परिवार जैसे हैं। उम्मीद है ये रिश्ता हमेशा बना रहे और मैं आगे भी अच्छा काम करती रहूं। आप सबके लिए ढेर सारा शुक्रिया। आपकी रश्मिका।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना नई फिल्म मैसा में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 'मैसा' का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

'हाउसफुल 5' और 'धुरंधर' की आलोचनाओं पर चित्रांगदा ने कहा...

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' की महिला किरदारों को अजब तरह से दिखाने को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। फिल्म में महिला किरदार को सिर्फ एक ऑब्जेक्ट के तौर पर दिखाया गया था और उनके कई भद्दे सीन भी थे। कई लोगों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए चुटकुले ज्यादातर महिलाओं के शरीर पर ही टिप्पणियां थीं। इन आलोचनाओं पर अब फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

सीन को पर्दे पर दिखाना निर्देशक का काम

बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने फिल्म की आलोचनाओं को लेकर कहा कि जब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुई तो उन्होंने उन पर गौर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब आप स्क्रिप्ट सुनते हैं, तो आपको शॉट ब्रेकडाउन नहीं बताया जाता। आप सिर्फ उतना ही कल्पना कर पाते हैं, जितना स्क्रिप्ट में लिखा होता है। इसके अलावा किसी सीन को पर्दे पर कैसे दिखाया जाए, यह निर्देशक ही तय करता है। आगे महिलाओं की भूमिकाओं को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अक्सर मजबूत भूमिकाएं मिलने से पहले ग्लैमरस भूमिकाओं में खुद को साबित करना पड़ता है। हालांकि, मैं इनमें से किसी भी बात को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपने अभिनय पर एक सीमित नियंत्रण होता है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी देखना थोड़ा अनकंफर्टेबल लगता है।

काफी पेचीदा है कॉमेडी

कॉमेडी को पेचीदा बताते हुए चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी चुटकुले लोगों को हंसाते हैं और वे हंसते हैं। कभी-कभी नहीं हंसते। जब चुटकुले असरदार नहीं होते, तभी लोग आलोचना करने लगते हैं। जिम कैरी और एडी मर्फी जैसे अभिनेताओं की फिल्मों में भी बोल्ड फिजिकल कॉमेडी थी और लोगों ने उन्हें पसंद किया। ऐसे सीन पहले भी हुआ करते थे।

'धुरंधर' को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ हिंसात्मक सीन वाली फिल्म के रूप में देखते हैं, लेकिन यही तो कहानी कहने का तरीका है। हर जॉनर की अपनी एक अलग स्टाइल होती है। मैं इस पर कोई राय नहीं देती। यह दर्शकों और उनके विवेक के ऊपर है कि वे फिल्म देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। कभी-कभी हम कुछ ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही नजरिये से देखना चाहिए और इसे कुछ सिनेमाई छूट देनी चाहिए।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी चित्रांगदा

वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 में चित्रांगदा की चार फिल्में रिलीज हुईं। इनमें परिक्रमा, हाउसफुल 5, खाकी- द बंगाल चैप्टर और रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स शामिल हैं। हालांकि, 'हाउसफुल 5' को छोड़कर बाकी सारे प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर ही रिलीज हुए। वो आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म में 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर' में नजर आई थीं। अब वो सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवां' में दिखाई देंगी।

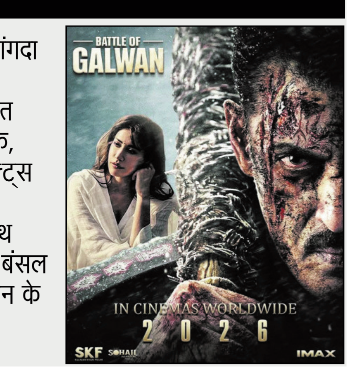

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व स्प्रिचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे,धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मोंक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन

> धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंगका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं।

यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुक्पा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंट्री पॉइंट पर आपको एक वॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देतो हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नॉरबुलिंका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम की आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है। यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है। तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रैकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।